हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● सोमवार ● 20.04.2026 ● वर्ष : 16 ● अंक : 263 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

तमिलनाडु : पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट

18 मजदूरों की मौत

एजेंसी

चेन्नई/विरुधुनगर : तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। यहाँ के कट्टानरपट्टी गांव में स्थित एक पटाखा निर्माण इकाई में रविवार को जोरदार धमाका हुआ, जिसमें अब तक 18 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। इस हादसे में आधा दर्जन से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हैं।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार, विस्फोट उस समय हुआ जब फैक्ट्री में पटाखों के लिए रसायनों को मिलाने का काम चल रहा था। धमाका इतना शक्तिशाली था कि कारखाने के चार कमरे पूरी तरह से मलबे में तब्दील हो गए। मलबे और आग की तीव्रता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि कई शव इतनी बुरी तरह जल चुके हैं कि उनकी पहचान करना भी मुश्किल हो रहा है।

घटना के वक्त फैक्ट्री में करीब 30 मजदूर मौजूद

मुख्यमंत्री ने व्यक्त की संवेदना

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से पीड़ितों के प्रति संवेदनाएं प्रकट कीं और कैबिनेट मंत्रियों—केकेएसएसआर रामचंद्रन और थंगम थेंनारासू—को तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर राहत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं।

छुट्टी के दिन भी चल रहा था काम

हादसे का शिकार हुई 'वनजा पटाखा निर्माण इकाई' मुथुमानिकम नामक व्यक्ति की है। हालांकि इस फैक्ट्री के पास वैध लाइसेंस था, लेकिन जांच का विषय यह है कि रविवार को आधिकारिक अवकाश होने के बावजूद वहां काम क्यों किया जा रहा था। घटना के वक्त फैक्ट्री में करीब 30 मजदूर मौजूद थे।

राहत और बचाव कार्य जारी

हादसे की सूचना मिलते ही शिवकाशी, विरुधुनगर और सत्तूर से दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। भारी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। विरुधुनगर के जिला पुलिस अधीक्षक श्रीनाथ खुद मौके पर मौजूद रहकर बचाव कार्य की निगरानी कर रहे हैं। घायलों को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हादसे पर राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने जताया शोक

तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में स्थित एक पटाखा फैक्टरी में हुए भीषण हादसे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शोक व्यक्त किया है। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री इस दुखद घटना में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति संवेदनाएं प्रकट की हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में हुए इस हादसे में जानमाल की क्षति अत्यंत पीड़ादायक है। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

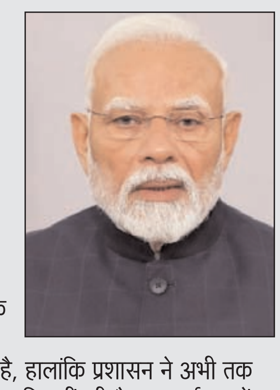

वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी इस घटना को बेहद दुखद बताते हुए कहा कि जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति उनकी गहरी संवेदना है। उन्होंने घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

दरअसल, विरुधुनगर जिले के कट्टुनारपट्टी क्षेत्र में रविवार दोपहर एक पटाखा फैक्टरी में विस्फोट के बाद भीषण आग लग गई। इस हादसे में 18 मजदूरों की मौत हुई है, हालांकि प्रशासन ने अभी तक मृतकों की संख्या की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। इस दुर्घटना में छह लोग घायल हुए हैं, जिनका इलाज जारी है। घटना के बाद मौके पर राहत और बचाव कार्य तेजी से चलाया जा रहा है। प्रशासन और दमकल विभाग की टीमें स्थिति को नियंत्रित करने में जुटी हैं।

सोशल मीडिया पर भ्रामक सामग्री के खिलाफ चुनाव आयोग हुआ सख्त, कार्रवाई के दिए निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली : चुनाव आयोग ने 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव और 8 सीटों पर हो रहे उपचुनाव के दौरान सोशल मीडिया पर प्रसारित भ्रामक के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। आयोग ने कहा है कि सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000, आईटी नियम, 2021 तथा आदर्श आचार संहिता के प्रावधानों के तहत सभी संबंधित पक्षों को डिजिटल मंचों का जिम्मेदार और नैतिक उपयोग सुनिश्चित करना होगा।

चुनाव आयोग के अनुसार, किसी भी भ्रामक या कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा तैयार अथवा छेड़छाड़ की गई सामग्री पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को तीन घंटे के भीतर कार्रवाई करनी होगी। साथ ही, राजनीतिक दलों, उम्मीदवारों और प्रचार से जुड़े प्रतिनिधियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि कृत्रिम रूप से तैयार या परिवर्तित सामग्री को स्पष्ट रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता जनित या डिजिटल रूप से परिवर्तित के रूप में चिह्नित किया जाए और उसके स्रोत की जानकारी भी दी जाए।

आयोग ने बताया कि असम, केरल, तमिलनाडु, पुडुचेरी और पश्चिम बंगाल में जारी विधानसभा चुनावों के दौरान सोशल मीडिया सामग्री की निगरानी की जा रही है। आचार संहिता का उल्लंघन करने वाली, कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने वाली या मतदान प्रक्रिया को लेकर भ्रामक जानकारी फैलाने वाली सामग्री पर संबंधित प्राधिकारियों द्वारा कार्रवाई की जा रही है।

चुनाव आयोग की तरफ से बताया गया है कि 15 मार्च को चुनाव की घोषणा के बाद से अब तक 11 हजार से अधिक आपत्तिजनक सोशल मीडिया पोस्ट और यूआरएल की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की गई है। इनमें सामग्री हटाना, प्राथमिकी दर्ज करना, स्पष्टीकरण मांगना और खंडन शामिल हैं।

इसके अलावा, आयोग ने जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126 के प्रावधानों को दोहराते हुए कहा कि मतदान समाप्त होने से 48 घंटे पहले के मौन अवधि के दौरान किसी भी प्रकार के चुनाव प्रचार पर रोक रहेगी और सभी माध्यमों को इसका सख्ती से पालन करना होगा।

बंगाल में प्रोटोकॉल तोड़कर झालमुड़ी की दुकान पर पहुंचे पीएम मोदी, दुकानदार से पूछा

भाई झालमुड़ी खिलाओ, कितने की है?

एजेंसी

झाड़ग्राम/कोलकाता : पश्चिम बंगाल में चुनावी पारा अपने चरम पर है। रविवार को राज्य में ताबड़तोड़ चार रैलियों को संबोधित करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक बेहद सहज और आत्मीय अंदाज देखने को मिला। झाड़ग्राम में रैलियों के व्यस्त कार्यक्रम के बीच, प्रधानमंत्री अचानक सड़क किनारे एक छोटी सी झालमुड़ी की दुकान पर रुक गए और स्थानीय स्ट्रीट फूड का आनंद लिया।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में प्रधानमंत्री बिल्कुल साधारण अंदाज में दुकानदार से संवाद करते नजर आ रहे हैं। उन्होंने दुकानदार से पूछा, भाई हमें अपना झालमुड़ी खिलाओ। कितने का है? अच्छे वाला कितने का है? दुकानदार ने जब बताया कि झालमुड़ी 10 और 20 रुपये में उपलब्ध है, तो पीएम ने मुस्कुराते हुए कहा, जो भी है, उसे बना दो।

झालमुड़ी तैयार होने के बाद जब पीएम मोदी ने जेब से 10 रुपये का नोट निकालकर दुकानदार को देना चाहा, तो दुकानदार ने श्रद्धावश पैसे लेने से मना कर दिया। हालांकि, प्रधानमंत्री ने आग्रह किया और अंततः दुकानदार को भुगतान किया। केवल खुद ही नहीं, प्रधानमंत्री ने वहां मौजूद अन्य लोगों और बच्चों के बीच भी यह नाश्ता बांटा।

जैसे ही लोगों को पता चला कि प्रधानमंत्री उनकी पसंदीदा झालमुड़ी की दुकान पर खड़े हैं, वहां भारी भीड़ उमड़ पड़ी। नीली जैकेट, सफेद कुर्ता और बीजेपी के प्रतीक वाले लाल गमछे में सजे पीएम को अपने इतने करीब देखकर स्थानीय लोग उत्साहित हो गए और अपने मोबाइल में इस पल को कैद करने लगे।

राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि पीएम मोदी का यह कनेक्ट बंगाल की जनता के साथ उनके सीधे जुड़ाव को और मजबूती प्रदान करता है।

प्रिंस खान का करीबी सैफी कोलकाता एयरपोर्ट से गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : भगोड़ा अपराधी प्रिंस खान का करीबी सैफी उर्फ मेजर को धनबाद पुलिस ने कोलकाता एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। बताया जा रहा है कि सैफी, दुबई फरार होने की तैयारी में था लेकिन इससे पहले ही पुलिस ने उसे पकड़ लिया।

धनबाद पुलिस को उसकी गतिविधियों की गुप्त सूचना पहले ही मिल गई थी। इसके बाद तुरंत कार्रवाई करते हुए कोलकाता पुलिस से समन्वय स्थापित किया गया। धनबाद पुलिस ने सैफी की पूरी डिटेल्स साझा की। जिसके आधार पर कोलकाता एयरपोर्ट पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

कड़ी सुरक्षा के बीच जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा (सीधी भर्ती) प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा-2025 रविवार को राज्यभर के विभिन्न परीक्षा केंद्रों के साथ-साथ राजधानी रांची के 96 केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गई। दो पालियों में आयोजित यह परीक्षा शाम 5 बजे समाप्त हो गई। प्रशासन की सख्ती और सुव्यवस्थित तैयारियों के कारण पूरे दिन परीक्षा

केंद्रों पर अनुशासन का माहौल देखने को मिला।

परीक्षा की पहली पाली सुबह 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक, जबकि दूसरी पाली दोपहर 3:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक आयोजित की गई। सुबह 8:00 बजे से ही अभ्यर्थियों का केंद्रों पर पहुंचना शुरू हो गया था। प्रवेश से पहले सभी परीक्षार्थियों की सघन जांच की गई, जिसके बाद ही उन्हें अंदर जाने की अनुमति दी गई। बिना एडमिट कार्ड और वैध पहचान पत्र के किसी को भी प्रवेश नहीं दिया गया।

विधानसभा अध्यक्ष व चीफ जस्टिस ने बाबा धाम में की पूजा-अर्चना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

देवघर : झारखंड के विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो रविवार सुबह 8 बजे बाबा धाम मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने अपने परिवार के साथ ज्योतिर्लिंग पर जलाभिषेक कर पूजा अर्चना की। मंदिर पहुंचने के बाद वीआईपी गेट से वह मंदिर परिसर में प्रवेश किए और पुरोहितों ने उन्हें संकल्प कराया।

इसके साथ ही झारखंड उच्च न्यायालय के चीफ जस्टिस महेश शरद चंद्र सोनक भी बाबा

बासुकीनाथ धाम पहुंचे और सपरिवार भोलेनाथ की पूजा अर्चना की। चीफ जस्टिस को बासुकीनाथ धाम मंदिर में उनके पुरोहितों द्वारा विधि विधान पूर्वक समस्त देवी देवताओं का पूजा अर्चना कराया गया।

ईरान ने अमेरिका के सामने रखी शर्त, बंदरगाहों की घेराबंदी हटने पर ही खुलेगा जलमार्ग

एजेंसी

तेहरान/वाशिंगटन : वैश्विक दबाव के बावजूद होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर जारी गतिरोध सुलझने के बजाय और गहरा गया है। ईरान ने दो टूक शब्दों में अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा है कि वह इस महत्वपूर्ण जलमार्ग को तभी खोलेगा, जब अमेरिकी सेना उसके बंदरगाहों की नाकेबंदी खत्म कर वापस लौटेगी। इस बीच, दूसरे दौर की वार्ता से पहले दोनों देशों के बीच अविश्वास की खाई और चौड़ी हो गई है।

ईरान के उप विदेश मंत्री सईद खतीबजादेह ने वाशिंगटन की आलोचना करते हुए कहा कि कूटनीतिक बातचीत के लिए फिलहाल कोई तारीख तय नहीं की गई है। उन्होंने अंताल्या डिप्लोमेसी फोरम में पत्रकारों से कहा, यदि अमेरिका अतिवादी और हठधर्मी रवैया नहीं अपनाता, तो समझौता काफी पहले हो गया होता। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान अंतरराष्ट्रीय परमाणु एजेंसी के नियमों के दायरे में रहकर ही कोई समझौता करेगा और अपने अधिकारों से समझौता नहीं करेगा।

ट्रंप का कड़ा रुखः 'दबाव में नहीं आएगा वाशिंगटन'

दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक कोई ठोस समझौता नहीं होता, ईरानी बंदरगाहों पर नौसैनिक घेराबंदी जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि अमेरिका तेहरान के किसी भी दबाव में आने वाला नहीं है।

भारतीय जहाजों पर हमलाः ईरान की ओर से होर्मुज में की गई गोलीबारी में भारत ने पुष्टि की है कि उसके दो जहाजों को निशाना बनाया गया है।

ब्रिटिश सेना का दावाः ब्रिटेन के अनुसार, दो ईरानी गनबोटों ने एक टैंकर पर गोलीबारी की है।

ईरान का नियंत्रणः ईरानी सेना ने शनिवार को घोषणा की कि उसने होर्मुज जलडमरूमध्य पर फिर से पूर्ण नियंत्रण हासिल कर लिया है और नाकेबंदी जारी रहने तक आवाजाही बाधित रहेगी।

अमेरिका-ईरान के बीच दूसरे दौर की बातचीत आज से

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि सोमवार को अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद पहुंचेगा, जहां ईरान के साथ द्विपक्षीय संघर्ष को समाप्त करने के लिए दूसरा दौर की तकनीकी स्तर की बातचीत होने वाली है। ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पाकिस्तान की मध्यस्थता में बातचीत आगे बढ़ रही है और अमेरिका इस्लामाबाद जाने को इच्छुक है। उन्होंने ने पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की तारीफ करते हुए उन्हें 'शानदार' बताया और कहा कि उनकी भूमिका के कारण इस्लामाबाद में बातचीत की संभावना बढ़ गई है।

ईरानी सेना का दावाः एफ-35 फाइटर जेट को बनाया निशाना,

ईरान और अमेरिका के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है। ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बागेर गलीबाफ ने दावा किया है कि उनकी सेना ने लगभग 180 ड्रोनों को नष्ट कर दिया है। इसके साथ ही उन्होंने दुनिया के सबसे आधुनिक लड़ाकू विमानों में शुमार अमेरिकी एफ-35 स्टेल्थ फाइटर जेट को भी निशाना बनाने का दावा किया है। अमेरिकी अधिकारियों ने भी पुष्टि की है कि एक एफ-35 जेट को क्षति पहुँचने के बाद 'इमरजेंसी लैंडिंग' करनी पड़ी थी।

ईरान ने चेतावनी दी है कि वह अपनी रक्षा व्यवस्था से समझौता नहीं करेगा और उसकी सैन्य प्रगति दुश्मनों के लिए एक सख्त संदेश है।

लेबनान में भी स्थिति तनावपूर्ण

होर्मुज संकट के बीच लेबनान से भी संघर्ष की खबरें हैं। इजराइली सेना ने बताया कि दक्षिणी लेबनान में लड़ाई के दौरान उसका एक सैनिक (सार्जेंट फर्स्ट क्लास लिडोर पोरात) मारा गया है, जिससे मरने वाले सैनिकों की संख्या 14 हो गई है। वहीं, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने हिज्बुल्लाह को फ्रांस के शांति-रक्षक सैनिक की मौत के लिए जिम्मेदार ठहराया है, हालांकि हिज्बुल्लाह ने इन आरोपों को खारिज किया है।

एक नजर

श्रीनगर एयरपोर्ट पर सैटेलाइट फोन के साथ 2 अमेरिकी नागरिक गिरफ्तार

श्रीनगर : श्रीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सुरक्षा जांच के दौरान दो अमेरिकी नागरिकों को पकड़ा गया। उनके सामान से गार्मिन कंपनी का एक सैटेलाइट फोन बरामद हुआ। एयरपोर्ट सुरक्षा अधिकारियों ने शुरूआती पूछताछ के बाद दोनों को पुलिस के हवाले कर दिया है। फिलहाल उनसे पूछताछ जारी है कि उनके पास यह फोन कहां से आया। भारत में बिना अनुमति या वैध लाइसेंस के सैटेलाइट फोन का इस्तेमाल और उसे पास रखना पूरी तरह प्रतिबंधित है।

तालाब में डूबने से मां और दो बेटियों की मौत

चतरा : चतरा जिले के सदर प्रखंड अंतर्गत भोज्या गांव स्थित बड़का आहार के तालाब में एक हृदयविदारक हादसा सामने आया है, जहां डूबने से एक मां और उसकी दो मासूम बेटियों की मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है, जबकि परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों के अनुसार, खीरू यादव की पत्नी परवा देवी अपनी दो बेटियों गीता कुमारी (8 वर्ष) और मालती कुमारी (6 वर्ष) के साथ तालाब पर कपड़े धोने गई थीं। इसी दौरान एक बच्ची का पैर अचानक फिसल गया और वह गहरे पानी में चली गई। बच्ची को बचाने के लिए मां परवा देवी तुरंत तालाब में कूद पड़ीं। वहीं, दूसरी बेटी भी उन्हें बचाने के प्रयास में पानी में उतर गई।

हाथियों ने पटक-पटक कर युवक की ली जान

कोडरमा : जिले के सतगावां थाना क्षेत्र स्तिथ कटैया गांव में बीती रात हाथियों ने जमकर उत्पात मचाया। इस दौरान हाथियों ने पटक-पटक कर एक युवक की जान ले ली। मृत युवक की पहचान कटैया निवासी 35 वर्षीय रोहित कुमार के रूप में की गई है। घटना के संबंध में कटिया गांव निवासी पिंटू कुमार ने बताया कि 15 से 20 हाथियों का झुंड सतगावां के अलग-अलग इलाकों में लगभग एक महीने से भ्रमणशील है। दो दिन पहले भी हाथियों का झुंड कटैया पंचायत के गजघर गांव में प्रवेश किया था और वहां वीरेंद्र राय के मकान को क्षतिग्रस्त कर घर में रखा अनाज नष्ट कर दिया था। ग्रामीण उसी दिन से लगातार दहशत में हैं और वन विभाग से हाथियों को इलाके से खदेड़ने की गुजारिश कर रहे हैं।

मप्र : ट्रैक्टर पलटने से 4 दोस्तों की मौत

अनूपपुर : मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले में रविवार सुबह एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर गड्ढे में पलट गया, जिससे सभी युवक उसके नीचे दब गए। बताया गया कि डिंडौरी जिले के रहने वाले चार दोस्त ट्रैक्टर से गिट्टी लेने जा रहे थे, तभी रास्ते में उनका वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया और सभी की मौके पर ही मौत हो गई।

कोलकाता पुलिस के डीसीपी के घर ईडी का छापा

कोलकाता : पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले महानगर कोलकाता में केंद्रीय जांच एजेंसियों की सक्रियता तेज हो गई है। रविवार सुबह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोलकाता पुलिस के उप पुलिस आयुक्त शांतनु सिंह विश्वास के बालिगंज स्थित फर्न रोड आवास पर छापेमारी की। अधिकारियों की टीम सुबह-सुबह वहां पहुंची और घर के भीतर तलाशी अभियान शुरू किया।

एक नजर

समाज के सभी वर्गों की भागीदारी से ही विकास योजनाएं होगी सफल : सुनीता देवी

चौपारण : प्रखंड की पाण्डेयबारा पंचायत में विकास योजनाओं को प्रभावी, पारदर्शी और जनहितकारी बनाने के लिए समाज के सभी वर्गों की सहभागिता जरूरी है। यह बात पूर्व मुखिया प्रत्याशी सुनीता देवी ने कही। उन्होंने कहा कि पंचायत क्षेत्र के विकास कार्य केवल अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के भरोसे नहीं छोड़े जा सकते, बल्कि समाजसेवियों की सक्रिय भागीदारी भी आवश्यक है। समाजसेवी जमीनी स्तर पर लोगों की समस्याओं, जरूरतों और अपेक्षाओं को बेहतर तरीके से समझते हैं, जिससे योजनाओं का सही चयन और सफल क्रियान्वयन संभव हो पाता है। सुनीता देवी ने कहा कि विकास कार्यों में समाजसेवियों को शामिल किए जाने से योजनाओं का लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंचेगा और कार्यों में पारदर्शिता भी बढ़ेगी। इससे पंचायत क्षेत्र में संतुलित एवं समग्र विकास को गति मिलेगी। उन्होंने पंचायत के सभी वार्ड सदस्यों से अपील की कि वे अपने-अपने वार्ड की जरूरतों के अनुसार योजनाओं की मांग करें, ताकि हर वार्ड में समान रूप से विकास कार्य हो सके। अंत में उन्होंने प्रशासन से मांग की कि विकास योजनाओं में जनभागीदारी को प्राथमिकता दी जाए, जिससे पंचायत का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जा सके।

हजारीबाग में बिहार विधान सभा अध्यक्ष डॉ प्रेम कुमार का भव्य स्वागत

हजारीबाग : बिहार विधानसभा के माननीय अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार जी के हजारीबाग आगमन पर विधायक जन सेवा कार्यालय में उनका भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर हजारीबाग विधायक श्री प्रदीप प्रसाद ने स्थानीय नेताओं, कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों के साथ मिलकर उनका अभिनंदन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा प्रदेश कार्यकारी सदस्य सुदेश चंद्रवंशी ने की, जबकि मंच संचालन भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष अजीत कुमार चंद्रवंशी ने किया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन भाजपा जिला उपाध्यक्ष कुणाल दुबे द्वारा किया गया। अपने संबोधन में डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि सनातनी समाज को जाति, धर्म, अगड़ा-पिछड़ा जैसे भेदभाव से ऊपर उठकर एकजुट होना चाहिए, तभी समाज और देश का समग्र विकास संभव है। उन्होंने महिला सशक्तिकरण पर जोर देते हुए कहा कि भाजपा ने महिला आरक्षण का प्रस्ताव लाकर महिलाओं को सम्मान और अधिकार देने का ऐतिहासिक प्रयास किया है, किंतु विपक्ष के विरोध ने उनकी मानसिकता को उजागर कर दिया। वहीं विधायक प्रदीप प्रसाद ने अपने संबोधन में झारखंड सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य में विकास कार्य ठप पड़ गए हैं और कानून-व्यवस्था की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। उन्होंने कहा कि जनता सब देख रही है और समय आने पर इसका उचित जवाब देगी। कार्यक्रम के दौरान डॉ. प्रेम कुमार ने वार्ड पार्षद विशाल वर्मा, मोना देवी एवं रिंकू वर्मा को अंगवस्त्र ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य हरिश श्रीवास्तव, रविंद्र लाल, राकेश वर्मा, अमरदीप कुमार सिंह, अविनाश कसेरा, छेदी ठाकुर, रामदेव ठाकुर, मनोज वर्मा, सूर्यांश कुमार, भोला भगत, दीपक चंद्रवंशी, शैलेंद्र चंद्रवंशी, अशोक वर्मा, बिरजू रवि, सुबोध सिन्हा सहित भारतीय जनता पार्टी के अनेक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

बरही में युवक से लूटपाट, मारपीट कर तिलैया ओवरब्रिज के पास फेंका

- परीक्षा केंद्र जाने के नाम पर कार में बैठाया, रास्ते में वारदात को दिया अंजाम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही थाना क्षेत्र के रविवार को एक बहुत ही संवेदनशील मामला प्रकाश में आया है। जो अनजान लोगों पर विश्वास करने पर मजबूर कर देगा। ऐसे ही घटना आज बरही थाना क्षेत्र में हुआ। बताया गया है रविवार को जेपीएससी की परीक्षा देने जा रहे एक युवक के साथ लूट-पाट कर मारपीट रोड़ किनारे फेंक दिया गया। जिस युवक के साथ यह घटना घटी है वह कोडरमा जिला के शिव मोहल्ला निवासी मिथलेश राम के पुत्र धीरज कुमार है।इस सम्बंध में पीड़ित युवक ने बरही थाना में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग किया। उन्होंने बताया कि कुछ लोग परीक्षा केंद्र पहुंचाने के बहाने झांसा देकर इनोवा में बैठाया । कुछ दूर जाने के बाद रास्ते में मारपीट कर नकदी, मोबाइल सहित कीमती सामान लूट लिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, धीरज कुमार 19 अप्रैल रविवार को कोडरमा से डुमरी जेपीएससी परीक्षा देने के लिए निकला था।बरही आने के बाद बस का इंतजार कर रहा था। इसी दौरान सुबह लगभग 4 .30 बजे एक इनोवा गाड़ी, जिसका नंबर बीआर01 डीडी 0229 बताया गया है, वहां पहुंची। वाहन में चार से पांच लोग सवार थे। वाहन में बैठे लोगों ने कहा कि वे भी डुमरी परीक्षा देने जा रहे हैं और उन्हें साथ छोड़ देंगे। भरोसा दिलाने पर धीरज कुमार वाहन में बैठ गए। इसके बाद वाहन बरही से लगभग डेढ़ से दो किलोमीटर आगे जाने के बाद अचानक वापस मुड़ गया। धीरज कुमार का आरोप है कि वाहन में सवार लोगों ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी और लूटपाट की। बदमाशों ने उनके गले में पहना लॉकेट, सोने की अंगूठी, करीब दो हजार रुपये नकद तथा मोबाइल फोन छीन लिया। विरोध करने पर उनके साथ बेरहमी से मारपीट की गई। पीड़ित ने बताया कि वारदात के बाद आरोपियों ने उन्हें तिलैया ओवरब्रिज पुल के पास वाहन से नीचे फेंक दिया और मौके से फरार हो गए। घटना के बाद किसी तरह उन्होंने खुद को संभाला और पुलिस से संपर्क किया। मामले में धीरज कुमार ने बरही थाना में लिखित आवेदन देकर आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तारी तथा लूटे गए सामान की बरामदगी की मांग की है। पुलिस आवेदन के आधार पर मामले की जांच में जुट गई है। पुनि सह थाना प्रभारी बिनोद कुमार ने कहा कि आवेदन प्राप्त हुआ है। पुलिस जांच में जुटी हुई है।

टंडवा रोड पर तीन घंटे तक जाम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : दैनिक बाजार के समीप रविवार दोपहर उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब एक चलती बोलेरो का अगला टायर का एक्सेल अचानक टूट गया। बीच सड़क पर हुई इस खराबी के कारण टंडवा रोड पूरी तरह बाधित हो गया जिससे बाजार आने-जाने वाले लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। उक्त घटना दोपहर करीब 1:00 बजे की है। रविवार होने के कारण दैनिक बाजार में ग्राहकों की भारी भीड़ थी। इसी दौरान टंडवा रोड की ओर से आ रही एक बोलेरो जैसे ही मुख्य चौक के पास पहुंची, उसका अगला चक्का का एक्सेल अचानक टूट गया एक्सेल टूटने के साथ ही टायर बैठ गया और गाड़ी एक तरफ झुककर बीच सड़क पर ही फंस गई। सड़क संकरी होने के कारण देखते ही देखते दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। जिसके बाद दोपहिया वाहन तो दूर, पैदल चलने वालों तक को रास्ता नहीं मिल पा रहा था। घटना के बाद मौके पर मैकेनिक को बुलाया गया। लगभग 3 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद गाड़ी की खराबी को दूर किया गया। शाम करीब 4 बजे जब बोलेरो को सड़क से हटाया गया, तब जाकर आवागमन पूर्व की तरह सामान्य हो गई।

चलकुशा में मनाई गई भगवान परशुराम जन्मोत्सव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चलकुशा : चलकुशा में रविवार को राधा कृष्ण मंदिर के प्रांगण में बरकट्ठा और चलकुशा प्रखंड के ब्राम्हण समाज के द्वारा भगवान परशुराम की जन्मोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उत्साहपूर्ण माहौल में धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम की शुरूआत विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना से हुई, जिसमें भगवान परशुराम का पूजन संपन्न कराया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं ने भगवान परशुराम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर पुष्पांजलि दी तथा उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से बरकट्ठा कार्यक्रम में मुख्य रूप से बरकट्ठा जिला परिषद सीके पाण्डेय, बेड़ोंकला मुखिया तुलसी पाण्डेय, विश्व हिंदू परिषद चलकुशा प्रखंड अध्यक्ष गोविंद पाण्डेय, बसंत पाण्डेय, ओविंद पाण्डेय, सुरेश पाण्डेय, अम्बिका पाण्डेय, चंदन पाण्डेय, प्रमोद पाण्डेय, विश्वनाथ पाण्डेय, सुनील पाण्डेय, राजकुमार पाण्डेय, नीलकंठ पाण्डेय, विक्की पाण्डेय, बबलू पाण्डेय, हरिहर पाण्डेय, धीरेन्द्र पाण्डेय, महादेव पाण्डेय, प्रवीण पाण्डेय, संजय पाण्डेय, सुखदेव पाण्डेय, देवप्रकाश पाण्डेय, सतीश पाण्डेय, पप्पू पाण्डेय, अमित और दर्जनों लोग शामिल हुए।

इंगुनिया में भक्ति और उत्साह के साथ मनाई गई भगवान परशुराम की जयंती

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड के इंगुनिया गांव में भगवान परशुराम जयंती श्रद्धा, भक्ति और उत्साहपूर्ण माहौल में धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम की शुरूआत विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना से हुई, जिसमें भगवान परशुराम का पूजन संपन्न कराया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं ने भगवान परशुराम के चित्र पर पुष्प अर्पित कर पुष्पांजलि दी तथा उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर आयोजित विचार गोष्ठी में वक्ताओं ने भगवान परशुराम के जीवन चरित्र पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि वे पराक्रम, साहस, सत्य, धर्म और न्याय के प्रतीक थे। उनके जीवन से समाज को अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करने, नैतिक मूल्यों को अपनाने तथा धर्म के मार्ग पर अडिग रहने की प्रेरणा मिलती है। वक्ताओं ने युवाओं से भगवान परशुराम के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान भक्ति गीतों और जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा। आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे, जिससे आयोजन स्थल पर विशेष उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में मार्गदर्शक मंडली के रूप में राम लगन सिंह, रामबृक्ष सिंह, सीताराम सिंह, रामावतार सिंह, दिनेश सिंह, राम कृपाल सिंह, राम सेवक सिंह, भगवान सिंह, महेश सिंह, अर्जुन सिंह, रामानंद पांडेय, राम केश्वर सिंह, रामफल सिंह, राज किशोर सिंह, राम प्रकाश सिंह, धनंजय सिंह, अजय सिंह, सुभन शर्मा, रंजीत सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। वहीं आयोजन समिति में शिव कुमार सिंह, सुबोध सिंह, आशुतोष सिंह, अरविंद कुमार सिंह, दिलीप सिंह, नवीन सिंह, मृत्युंजय सिंह, काजू सिंह, सुजीत सिंह, सुदामा सिंह, राकेश सिंह, सिद्धेश सिंह, राजेश सिंह, कौशल किशोर, शशि सिंह, टिंकू सिंह, मंतोष सिंह, चंदन सिंह, बसंत पांडेय, नीलेश सिंह, आनंद सिंह, पवन सिंह, पल्लू सिंह, बीरेंद्र सिंह, धीरेंद्र सिंह, सोनु सिंह, सीटू सिंह, प्रभु सिंह, विकास सिंह, अभिजीत सिंह, जुगनू सिंह, प्रेम सागर सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे।

फायरिंग, प्रतिबंधित मांगुर मछली के अवैध कारोबार में वर्चस्व की जंग

धनबाद : कोयलांचल धनबाद के चिरकुंडा थाना क्षेत्र का है जहां प्रतिबंधित मांगुर मछली के अवैध कारोबार में वर्चस्व को लेकर गोलीबारी की घटना सामने आयी है। जानकारी के अनुसार चिरकुंडा थाना क्षेत्र के विवेकानंद कॉलोनी निवासी व्यवसायी रौशन बर्णवाल को निशाना बनाते हुए अज्ञात अपराधियों ने आज रविवार अहले सुबह उनके घर के बाहर खड़ी ऑटो पर फायरिंग कर दी। अपराधियों ने दो राउंड गोलियां चलाईं जिससे ऑटो क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है। घटना की सूचना पास के थाना को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल से दो खोखा बरामद किया। साथ ही क्षतिग्रस्त ऑटो को जब्त कर थाने ले जाया गया है। घटना के संबंध में पीड़ित रौशन बर्णवाल के पिता ने चिरकुंडा थाना पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई है और परिवार की सुरक्षा की मांग की है।

कलश यात्रा के साथ बंशी में शुरू हुआ ग्राम देवी प्राण प्रतिष्ठा सह शतचंडी महायज्ञ

251 महिलाएं सिर पर कलश धारण कर गाजेबाजे के साथ यात्रा में हुई शामिल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

टाटीझरिया : प्रखंड के बंशी गांव में नवनिर्मित ग्रामदेवी मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा सह शतचंडी महायज्ञ का शुभारंभ शनिवार को भव्य कलश यात्रा के साथ किया गया। मंदिर प्रांगण में बने यज्ञशाला से 251 महिलाएं और कुंवारी कन्याओं ने अपने सिर पर कलश लेकर यात्रा शुरू की। कलश यात्रा खम्भवा बांध पहुंची, जहां यज्ञाचार्य मनोज पांडेय, धनंजय पांडेय, गोविंद पांडेय, सुरेश पांडेय, ब्रह्मचर्य पांडेय, प्रमोद पांडेय, प्रवीण पांडेय, अभिमन्यु पांडेय ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कलश में जल भराया। जिसके बाद यात्रा जय माता दी, जय श्रीराम,जय जय श्रीराम के जयकारों के साथ गांव के गलियों से गुजरते हुए वापस मंदिर पहुंची। जहां यज्ञशाला में विधि विधान से कलश की स्थापना की गई। कलश यात्रा के दौरान पूरे क्षेत्र में भक्ति का माहौल बना रहा। कलश यात्रा गाजेबाजे के साथ निकाली गई। यज्ञ के पहले दिन कलश यात्रा के बाद पंचांग पूजन और मंडप प्रवेश हुआ। सात दिनों तक चलने वाले इस महायज्ञ के दौरान संध्या में प्रवचन होगा। यज्ञ को लेकर यज्ञ स्थल, मंदिर सहित आस-पास के क्षेत्रों में आकर्षक लाइटिंग व साज सज्जा की गई है। कलश यात्रा में प्रमुख संतोष मंडल, उप प्रमुख रवि वर्णवाल,जिप सदस्य रामप्रसाद,मुखिया कांति देवी, मुखिया सुरेश यादव,पंसस राजेश यादव,विधायक प्रतिनिधि उपेंद्र पांडेय,पंसस राजेश यादव, परमेश्वर यादव,राजू यादव,महेश अग्रवाल, पूर्व बीस सूत्री अध्यक्ष रवि सिंह, कृष्णा साव, यज्ञ समिति के अध्यक्ष कृष्णा सिंह,सचिव प्रदीप सिंह, कोषाध्यक्ष सुखदेव महतो, राजू रंजन सिन्हा, मदन यादव, ब्रजकिशोर सिंह,प्रवीण बॉबी,इंद्रदेव यादव समस्त ग्रामीण एवं हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल रहे।

संक्षिप्त खबरें

एसपी ने दूसरे दिन ही दिन किया बड़कागांव थाना और गांवों का निरीक्षण

बड़कागांव : हजारीबाग पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने योगदान के दूसरे दिन ही हजारीबाग जिला अंतर्गत के विभिन्न थाना एवं गांव का दौरा किया। इस दरमियान उन्होंने मुख्य रूप से बड़कागांव थाना, सिकरी ओ.पी, सहायक थाना डाड़ीकला ओ.पी. आदी का दौरा किया ।साथ ही साथ बड़कागांव थाना क्षेत्र अंतर्गत के ग्राम महुदी गांव का भी दौरा किया। इस दरमियान पुलिस अधीक्षक अमन कुमार का बड़कागांव थाना में प्रभारी दीपक कुमार सिंह, सिकरी ओपी में थाना प्रभारी रामकुमार राम एवं सहायक थाना डाड़ीकला में थाना प्रभारी सागेंन मुर्मू के नेतृत्व में सलामी देकर स्वागत किया गया ।इस दौरान पुलिस अधीक्षक अमन कुमार ने बड़कागांव थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह सहित विभिन्न थाना क्षेत्र के सभी थाना प्रभारी से थाना एवं थाना क्षेत्र से संबंधित विषयों पर विशेष पूछताछ कर जानकारी लिया ।तत्पश्चा कांडतरी पंचायत अंतर्गत के महुदी गांव का भी दौरा किया। और महुदी गांव पहुंचकर जयजा लिया ।इस दरमियान इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से बड़कागांव एसडीपीओ पवन कुमार , बड़कागांव थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह , केरेडारी थाना प्रभारी विवेक कुमार, सीकरी थाना प्रभारी रामकुमार राम, सहायक थाना डाड़ीकला प्रभारी सागेन मुर्मू शामिल थे। स्वागत कार्यक्रम में मुख्य रूप से बड़कागांव थाना पुअनि भगवान सिंह , अभिषेक कुमार , अमित कुमार, आशीष कुमार भगत, छोटू उरांव, मपुअनि सावित्री कच्छप, पुअनि सुदेश कुमार, गजेन्द्र सिंह, राकेश खवास , स.अ.नि. रामनिवास सिंह, हादी खान एवं दीपक रोशन लकड़ा सहित बड़कागांव पुलिस सशस्त्र बल शामिल थे।

डीएवी पब्लिक स्कूल बरही के प्रांगण में हंसराज जयंती मनाई गई

बरही : डीएवी पब्लिक स्कूल बरही के प्रांगण में आर्य समाज के महान सपूत महात्मा हंसराज की जयंती पूरे हर्षोल्लास के साथ समर्पण दिवस के रूप में मनाई गई। कार्यक्रम की शुरूआत आर्य समाज की वैदिक परंपरा हवन से की गई। उनके चित्र पर माल्यार्पण करते हुए विद्यालय के प्राचार्य पुष्प कुमार झा ने कहा कि महात्मा हंसराज स्वामी दयानंद सरस्वती के सच्चे शिष्य थे। वे तप त्याग और निष्ठा के जीती जाती मूर्ति थे। आजीवन अवैतनिक रहते हुए उन्होंने आर्य समाज की सेवा की। स्वामी दयानंद के दिखाए रास्ते पर चलते हुए डीएवी की आधारशिला रखी और प्रथम प्राचार्य होते हुए उन्होंने भारत भूमि पर वैदिक शिक्षा के साथ-साथ आधुनिक शिक्षा की नींव रखी। इसी का परिणाम है कि आज का भारत शिक्षा जगत के मार्ग पर कुशलतापूर्वक अग्रसर है। उन्होंने कहा कि हमें महात्मा हंसराज से त्याग और प्रेम की भावना को सीखना चाहिए क्योंकि इसी से समाज का कल्याण हो सकता है। इनका संपूर्ण जीवन आर्य समाज के साथ-साथ मानव जगत के कल्याण के लिए समर्पित था। महात्मा हंसराज हम सबों के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। यदि हम महात्मा हंसराज के दिखाए रास्ते पर अग्रसर होंगे तो हमें सफलता अवश्य प्राप्त होगी। कार्यक्रम के अंत में सबों ने यह प्रण लिया शिक्षा के माध्यम से हम पूरे भारत ही नहीं पूरे विश्व के कल्याण का बीड़ा उठाते हैं। इसके लिए हम सभी शिक्षक गण हर संभव प्रयास करेंगे । इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक, शिक्षिकाओं, कार्यालय कर्मी और ग्रुप डी कर्मी ने अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी निभाई।

करमा पीएचसी से उपकरण चोरी, मोबाइल की रोशनी में प्रसव कराने की आयी नौबत

चौपारण : प्रखंड अंतर्गत पीएचसी करमा में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं के बाद स्वास्थ्य व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो गई है। अस्पताल से आवश्यक उपकरण चोरी हो जाने और अब तक उनकी बहाली नहीं होने से मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पानी, बिजली और जरूरी सुविधाओं के अभाव में इलाज व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। युवा नेता रेवाली पासवान ने बताया कि 12 फरवरी 2026 को पीएचसी परिसर स्थित बोरिंग में लगा समरसेबुल पंप चोरी हो गया था। इसके बाद 18 मार्च 2026 की रात अज्ञात चोरों ने अस्पताल परिसर में घुसकर इंवर्टर, दो बैट्री, आठ पंखे, पानी फिल्टर समेत कई आवश्यक सामान चोरी कर लिए। इस मामले में चौपारण थाना में लिखित शिकायत भी दी गई है। शिकायत में कहा गया है कि चोर बार-बार गेट का ताला और कुंडी तोड़कर वारदात को अंजाम दे रहे हैं। समरसेबुल पंप चोरी होने के बाद पिछले दो माह से अस्पताल में पानी की गंभीर समस्या बनी हुई है। मरीजों और उनके परिजनों को पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। वहीं इंवर्टर और बैट्री चोरी हो जाने तथा बिजली आपूर्ति बाधित रहने से आपातकालीन सेवाएं भी प्रभावित हैं। कई बार स्वास्थ्यकर्मियों को मोबाइल की रोशनी या मोमबत्ती के सहारे प्रसव कार्य कराना पड़ रहा है। रेवाली पासवान ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री रख-रखाव योजना के तहत हर वर्ष पीएचसी करमा को राशि आवंटित की जाती है। वर्ष 2025-26 के लिए भी पांच लाख रुपये मिलने की जानकारी है, लेकिन जमीनी स्तर पर सुविधाओं में कोई सुधार नहीं दिख रहा है। उन्होंने जिला उपायुक्त से इस राशि की उच्चस्तरीय जांच कराने, समरसेबुल पंप, बैट्री और इंवर्टर की शीघ्र व्यवस्था करने तथा अस्पताल में रात्रि गार्ड की नियुक्ति करने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि त्वरित कार्रवाई नहीं होने पर जनांदोलन किया जाएगा। इस मामले में पीएचसी में पदस्थापित डॉ. पुष्पा कुमारी ने बताया कि चिकित्सकों की कमी के कारण उन्हें सीएचसी चौपारण स्थानांतरित कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि रख-रखाव राशि के उपयोग की जानकारी प्रखंड चिकित्सा प्रभारी ही दे सकते हैं। वहीं प्रखंड चिकित्सा प्रभारी डॉ. धर्मनाथ ठाकुर ने कहा कि सरकार के प्रावधान के तहत ही आवश्यक सामान उपलब्ध कराया जाएगा और राशि मिलने पर व्यवस्था की जाएगी। सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार से संपर्क करने पर उन्होंने कहा कि पहले मामले की जानकारी ली जाएगी, उसके बाद ही कुछ कहा जा सकेगा।

रांची में वाहन चालकों पर 74 करोड़ ट्रैफिक चालान बकाया वाहनों को जब्त करने की तैयारी में जुटा प्रशासन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी में ट्रैफिक नियमों को ठेंगा दिखाने वाले वाहन चालकों की मुश्किलें अब बढ़ने वाली हैं। पिछले एक साल (जनवरी से दिसंबर 2025) के भीतर रांची में कुल 84 करोड़ रुपये के चालान काटे गए हैं, जिसमें से आश्चर्यजनक रूप से अब तक केवल 10 करोड़ रुपये ही जमा हुए हैं। शेष 74 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि अब भी बकाया है। इस बड़ी वसूली के लिए ट्रैफिक पुलिस ने अब वाहन जब्ती का कड़ा रुख अपनाने का निर्णय लिया है।

जुमार्ना वसूली के लिए लगातार कार्रवाई जारी है। बकायेदारों को नोटिस भेजने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है, जिसके बाद वाहन जब्ती का विशेष अभियान चलाया जाएगा।
— राकेश सिंह, ट्रैफिक एसपी, रांची

कार्रवाई का खाका तैयारः पहले नोटिस, फिर जब्ती

ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह ने स्पष्ट किया है कि बकाया वसूली के लिए चरणबद्ध तरीके से अभियान चलाया जाएगा।
प्रथम चरण: बकायेदारों को जुमार्ने की राशि जमा करने के लिए औपचारिक नोटिस भेजा जाएगा।
अंतिम चेतावनी: नोटिस में दिए गए समय सीमा के भीतर भुगतान न करने पर विशेष चेकिंग अभियान चलाकर वाहनों को मौके पर ही जब्त कर लिया जाएगा।

ट्रैफिक विभाग के आंकड़ों के अनुसार, नियमों के उल्लंघन में दोपहिया वाहन चालक सबसे आगे हैं। इसके अलावा चारपहिया और व्यावसायिक वाहनों पर भी करोड़ों का जुमार्ना लंबित है। डिजिटल भुगतान की सरल सुविधा होने के बावजूद चालकों द्वारा बरती जा रही लापरवाही ने विभाग की चिंता बढ़ा दी है।
जहाँ एक ओर पुलिस सड़कों पर सख्ती की तैयारी कर रही है, वहीं दूसरी ओर स्कूल, कॉलेज और सार्वजनिक स्थानों पर जागरूकता अभियान भी चलाए जा रहे हैं। विभाग का लक्ष्य लोगों को नियमों के प्रति जिम्मेदार बनाना और लंबित राजस्व की वसूली करना है।

एक नजर

रांची की सीए स्नेहा नारसरिया को मिला 'भारत प्रतिभा सम्मान'

रांची : राजधानी रांची की बेटी और फिन फ्री किड की संस्थापक, चार्टर्ड अकाउंटेंट स्नेहा नारसरिया को भारत प्रतिभा सम्मान से सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित सम्मान उन्हें 19 अप्रैल 2026 को नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में प्रदान किया गया। यह पुरस्कार दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष बिजेंद्र सिंह और पद्म विभूषण से सम्मानित प्रख्यात नृत्यांगना सोनल मानसिंह द्वारा संयुक्त रूप से दिया गया। स्नेहा नारसरिया को यह सम्मान बच्चों के बीच वित्तीय साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए उनके अभिनव और प्रभावी प्रयासों के लिए दिया गया है। खासतौर पर 4 वर्ष और उससे अधिक आयु के बच्चों को सरल और व्यावहारिक तरीके से पैसे की समझ देना उनके कार्य का मुख्य केंद्र रहा है। उनके इस प्रयास ने न केवल झारखंड, बल्कि देश और विदेश में भी पहचान बनाई है। स्नेहा द्वारा विकसित शैक्षणिक सामग्री जैसे वित्तीय साक्षरता पर आधारित पुस्तकें, फ्लैशकार्ड्स, किट्स और ज्ञानवर्धक पोस्टर्स अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी लोकप्रिय हो रहे हैं। इनका निर्यात विदेशों में भी किया जा रहा है, जिससे रांची का नाम वैश्विक मंच पर उभर रहा है। उनके इन प्रयासों ने बच्चों को कम उम्र में ही बजटिंग, बचत और निवेश जैसे जरूरी जीवन कौशल सिखाने का एक नया रास्ता दिखाया है।

महिला का हत्यारा गिरफ्तार, जमीन विवाद में की थी हत्या

रांची : राजधानी रांची के तमाड़ थाना क्षेत्र में मोचोकनी देवी मर्डर केस को पुलिस ने सुलझा लिया है। इस हत्याकांड को जमीन विवाद की वजह से अंजाम दिया गया था। पुलिस ने महिला की हत्या करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। 17 अप्रैल को रांची के तमाड़ में एक महिला का शव मिला था। महिला की निर्ममता के साथ धारदार हथियार से हत्या की गई थी। बाद में शव की पहचान तमाड़ के उदय टोला की रहने वाली महिला मोचोकनी देवी के रूप में हुई थी। रांची के ग्रामीण एसपी गौरव गोस्वामी ने बताया कि 17 मार्च को तमाड़ थाना अंतर्गत ग्राम बेलबेड़ा उदय टोला में एक महिला की हत्या कर दी गई थी। तमाड़ थाना पुलिस ने सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक जांच को लेकर घटनास्थल ग्राम बेलबेड़ा उदय टोला पहुंची थी। ग्रामीण एसपी ने बताया कि परिजनों से पूछताछ की गई तो पता चला कि जमीन को लेकर ही पड़ोस के कुछ लोगों से महिला का विवाद था और हमेशा लड़ाई झगड़े होते रहते थे। जांच में यह बात सामने आई है कि लड़ाई के कारण ही गुस्से में आकर अभियुक्त सुण्डी मुंडा उर्फ काटे द्वारा महिला मोचोकनी देवी की लोहे के दाउली से गला काटकर हत्या कर दी गई थी। कांड अनुसंधान करने के दौरान उक्त अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया गया तथा उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त लोहे की दाउली को विधिवत बरामद कर लिया गया है।

राज्यपाल ने किया पुस्तक 'पुनर्नवा' का लोकार्पण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

राँची : झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने लोक भवन में चंद्रेश्वर द्वारा रचित नवीनतम पुस्तक पुनर्नवा का भव्य लोकार्पण किया।
कार्यक्रम के दौरान लेखक को बधाई देते हुए राज्यपाल महोदय ने कहा कि साहित्य समाज का दर्पण होता है और 'पुनर्नवा' जैसी कृतियाँ बौद्धिक चेतना को जागृत करने में सहायक होती हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह पुस्तक न केवल पाठकों के ज्ञानवर्धन में सहायक होगी, बल्कि समाज के लिए अत्यंत प्रेरणादायक और उपयोगी भी सिद्ध होगी।
इस अवसर पर राजनीति और साहित्य जगत की कई प्रमुख हस्तियाँ मौजूद रहीं, जिनमें मुख्य रूप से सी.पी. सिंह, रविन्द्र राय, अजय मारू सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने भी शिरकत की और लेखक चंद्रेश्वर के प्रयासों की सराहना की।

झारखंड में भीषण गर्मी का कहर

डाल्टनगंज में पारा 43 डिग्री के पार, कई जिलों में लू का अलर्ट

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड की राजधानी रांची सहित पूरे राज्य में इन दिनों भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। रविवार को डाल्टनगंज में अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो इस सीजन का सबसे अधिक तापमान रहा। वहीं जमशेदपुर और सरायकेला में भी पारा 41 डिग्री के पार दर्ज किया गया।
भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 20 और 21 अप्रैल को राज्य के कई जिलों में लू चलने की संभावना जताई है और इसके लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। साथ ही विभाग ने 24 और 25 अप्रैल को उत्तर-पूर्वी जिलों में गर्जन के साथ हल्की बारिश की संभावना भी व्यक्त की है। जिन जिलों में बारिश के आसार हैं, उनमें देवघर, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़ और साहिबगंज शामिल हैं।

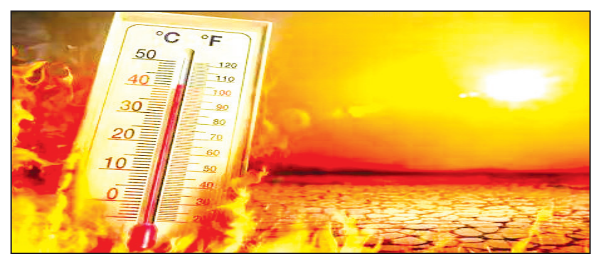

पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान डाल्टनगंज में 43 डिग्री और सबसे कम तापमान गुमला में 18.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।
रविवार को रांची और आसपास के क्षेत्रों में सुबह से ही आसमान साफ रहा और तेज धूप के कारण लोगों को प्रचंड गर्मी का सामना करना पड़ा। राजधानी में अधिकतम तापमान 38.8 डिग्री और न्यूनतम 23 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से लगभग 2 डिग्री अधिक है।
अन्य प्रमुख शहरों में जमशेदपुर का अधिकतम तापमान 41.2 डिग्री और न्यूनतम 27.2 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 39.5 डिग्री और न्यूनतम 24.1 डिग्री तथा चाईबासा में अधिकतम 39.8 डिग्री और न्यूनतम 26.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

रांची रेलवे स्टेशन से प्रतिबंधित पटाखा बरामद, शराब तस्कर भी गिरफ्त में

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची रेलवे स्टेशन आरपीएफ की सतर्कता की वजह से प्रतिबंधित पटाखे रखने वाले और शराब तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। दोनों आरपीएफ के विशेष चेकिंग अभियान के तहत पकड़े गए हैं।
आरपीएफ ने रांची रेलवे स्टेशन से ऑपरेशन 'संरक्षा' के तहत प्रतिबंधित पटाखा बरामद किया है। आरपीएफ के मंडलीय सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार ने बताया कि आरपीएफ पोस्ट रांची द्वारा ऑपरेशन 'संरक्षा' के अंतर्गत रांची रेलवे स्टेशन के मुख्य द्वार स्थित लगेज स्कैनर पर सघन जांच के दौरान एक यात्री संदिग्ध वस्तु के साथ पाया गया।
पूछताछ के क्रम में उसकी पहचान पंकज कुमार (आयु 24 वर्ष), निवासी पलामू (झारखंड) के रूप में हुई। उसके दो बैग की तलाशी लेने पर कुल 09 पैकेट पटाखे बरामद किए गए। उक्त पटाखे ज्वलनशील होने के कारण रेलवे परिसर में ले जाना प्रतिबंधित है। इसके संबंध में अभियुक्त कोई वैध अनुमति प्रस्तुत नहीं कर सका। जिसके बरामद सामग्री को विधिवत जब्त कर अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। इस संबंध में आरपीएफ पोस्ट रांची में धारा 164 रेलवे अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।
वहीं, आरपीएफ ने रेलवे स्टेशन से एक शराब तस्कर को भी गिरफ्तार किया है। ऑपरेशन सतर्क के अंतर्गत आरपीएफ पोस्ट बल ने रांची रेलवे स्टेशन पर सघन चेकिंग के दौरान ट्रेन संख्या 18622 में एक संदिग्ध व्यक्ति को चिन्हित किया गया। जांच के क्रम में उक्त व्यक्ति के बैग की तलाशी लेने पर कुल 17 बोतल अवैध शराब बरामद की गई। पूछताछ के दौरान अभियुक्त ने अपना नाम रंजीत कुमार (आयु 36 वर्ष), निवासी धनबाद बताया। आरपीएफ कमांडेंट पवन कुमार ने बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति उक्त शराब के संबंध में कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका तथा अवैध बिक्री हेतु इसे ले जाने की बात स्वीकार की।

नियोकोन-2026 का तीसरा दिन

नवजात शिशुओं की देखभाल, पोषण और गोल्डन ऑवर पर विशेषज्ञों का फोकस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड नवजात शिशु चिकित्सा मंच (नियोनेटोलॉजी फोरम) की ओर से आयोजित तीसरा झारखंड नियोकोन-2026 के तीसरे दिन रविवार को विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों और वैज्ञानिक प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया। इस दौरान नवजात शिशुओं की बेहतर देखभाल, उपचार और पोषण से जुड़े अहम विषयों पर विशेषज्ञों ने गहन चर्चा की।
कार्यक्रम में झारखंड के सरकारी और निजी अस्पतालों के साथ-साथ अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) देवघर और एम्स पटना के रेजिडेंट डॉक्टरों ने पोस्टर एवं अवॉर्ड पेपर प्रस्तुत किए। विशेषज्ञों ने नवजात शिशुओं की समुचित देखभाल के लिए आवश्यक उपायों, चुनौतियों और नवीनतम चिकित्सा पद्धतियों पर अपने विचार साझा किए।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) के निदेशक डॉ. राजकुमार ने कहा कि नवजात शिशुओं में संक्रमण, दौरे (सीजर) और नियोनेटल कोलेस्टेसिस जैसे गंभीर विषयों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि इन कारणों से नवजात मृत्यु दर में बढ़ोतरी हो रही है।
उन्होंने फंगल संक्रमण, जन्म के बाद शिशुओं की वृद्धि (ग्रोथ) और उसकी नियमित निगरानी के महत्व पर भी जोर दिया। उनके अनुसार, समय पर ग्रोथ मॉनिटरिंग से शिशुओं के स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार संभव है।

महिला आरक्षण की आड़ में परिसीमन की साजिश नाकामः कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने केंद्र सरकार पर महिला आरक्षण के मुद्दे को राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सरकार 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन लागू करना चाहती थी और महिला आरक्षण बिल को उसी उद्देश्य से आगे बढ़ाया गया।

रविवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कमलेश ने कहा कि सरकार का असली मकसद महिलाओं को आरक्षण देना नहीं, बल्कि सत्ता हासिल करना था। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा खुद को महिलाओं का हितैषी दिखाने के लिए इस मुद्दे का राजनीतिकरण कर रही है।
कमलेश ने कहा कि अगर केंद्र सरकार महिला आरक्षण को लेकर गंभीर है, तो 2023 में सर्वसम्मति से पारित विधेयक को तुरंत लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि 2029 के लोकसभा चुनाव में 543 सीटों में से 33 प्रतिशत महिलाओं के लिए आरक्षित की जाएं, जिस पर विपक्ष पूरा समर्थन देने को तैयार है।
उन्होंने कहा कि देश की आधी आबादी को राजनीतिक ढाल बनाकर लोकतंत्र, संविधान और संघीय ढांचे को कमजोर करने की कोशिश की गई, लेकिन उनकी यह रणनीति सफल नहीं हो सकी।
कमलेश ने यह भी सवाल उठाया कि जब विपक्षी दलों ने ह्लपहले जनगणना, फिर परिसीमन और उसके बाद महिला आरक्षणह्व के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया था, तो सरकार ने बिना व्यापक चर्चा के संशोधन लाने की जल्दबाजी क्यों दिखाई। उन्होंने बंगाल और तमिलनाडु चुनाव के दौरान संसद में संशोधन लाने की टाइमिंग पर भी सवाल खड़े किए।
प्रधानमंत्री के राष्ट्र के नाम संबोधन पर प्रतिक्रिया देते हुए कमलेश ने कहा कि यह भाषण जनहित से अधिक चुनावी लाभ को ध्यान में रखकर दिया गया था। उन्होंने कहा कि देश के युवा, किसान और मध्यम वर्ग की समस्याओं का समाधान सिर्फ भाषणों से नहीं हो सकता।
इस मौके पर विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने कहा कि 2023 में जब महिला आरक्षण विधेयक पहले ही पारित हो चुका था, तो नए विधेयक की आवश्यकता समझ से परे है। उन्होंने आरोप लगाया कि 16 अप्रैल को विधेयक लाना एक सोची-समझी राजनीतिक चाल थी। ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि महिला विधेयक की आड़ में केंद्र सरकार की राजनीतिक रणनीति पूरी तरह विफल हो गई है। वहीं प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष रमा खलखो ने कहा कि इस मुद्दे पर राज्यभर में अभियान चलाकर केंद्र की कथित साजिश को उजागर किया जाएगा। प्रेस वार्ता में मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा, मीडिया चेयरमैन सतीश पॉल मुंजनी, कार्यालय प्रभारी अभिलाष साहू और सह-कार्यालय प्रभारी राजन वर्मा भी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

अभिभावक संघ ने की स्कूलों के समय में बदलाव या छुट्टी घोषित करने की मांग

रांची : झारखंड में बढ़ती गर्मी और लू के प्रकोप को देखते हुए झारखंड अभिभावक संघ ने विद्यालयों के समय में बदलाव या अवकाश घोषित करने की मांग उठाई है। इस संबंध में संघ ने शिक्षा विभाग को ईमेल के माध्यम से एक ज्ञापन सौंपा है। संघ के अध्यक्ष अजय राय ने रविवार को बताया कि सरकार से अनुरोध किया गया है कि सभी स्कूलों का समय तत्काल बदलकर सुबह 6:30 बजे से 10:30 बजे तक कर दिया जाए। यदि ऐसा संभव नहीं हो, तो बढ़ती गर्मी को देखते हुए स्कूलों में छुट्टी घोषित की जाए। उन्होंने यह भी मांग की कि जिन जिलों में गर्मी का प्रभाव अधिक है, वहां कुछ दिनों के लिए अवकाश घोषित किया जाए और स्थानीय परिस्थितियों के आधार पर निर्णय लेने का अधिकार जिला प्रशासन को दिया जाए। इस ज्ञापन की प्रतिलिपि शिक्षा मंत्री, झारखंड सरकार और रांची के उपायुक्त को भी भेजी गई है। अजय राय ने कहा कि राज्य के अधिकांश जिलों में लगातार बढ़ते तापमान से जनजीवन प्रभावित हो रहा है, खासकर छोटे बच्चों के स्वास्थ्य पर इसका गंभीर असर पड़ रहा है। बच्चों में डिहाइड्रेशन, चक्कर आना और अत्यधिक थकान जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं, जिससे अभिभावकों की चिंता बढ़ गई है। उन्होंने चेतावनी दी कि दोपहर की भीषण गर्मी में बच्चों को स्कूल भेजना उनके स्वास्थ्य के लिए जोखिम भरा हो सकता है, इसलिए सरकार को जल्द इस दिशा में ठोस निर्णय लेना चाहिए।

भागदौड़ भरी जिंदगी में मन की शांति खोती जा रही है : ब्रह्माकुमारी

रांची : प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के चौधरी बगान (हरमू रोड) स्थित सेवा केन्द्र में रविवार को आयोजित कार्यक्रम में वर्तमान समय में तेजी से बढ़ते डिप्रेशन और मानसिक तनाव पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी निर्मला बहन ने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोगों के जीवन से मानसिक शांति धीरे-धीरे समाप्त होती जा रही है, जिसके कारण वे तनाव और अवसाद जैसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब व्यक्ति की अपेक्षाएं पूरी नहीं होतीं, तो उसके भीतर नकारात्मक विचार जन्म लेने लगते हैं, जो आगे चलकर डिप्रेशन का रूप ले लेते हैं। निर्मला बहन ने बताया कि डिप्रेशन केवल एक मानसिक स्थिति नहीं, बल्कि यह व्यक्ति की दिनचर्या, कार्यक्षमता और सामाजिक जीवन को भी प्रभावित करता है। इससे व्यक्ति उदासी, बेचैनी और अकेलेपन का अनुभव करने लगता है। उन्होंने कहा कि डिप्रेशन का समाधान केवल दवाइयों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके लिए व्यक्ति की सोच और दृष्टिकोण में सकारात्मक बदलाव लाना जरूरी है। इस दिशा में उन्होंने राजयोग मेडिटेशन को एक प्रभावी माध्यम बताया। उनके अनुसार, राजयोग मेडिटेशन के नियमित अभ्यास से मन को शांत और स्थिर किया जा सकता है तथा व्यक्ति अपने विचारों पर नियंत्रण पाकर सकारात्मक जीवन जी सकता है। कार्यक्रम में यह भी जानकारी दी गई कि सेवा केन्द्र में प्रतिदिन निशुल्क राजयोग प्रशिक्षण दिया जाता है, जिसके माध्यम से लोग आंतरिक शक्ति विकसित कर जीवन की चुनौतियों का बेहतर तरीके से सामना कर सकते हैं।

महिला आरक्षण का घूंघट पहनाकर कुटिल परिसीमन की थी भाजपा की तैयारी : सुप्रियो भट्टाचार्य

रांची: संसद के विशेष सत्र के दौरान लोकसभा में दो तिहाई समर्थन नहीं मिल पाने से गिर गई नारी शक्ति वंदन अधिनियम संशोधन को जेएमएम ने लोकतंत्र और भारत की संघीय ढांचे की जीत बताया।
अधिनियम संशोधन को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा ने तीखा हमला भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बोला। जेएमएम के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने रविवार को केंद्रीय कैंप कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन किया। जिसमें नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 में संशोधन को लेकर चर्चा की। जेएमएम महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि बीजेपी इस विषय पर बेवजह ढोल पीट रही है, जबकि विपक्ष ने 2023 में ही महिला आरक्षण पर अपना समर्थन दिया था। तब सिर्फ दो सांसदों को छोड़ सभी ने उसका समर्थन किया था। इस दौरान उन्होंने कहा कि पहली बार देश के प्रधानमंत्री अपने पीछे चार तिरंगा रखकर अपने राष्ट्र के नाम संबोधन में विपक्ष को निशाने पर लेते दिखे, इस दौरान उन्होंने झूठी बातें भी की।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर कांग्रेस ने किया पाप, सजा भुगतनी होगीः सर्वानंद सोनोवाल

रांची : केंद्रीय मंत्री सवार्नंद सोनोवाल ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर विपक्ष ने जो रुख अपनाया है, वह महिलाओं के खिलाफ है और इसके लिए उन्हें राजनीतिक कीमत चुकानी पड़ेगी। रविवार को रांची स्थित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में सोनोवाल ने कहा कि कांग्रेस की नीतियां हमेशा महिलाओं को सीमित दायरे में रखती रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के लिए महिला नेतृत्व केवल इंदिरा गांधी, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी तक ही सीमित है, जबकि अन्य महिलाओं को उचित स्थान नहीं दिया गया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने सेवक के रूप में देश की सेवा की है और हर वर्ग की महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए कई योजनाएं लागू की हैं। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसी पहल का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। सोनोवाल ने कहा कि महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार ने 33 प्रतिशत आरक्षण देने के उद्देश्य से विशेष सत्र बुलाया, लेकिन कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने इस प्रयास का विरोध कर महिलाओं का अपमान किया। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष का रवैया नारी समाज के प्रति अनादर दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा कि भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के रहते देश में महिलाएं सुरक्षित हैं और उनके अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित है। उन्होंने विपक्ष पर दोहरा चरित्र अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि जब संवैधानिक अधिकार देने की बात आती है, तो विपक्ष पीछे हट जाता है।

एक नजर

33वीं कोडरमा जिला कराटे चैंपियनशिप का हुआ शुभारंभ

कोडरमा : कोडरमा जिला कराटे एशोशिएसन के तत्वधान में रीयल एजुकेशन सेन्टर झुमरी तिलैया के प्रागंण में 33वी कोडरमा जिला कोडरमा जिला कराटे चैंपियनशिप का आयोजन शुरू हुआ। एकदिवसीय कराटे चैंपियनशिप में कोडरमा, डोमचांच, चंदवारा, मरकच्चो, सतगांवा, जयनगर के लगलग 50 करोट खिलाड़ियों ने भाग लिया कराटे चैंपियनशिप का उद्घाटन कोडरमा प्रखंड कराटे एसोसिएशन के अध्यक्ष मनीष कुमार ने किया। स्पर्धा निरमीत प्रकाश स्वर्ण पदक अनिकेत कुमार रजत सवजूनियर अभिनव कुमार –स्वर्ण पदक आयांश सूरी रजत पदक मान्यांश मनु कास्य पदक,आतिफ अंसारी कास्य पदक, कुमिते स्पर्धा में कैडेट निमार्ता प्रकाश,स्वर्ण पदक अनिकेत कुमार रजत पदक सवजूनियर में आतिफ अंसारी स्वर्ण पदक, अन्याश सूरी रजत पदक मान्यांश मनु कास्य पदक, अभिनव कुमार पदक। इस अवसर पर कोडरमा जिला कराटे ड एशोशिएसन के अध्यक्ष धनंजय श्रीवास्तव ने पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई दिया चयनित कराटे खिलाड़ी 25 एवं 26 अप्रैल को खेल गांव में राज्य स्तरीय कराटे चैंपियनशिप में भाग लेंगे कोडरमा प्रखंड कराटे एशोशिएसन सचिव रितेश कुमार श्रीवास्तव,उपाध्यक्ष संदीप कुमार आदि ने बधाई दी।

जमीनी विवाद मे दो पक्ष में हुई मारपीट

मरकच्चो : मरकच्चो थाना क्षेत्र के बहादुरपुर में जमीनी विवाद को लेकर हुई मारपीट की घटना में एक पक्ष से पिता एवं पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि दुसरे पक्ष से भी एक व्यक्ति को गंभीर चोटे आयी है। घायलो में शिवलाल यादव व उसका पुत्र प्रकाश यादव तथा दुसरे पक्ष से राजु यादव के नाम शामिल है। मामले को लेकर घायल शिवलाल यादव ने मरकच्चो थाना में आवेदन दिया है जिसमे उन्होंने अपने गोतिया राजु यादव, संजय यादव, पवन यादव, कलावती देवी, विमला देवी, सरस्वती देवी, उमा देवी, ऋतु कुमारी व सरस्वती देवी को आरोपी बनाया है। दिए आवेदन में बताया है की उक्त सभी लोग षडयंत्र के तहत आकर उनके हिस्से के जमीन पर पड़े दीवार को तोड़ दिया इस दौरान वे और उनके पुत्र प्रकाश यादव वहाँ पंहुच उनलोगो का मना किया तो उक्त लोग ईंट पत्थर चलाने लगे इस दौरान उक्त लोगों ने टांगी व फरसा से उनके व उनके पुत्र पर हमला कर दिया, जिससे वे दोनों पिता पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए। आवेदक ने पुलिस से कार्यवाई की मांग की है। वहीँ दुसरे पक्ष से राजु यादव ने भी थाना में आवेदन दिया है जिसमे उसने शिवलाल यादव समेत अन्य को आरोपी बनाया है।

केकेसी स्कूल में कराटे शिविर, बच्चों ने सीखी आत्मरक्षा की कला

भुरकुंडा: केकेसी प्लस टू स्कूल, सयाल में आयोजित एक दिवसीय मार्शल आर्ट कराटे प्रशिक्षण शिविर उत्साह, अनुशासन और ऊर्जा का शानदार उदाहरण बन गया। कार्यक्रम में बच्चों और किशोर प्रतिभागियों ने आत्मरक्षा की तकनीकों को सीखते हुए अपनी प्रतिभा का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। शिविर ने छात्रों में आत्मविश्वास और सुरक्षा के प्रति नई जागरूकता पैदा की। मार्शल आर्ट सितोरियू कराटे डू फेडरेशन के तत्वावधान में आयोजित इस शिविर का संचालन अनुभवी प्रशिक्षकों की देखरेख में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य प्रशिक्षक सेंसाई कंचन दास की निगरानी में प्रशिक्षण सत्र संपन्न हुआ, जहां बच्चों को कराटे के विभिन्न पहलुओं से परिचित कराया गया। प्रशिक्षिका आस्था सिंह (ब्लैक बेल्ट तृतीय डान) ने प्रतिभागियों को काता, कुमिते, फाइट और जूडो-कराटे की तकनीकी बारीकियां सिखाईं।

रजरप्पा में अवैध कोयला ढुलाई जोरो पर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रजरप्पा : रामगढ़ जिले के रजरप्पा थाना क्षेत्र में कथित अवैध कोयला कारोबार को लेकर पूरे जिले में तीखी चर्चा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, रोजाना 150 से 200 बाइक के जरिए अवैध कोयले की ढुलाई की जा रही है। लोगों का कहना है कि जब कोयला लदी बाइक और छोटे वाहन थाना क्षेत्र से होकर गुजर रहे हैं, तो आखिर निगरानी कहां है? यदि रास्ता थाना के दायरे में आता है, तो फिर इतनी बड़ी संख्या में गाड़ियों का निकलना प्रशासनिक सतर्कता पर सवाल खड़ा करता है। यही मुद्दा अब आम चर्चा का विषय बना हुआ है। पूरे जिले में चर्चा है कि दामोदर नदी किनारे, जहां बैरिकेडिंग रजरप्पा थाना क्षेत्र में लगाई गई है, उस ओर से बोकारो की तरफ से ट्रैक्टरों में कोयला भरकर रजरप्पा की ओर लाया जाता है। आरोप है कि इस रास्ते का लंबे समय से उपयोग किया जा रहा है, लेकिन रोकथाम के प्रभावी इंतजाम नजर नहीं आते। मार्केट में यह भी चर्चा है कि रजरप्पा मंदिर से कुछ ही दूरी पर स्थित ओवरब्रिज के नीचे रास्ता बनाकर ट्रैक्टरों के जरिए अवैध कोयला निकाला जा रहा है। यदि यह दावा सही है, तो यह सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी तंत्र दोनों पर बड़ा सवाल है। पूरे जिले में चर्चा है कि अवैध रूप से निकाला गया कोयला स्थानीय ईंट-भट्ठों तक पहुंचाया जाता है। इससे संकेत मिलता है कि यह केवल ढुलाई का मामला नहीं, बल्कि खदान से लेकर खपत केंद्र तक फैले संगठित नेटवर्क की कहानी है। ग्रामीणों का कहना है कि सप्लाई चेन की निष्पक्ष जांच हुई, तो कई परतें खुल सकती हैं। इलाके में चर्चा है कि बाइक के जरिए कोयला ढुलाई करने वालों से प्रति वाहन 3000 मासिक एंट्री फीस ली जाती है, जबकि ट्रैक्टरों से 30000 मासिक वसूली की बात कही जा रही है। आरोप है कि तय रकम देने वालों को बिना रोक-टोक रास्ता मिल जाता है। यदि यह दावा सही है, तो यह गंभीर प्रशासनिक विफलता मानी जाएगी। मार्केट में चर्चा है कि इस कथित वसूली का जिम्मा रजरप्पा थाना से जुड़े दो सरकारी ड्राइवर और एक निजी ड्राइवर संभालते हैं। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है, लेकिन क्षेत्र में इसे लेकर चर्चा तेज है। लोग निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं। दामोदर नदी पर बने उस पुल के पास, जो रामगढ़ और बोकारो को जोड़ता है, वाहन जांच के लिए बैरिकेडिंग लगाई गई है। आरोप है कि जांच के नाम पर वहीं कथित वसूली का खेल चलता है। इससे आम लोगों में नाराजगी है। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन, पुलिस अधीक्षक, खनन विभाग और संबंधित अधिकारियों से पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच, अवैध कारोबार पर रोक और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। अब सबकी नजर प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी है।

पसीने में भी जिम्मेदारी की चमक, तपती सड़कों पर डटी खाकी ने जीता दिल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : तेज धूप, झुलसा देने वाली गर्म हवाएं और लगातार बढ़ता तापमान–इन कठिन हालातों के बीच भी खाकी वर्दी अपनी जिम्मेदारी निभाने में पीछे नहीं हट रही। वेतन नहीं मिलने की चर्चा के बावजूद पुलिसकर्मी चौक-चौराहों, बाजारों, ट्रैफिक प्वाइंट और संवेदनशील इलाकों में मुस्तैदी से ड्यूटी करते नजर आ रहे हैं। यही वजह है कि उनकी कर्मनिष्ठा अब पूरे इलाके में चर्चा का विषय बन गई है। जहां दोपहर की तपिश से बचने के लिए आम लोग घरों और दुकानों की छांव तलाश रहे हैं, वहीं पुलिस जवान खुले आसमान के नीचे व्यवस्था संभाल रहे हैं। कोई ट्रैफिक नियंत्रित कर रहा है, तो कोई कानून-व्यवस्था बनाए रखने में जुटा है। पसीने से भीगी वर्दी और तपती सड़कें भी उनके कदम नहीं रोक पा रही हैं। इलाके में चर्चा है कि कई कर्मियों को समय पर वेतन नहीं मिला है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन यदि ऐसी स्थिति है तो यह गंभीर प्रशासनिक विषय माना जाएगा। जिन कंधों पर सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी है, उनकी आर्थिक जरूरतों का समय पर ध्यान रखना भी उतना ही आवश्यक है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कठिन परिस्थितियों में भी जिस समर्पण के साथ पुलिसकर्मी डटे हुए हैं, वह प्रशंसा के योग्य है। लोगों ने कहा कि खाकी सिर्फ कानून लागू करने वाली वर्दी नहीं, बल्कि सेवा, साहस और अनुशासन की पहचान है। विशेषज्ञों का मानना है कि सुरक्षा बलों का मनोबल किसी भी प्रशासन की रीढ़ होता है। समय पर वेतन, पर्याप्त संसाधन, पेयजल, विश्राम और बेहतर कार्य परिस्थितियां उपलब्ध कराना जरूरी है, ताकि कर्मी पूरी क्षमता के साथ सेवा दे सकें। जब तपती गर्मी में बिना शिकायत ड्यूटी निभाने वाली खाकी हर मोर्चे पर डटी है, तो अब उम्मीद प्रशासन से है कि उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से किया जाएगा।

रामगढ़ में कड़ी सुरक्षा के बीच शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई जेपीएससी परीक्षा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : रामगढ़ जिले में शनिवार को जेपीएससी प्रारंभिक परीक्षा का आयोजन दो पालियों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया। जिले के कुल 13 परीक्षा केंद्रों पर बड़ी संख्या में अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। निष्पक्ष, पारदर्शी और कदाचारमुक्त परीक्षा संचालन को लेकर प्रशासन दिनभर पूरी तरह सतर्क और सक्रिय रहा। परीक्षा केंद्रों पर व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। प्रत्येक केंद्र पर दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी और पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई। प्रवेश द्वारों पर सघन जांच के बाद ही परीक्षार्थियों को अंदर जाने दिया गया, जिससे अनुशासन और पारदर्शिता बनी रही। पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुणायत ने स्वयं विभिन्न परीक्षा केंद्रों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने तैनात अधिकारियों और पुलिस बल को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा सतर्कता बनाए रखने को कहा। निरीक्षण के दौरान स्पष्ट निर्देश दिया गया कि परीक्षा हर हाल में कदाचारमुक्त और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न होनी चाहिए। किसी भी प्रकार की नकल, गड़बड़ी या अव्यवस्था पर तत्काल कार्रवाई करने को कहा गया। इससे प्रशासन की सख्ती साफ नजर आई।

प्रतिभा सम्मान समारोह की तैयारी तेज, 26 अप्रैल को अहम बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददतात

कोडरमा : कोडरमा जिले के जयनगर स्थित धोबी धर्मशाला में अखिल भारतीय धोबी महासंघ की जिला कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष मनिंदर राम ने की, जबकि संचालन जिला सचिव प्रकाश रजक ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष मनिंदर राम ने संगठन को मजबूत बनाने पर जोर देते हुए कहा कि समाज को संगठित, शिक्षित और जागरूक बनाना बेहद जरूरी है। वहीं जिला सचिव प्रकाश रजक ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी मैट्रिक, इंटर, नवोदय और सैनिक स्कूल में बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जाएगा, ताकि उनका मनोबल बढ़ सके। उन्होंने जानकारी दी कि ज्ञान रत्न प्रतिभा सम्मान समारोह को सफल बनाने के लिए 26 अप्रैल 2026 को झुमरी तिलैया में एक अहम बैठक आयोजित की जाएगी, साथ ही सभी प्रखंडों में तैयारी को लेकर बैठकें की जाएंगी। जला परिषद सदस्य महादेव राम ने कहा कि शिक्षा ही देश को महान बनाती है, इसलिए समाज के बच्चों को शिक्षित करने के साथ सामाजिक ज्ञान देना भी जरूरी है। बैठक में जिला उपाध्यक्ष महेश रजक, एम चंद्रा, जिला कोषाध्यक्ष प्रदीप राम, महेंद्र राम, अरुण रजक, कैलाश रजक, हुलास रजक, शुकर रजक, धर्म रजक, भिखारी रजक, अर्जुन रजक, पवन रजक, अनिल रजक सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

अवैध फैक्ट्रियों और भ्रष्टाचार पर सख्ती के संकेत, नगर परिषद अध्यक्ष का स्पष्ट रुख

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : झुमरी तिलैया नगर परिषद के नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने शहर की ज्वलंत समस्याओं पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। एक विशेष साक्षात्कार में उन्होंने प्रदूषण, अवैध फैक्ट्रियों और आवास योजना में व्याप्त भ्रष्टाचार जैसे गंभीर मुद्दों पर प्रशासन का कड़ा रुख स्पष्ट किया। शहर में बढ़ते प्रदूषण और अवैध रूप से संचालित हो रही फैक्ट्रियों के सवाल पर अध्यक्ष ने कहा कि नगर परिषद शहर को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यद्यपि फिलहाल उनके पास इन अवैध फैक्ट्रियों की कोई लिखित रिपोर्ट नहीं है, लेकिन जैसे ही साक्ष्य मिलेंगे, उन पर अविलंब जांच बैठाकर त्वरित कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने जनता को आश्वस्त किया कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। प्रधानमंत्री आवास योजना के नाम पर गरीब जनता से पैसे की उगाही (कहीं 10 हजार तो कहीं 50 हजार की मांग) के आरोपों पर अध्यक्ष ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने कहा, अगर किसी लाभुक से पैसे की मांग की गई है, तो वे सीधे मुझसे संपर्क करें और सबूत पेश करें। यदि इसमें कोई भी पदाधिकारी संलिप्त पाया गया, तो उसे न केवल बर्खास्त किया जाएगा, बल्कि उसका वेतन रोकने की भी कार्रवाई की जाएगी। अध्यक्ष ने झुमरी तिलैया की जनता से अपील की है कि वे विकास कार्यों में प्रशासन का सहयोग करें और किसी भी प्रकार के भ्रष्टाचार की सूचना सीधे नगर परिषद को दें। उन्होंने विश्वास दिलाया कि प्रशासन पूरी पारदर्शिता के साथ काम करेगा और शहरवासियों की उम्मीदों पर खरा उतरेगा।

जेल अदालत सह विधिक जागरुकता शिविर का हुआ आयोजन

जेल में बंदियों को दी गई कानून की जानकारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा के अध्यक्ष सह प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रामाकांत मिश्रा के मार्गदर्शन में रविवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा के तत्वाधान में मंडल कारा कोडरमा में लोक अदालत सह विधिक जागरूकता शिवीर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार उपस्थित थे। डालसा सचिव गौतम कुमार ने कहा कि गरीबों- असहायों की मदद के लिए डालसा हमेंशा ततपर है। आप सभी अपने आचरण और व्यवहार में सुधार करें । आप यहां से निकलने के उपरांत अपनी गलतियों से सबक लेकर आगे गलती न करने का प्रण ले। साथ ही उन्होंने ने कहा कि निर्धन एवं असहाय बंदियों की मदद के लिए डीएलएसए के अधिवक्ता पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य कर रहे है । वही शिविर में उपस्थित बंदियों को उनके केस से संबंधित जानकारी डीएलएसए के अधिवक्ता नवल किशोर व राजेंद्र मंडल द्वारा दी गई । जिस बंदी का केस पैरवी हेतु कोई भी अधिवक्ता नहीं थे , वैसे बंदियों को बंदी आवेदन भेजने को कहा गया। वैसे बंदी जिन्हें न्यायालय द्वारा सजा सुनाई गई है और वह अपना अपील उच्च न्यायलय में दाखिल करने में असमर्थ है, या नहीं कर सके है , वैसे बंदियों से संबंधित भी जानकारी ली गई। मौके पर दलसा के अधिवक्ता किरण कुमारी अश्विनी शरण ललन चौधरी आदि उपस्थित थे।

स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

कोडरमा जेल अदालत के अलावा मौके पर बंदीयो का स्वास्थ्य जांच शिविर का भी आयोजन किया गया। सदर अस्पताल के चिकित्सक डॉक्टर अभिषेक कुमार के नेतृत्व में सभी बंदियों का स्वास्थ्य जांच किया गया। मौके पर सुनील कुमार के अलावे अन्य कई स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

हाथी के हमले में युवक की मौत, राजद नेता सुभाष यादव ने जताया शोक

सतगावां : कोडरमा जिले के सतगावां प्रखंड अंतर्गत कटैया निवासी शिवनंदन यादव के एकलौते पुत्र रोहित कुमार की बीती रात हाथी (गजराज) के हमले में हुई दर्दनाक मृत्यु पर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के वरिष्ठ नेता सुभाष प्रसाद यादव ने गहरा शोक व्यक्त किया है। घटना की सूचना मिलते ही वे तुरंत घटनास्थल और प्रदर्शन स्थल पर पहुँचे, जहाँ उन्होंने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। विदित हो कि हाथी के हमले में न केवल एक होनहार युवक की जान गई, बल्कि फसलों और संपत्ति को भी भारी नुकसान पहुँचा है। इस घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने मुआवजे और सुरक्षा की मांग को लेकर सतगावां–गोविंदपुर मुख्य मार्ग को जाम कर दिया था। मौके पर पहुँचे सुभाष प्रसाद यादव ने ग्रामीणों की मांगों को लेकर डीएफओ सौमित्र शुक्ला, सतगावां सीओ, थाना प्रभारी सौरभ शर्मा और रेंजर रामबाबू व रविन्द्र कुमार से विस्तार से वार्ता की। उन्होंने अधिकारियों से स्पष्ट रूप से कहा कि पीड़ित परिवार ने अपना इकलौता चिराग खोया है, इसलिए उन्हें अविलंब नियम संगत उचित मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को रोजगार मुहैया कराया जाए। साथ ही, उन्होंने क्षेत्र में हाथियों के आतंक से ग्रामीणों को स्थाई सुरक्षा देने की मांग की। प्रशासनिक अधिकारियों और वन विभाग द्वारा सभी मांगों को शीघ्र पूरा करने के सकारात्मक आश्वासन के बाद, सुभाष प्रसाद यादव की पहल पर ग्रामीणों ने सड़क जाम समाप्त किया। राजद नेता ने संवेदनशीलता दिखाते हुए मृतक के अंतिम संस्कार के लिए अपने व्यक्तिगत कोष से पीड़ित परिवार को तत्काल आर्थिक मदद प्रदान की। उन्होंने कहा, श्यह एक हृदयविदारक घटना है। दुख की इस घड़ी में मैं पूरी तरह से परिवार के साथ खड़ा हूँ और यह सुनिश्चित करूँगा कि सरकारी प्रावधानों के तहत मिलने वाली सहायता जल्द से जल्द उन तक पहुँचे। इस अवसर पर जिप प्रतिनिधि धनंजय यादव, स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

धनंजय कुमार पुटूस के 37वें जनता दरबार में उमड़ी भीड़, कई मुद्दों पर त्वरित कार्रवाई का भरोसा

रामगढ़ : भाजपा नेता एवं सांसद प्रतिनिधि धनंजय कुमार पुटूस द्वारा आरबीएसएस कार्यालय में आयोजित 37वाँ जनता दरबार जनसमस्याओं के समाधान का प्रभावी मंच बनकर उभरा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्र के लोग पहुंचे और अपनी समस्याओं के साथ सुझाव भी रखे। लोगों की सक्रिय भागीदारी ने आयोजन को खास बना दिया। जनता दरबार में भूमि विवाद, बिजली आपूर्ति, पेयजल संकट, रोजगार और अन्य जनसुविधाओं से जुड़े मामले प्रमुख रूप से सामने आए। विभिन्न पंचायतों और वार्डों से आए लोगों ने अपनी परेशानियां विस्तार से रखीं और समाधान की मांग की। धनंजय कुमार पुटूस ने एक-एक फरियादी की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों से संपर्क कर कई मामलों के त्वरित समाधान का आश्वासन दिया। कुछ मामलों में तत्काल पहल करने की बात भी कही गई। इस अवसर पर धनंजय कुमार पुटूस ने कहा कि जनता दरबार का मुख्य उद्देश्य लोगों की समस्याओं को सीधे सुनकर उनका शीघ्र समाधान करना है। उन्होंने कहा कि जनता की सेवा उनकी पहली प्राथमिकता है और वे लगातार क्षेत्रवासियों के बीच रहकर उनकी समस्याओं के समाधान के लिए काम करते रहेंगे। कार्यक्रम में विभिन्न पंचायतों, गांवों और वार्डों से लोग पहुंचे। ग्रामीणों ने कहा कि ऐसे मंच से आम जनता को अपनी बात रखने का अवसर मिलता है और समस्याओं के समाधान की उम्मीद भी बढ़ती है। जनता दरबार के दौरान आरबीएसएस के कार्यकर्ता और स्थानीय लोग भी मौजूद रहे। आयोजन को सफल बनाने में कार्यकताओं की सक्रिय भूमिका देखने को मिली।लगातार आयोजित हो रहे जनता दरबार ने क्षेत्र में एक भरोसेमंद व्यवस्था की छवि बनाई है। लोगों का कहना है कि यदि इसी तरह नियमित रूप से समस्याएं सुनी जाती रहीं, तो कई लंबित मामलों का समाधान आसान हो जाएगा।

जर्जर पुल पर गरमाई राजनीति, धरने के दौरान यशवंत सिन्हा अस्वस्थ

भुरकुंडा: भुरकुंडा–गिद्दी जर्जर पुल निर्माण की मांग को लेकर गिद्दी में आयोजित धरना प्रदर्शन उस समय चर्चा का केंद्र बन गया, जब पूर्व सांसद यशवंत सिन्हा की अचानक तबीयत बिगड़ गई। तेज धूप के बीच चल रहे धरना कार्यक्रम में यह घटना होते ही समर्थकों और मौजूद लोगों में हलचल मच गई। भुरकुंडा–गिद्दी मार्ग पर स्थित जर्जर पुल के पुनर्निर्माण की मांग को लेकर यशवंत सिन्हा अपने समर्थकों के साथ धरना पर बैठे थे। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि यह पुल लंबे समय से बदहाल स्थिति में है, जिससे रोजाना आवाजाही करने वालों को परेशानी झेलनी पड़ती है। धरना कार्यक्रम के दौरान अचानक यशवंत सिन्हा की तबीयत खराब हो गई। सूचना मिलते ही चिकित्सकों की टीम मौके पर पहुंची और उनका स्वास्थ्य परीक्षण किया। डॉक्टरों ने बताया कि तेज धूप और गर्म मौसम के कारण उनकी तबीयत प्रभावित हुई। प्राथमिक जांच के बाद स्थिति सामान्य बताई गई। तबीयत बिगड़ने से पहले यशवंत सिन्हा ने कहा कि भुरकुंडा–गिद्दी पुल से प्रतिदिन सैकड़ों भारी वाहनों का आवागमन होता है। इससे सीसीएल को भारी राजस्व मिलता है, लेकिन पुल निर्माण के मामले में राज्य सरकार और सीसीएल प्रबंधन उदासीन बना हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि विकास के नाम पर सिर्फ घोषणाएं हो रही हैं, जबकि जमीनी स्तर पर जरूरी कार्य अधूरे पड़े हैं। उनका कहना था कि पुल जैसी बुनियादी सुविधा की अनदेखी आम जनता के साथ अन्याय है।

झुमरी तिलैया में भगवान परशुराम जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया

झुमरी तिलैया : झुमरी तिलैया के जैन भवन में अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा के तत्वावधान में भगवान परशुराम जी का जन्मोत्सव श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पूजा–अर्चना जिला अध्यक्ष अनूप जोशी एवं नीलम जोशी के द्वारा संपन्न की गई। पूजा विधि को आचार्य कमलकांत पांडेय एवं राधेश्याम पांडेय ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न कराया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष अनूप जोशी ने कहा कि भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम जी का जन्मोत्सव अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि इस आयोजन में समाज के सभी सनातन प्रेमियों को आमंत्रित किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि कार्यक्रम के तहत अखंड रामायण पाठ का आयोजन किया गया, वहीं संध्या में भजन–कीर्तन का नवीन पांड्या और आराध्या के द्वारा आयोजन हुआ।

एक नजर

सिलेंडर लीक से पाथरडीह लोको साइडिंग में आग लगने से मची अफरा -तफरी

धनबाद : धनबाद के झरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत पाथरडीह लोको बाजार में रविवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई जब अचानक भीषण आग लग गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार गैस सिलेंडर के लीक होने के कारण यह हादसा हुआ, जिसने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया। घटना के वक्त साइडिंग में गैस कटर के जरिए काम चल रहा था। आग लगते ही वहां काम कर रहे मजदूरों में भगदड़ और डर का माहौल बन गया। हालांकि मौके पर मौजूद मजदूरों ने हिम्मत दिखाते हुए आग पर काबू पाने का प्रयास किया और स्थिति को संभालने में जुट गए। बताया जा रहा है कि ठेकेदार के माध्यम से काम कर रहे प्राइवेट मजदूरों से बिना पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था (सेफ्टी) के काम कराया जा रहा था। इस लापरवाही ने हादसे की गंभीरता को और बढ़ा दिया। फिलहाल आग पर काबू पाने की कोशिश जारी है और किसी के हताहत होने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

लापता युवती का शव कुएं से बरामद

पलामू : जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के चांदो गांव के भुइयां राजा टोले के कुएं से रविवार एक युवती का शव बरामद हुआ। युवती की पहचान इसी थाना क्षेत्र के नेउरा निवासी तस्लीम अंसारी की पुत्री महजद्दीना खातून (२०) के रूप में की गई है। युवती तीन दिनों से लापता थी। वह परिजनों को बिना बताए चांदो गांव में प्रेमी से मिलने गई थी। हत्या के बाद कुएं में शव फेंके जाने की आशंका व्यक्त की गई है। पुलिस मामले को संदिग्ध मौत मानकर जांच में जुटी है।

सूचना मिलते ही चैनपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए एमएमसीएच मेदिनीनगर में भेज दिया। चैनपुर थाना प्रभारी श्रीराम शर्मा ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है और हत्या की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि परिजनों की ओर से अब तक लिखित आवेदन नहीं मिला है। आवेदन मिलते ही प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जिला परिषद सदस्य फजायल अहमद ने बताया कि युवती 16 अप्रैल से लापता थी।

तीन दिवसीय लीजेंड क्रिकेट लीग का समापन

पटमदा : बोड़ाम प्रखंड के मुकरूडीह के निर्मल चौक मैदान में बोड़ाम प्रखंड लीजेंड क्रिकेट टीम की ओर से आयोजित तीन दिवसीय लीजेंड क्रिकेट लीग का समापन रविवार को हो गया।

रविवार को लीजेंड क्रिकेट लीग का फाइनल मुकाबला किंग इलेवन और देवब्रत इलेवन के बीच खेला गया जिसमें पहले बल्लेबाजी करते हुए देवब्रत इलेवन ने 8 ओवर में 3 विकेट खो कर 79 रन बनाकर किंग इलेवन को 8 ओवर में 80 रन का लक्ष्य दिया जिसके जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी किंग इलेवन 8 ओवर में 3 विकेट खो कर 77 रन ही बना सकी।

इस तरह फाइनल मुकाबला देवब्रत इलेवन 2 रन बनाकर मैच जीत लिया। विजेता देवब्रत इलेवन को 11,000 रुपया व एक ट्रॉफी और उपविजेता किंग इलेवन को 9,000 रुपया व एक ट्रॉफी देकर कमिटी की ओर से पुरस्कृत किया। मैन ऑफ द सीरीज देवब्रत इलेवन के ऑलराउंडर कामाल उद्दीन अंसारी, किंग्स इलेवन के गेंदबाज पूर्ण चंद्र महतो को बेस्ट बॉलर और फाइनल मैच का मैन ऑफ द मैच देवब्रत इलेवन के कप्तान देवव्रत महतो को चुना गया। तीनों को कमिटी की ओर ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया गया।

प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि समाजसेवी हिमांशु महतो और विशिष्ट अतिथि मुखिया प्रतिनिधि ललित हांसदा तथा पंचायत समिति सदस्य अरुण महतो उपस्थित थे।

सेल लीज-लाईसेंसधारक संघ का पुनर्गठन और संघर्ष का संकल्प

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : सेक्टर 4 वीर कुंवर सिंह पार्क में सेल लीज-लाईसेंसधारी संघ की बैठक आयोजित हुई। बैठक में संघ का पुनर्गठन करते हुए सेल प्रबंधन से विभिन्न मुद्दों को लेकर लंबी लड़ाई लड़ने का संकल्प लिया गया। नवगठित समिति में कुमार राकेश को अध्यक्ष चुना गया। इसके अलावा डा अलाउद्दीन को सचिव, विनेश्वर कुमार को कोषाध्यक्ष तथा डीके सिंह और मिथिलेश झा को उपाध्यक्ष बनाया गया। सर्व सम्मति से पूरे बोकारो में सभी लीज और लाईसेंसधारियों के बीच सदस्यता अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। बैठक में सेल प्रबंधन द्वारा रद्द की गयी शापिंग सेंटर की दुकानों का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। सेल प्रबंधन से मांग की गई कि जो भी दुकानदार बकाया भुगतान कर दुकानें रखना चाहते हैं, उन्हें कैंसिल सूची से हटाया जाये। इन दुकानदारों ने संयुक्त रूप से न्यायालय का दरवाजा खटखटाने का निर्णय लिया। इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष कुमार राकेश ने कहा कि प्रबंधन ने लीज और लाईसेंस की दुकानों या मकानों में नये-नये नियम बनाकर परेशान कर रही है। इसके समाधान के लिए लंबी लड़ाई लड़ने की तैयारी करनी है। संघ के माध्यम से कानूनी लड़ाई के साथ आंदोलन का भी सहारा लिया जाएगा। बैठक में कई प्रस्ताव पारित कर प्रबंधन से शीघ्र समाधान की मांग की गयी। पारित प्रस्तावों में शापिंग सेंटर की सभी दुकानों को नये सिरे से रिन्यूअल करने, उनकी मरम्मत कराने, आवेदन करने वाले सभी विस्थापित भाईयों को पुरानी दुकान की जगह हर सेक्टर में नया माल बनाकर दुकान आबंटन करने, दुकानों और टेलिफोन बूथों का बढ़ा हुआ मनमाना शुल्क वापस लेने, लीज के आवासों में अतिरिक्त निर्माण को सशुल्क नियमित करने, लाईसेंस के आवास में अतिरिक्त निर्माण को अतिक्रमण नहीं मानने और तत्काल बिना शर्त नवीकरण करने, सिटी सेंटर और सेंटर मार्केट के प्लॉटधारियों के लीज नवीकरण और कई तरह की शुल्क वृद्धि का समाधान करने तथा सभी लीजधारियों और लाईसेंसधारियों के विद्युत शुल्क मीटर-यूनिट के आधार पर लेने की मांग की गई है।

सरना धर्म प्रार्थना सभा आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : अड़की प्रखंड के बीरबांकी गांव में रविवार को समिति का 15वां स्थापना दिवस सह सरना धर्म सम्मेलन एवं प्रार्थना स भा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत धर्मगुरु धीरजु मुंडा, बुधराम सिंह मुंडा और सोमा मुंडा की अगुवाई में सरना स्थल पर भगवान सिङबोंगा की पूजा-अर्चना से हुई। इस दौरान अनुयायियों ने समाज की सुख, शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि धर्मगुरु बगरय ओड़ेया ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान सिङबोंगा की स्तुति से मन में भक्ति और श्रद्धा की भावना प्रबल होती है। इससे समाज में प्रेम, भाईचारा और एकता का वातावरण बनता है तथा लोभ, लालच और अहंकार जैसी बुराइयों से मुक्ति मिलती है। उन्होंने कहा कि भगवान के सामने सभी समान हैं, इसलिए हमें धर्म के मार्ग पर चलकर समाज में प्रेम और सद्भाव बनाए रखना चाहिए। उन्होंने लोगों से गरीबों, शोषितों, पीड़ितों और दीन-दुखियों की निस्वार्थ भाव से सेवा करने का आह्वान किया। धर्मगुरु बगरय मुंडा ने कहा कि धरती आबा बिरसा मुंडा ने जिस समृद्ध और समानता पर आधारित समाज की कल्पना की थी, वह आज भी अधूरी है। उन्होंने सामाजिक भेदभाव, रूढ़िवादी सोच और धार्मिक-सामाजिक कुरीतियों को त्यागने की अपील की थी। उन्होंने कहा कि सरना समाज को मजबूत और खुशहाल बनाने के लिए समाज में फैली बुराइयों, अन्याय, अत्याचार और कुप्रथाओं को दूर करने की जरूरत है। कार्यक्रम में अड़की, बुंडू, मुरहू और बंदगांव समेत विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में सरना धर्मावलंबी शामिल हुए। इस अवसर पर लुकीन मुंडा, सोमा हेंबरोम और सोमनाथ मुंडा सहित कई लोगों का सहयोग रहा।

खूंटी में शांतिपूर्ण हुई संयुक्त असैनिक सेवा की परीक्षा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : खूंटी जिले में झारखण्ड संयुक्त असैनिक सेवा प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा-2025 का आयोजन रविवार को सभी 09 परीक्षा केन्द्रों पर शांतिपूर्ण संपन्न हुआ। परीक्षा के सुचारू संचालन हेतु व्यापक प्रशासनिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं। परीक्षा के सफल संचालन के लिए प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर पर्यवेक्षक-सह-स्टैटिक दण्डाधिकारी, गश्ती दण्डाधिकारी एवं फ्लाईंग दण्डाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई थी। साथ ही, आवश्यकता अनुसार पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती कर विधि-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखा गया। उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया ने विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केन्द्रों पर उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, ताकि परीक्षा निष्पक्ष एवं कदाचारमुक्त वातावरण में संपन्न हो सके। इस क्रम में उपायुक्त द्वारा पुलिस अधीक्षक, खूंटी कार्यालय परिसर में स्थापित परीक्षा नियंत्रण कक्ष का भी निरीक्षण किया गया। उन्होंने नियंत्रण कक्ष के माध्यम से परीक्षा केन्द्रों पर संचालित गतिविधियों का अवलोकन किया एवं आवश्यक निर्देश दिए। परीक्षा केन्द्रों के निरीक्षण के दौरान उपायुक्त के साथ अनुमंडल पदाधिकारी, डीसीएलआर सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मानगो में बनेगा स्लुइस गेट बाढ़ से मिलेगी राहत : सरयू राय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

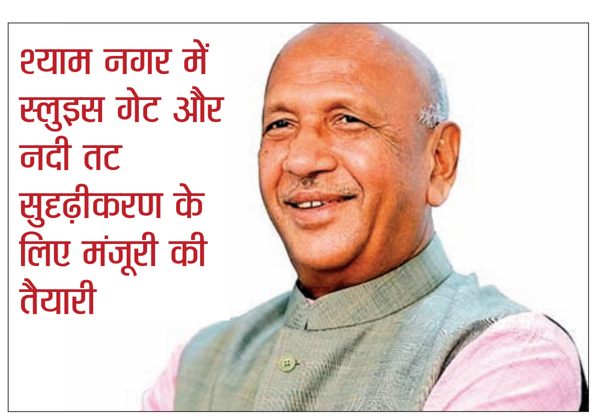

पूर्वी सिंहभूम : जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने मानगो क्षेत्र के श्याम नगर के लिए राहत भरी खबर दी है। उन्होंने रविवार को बताया कि स्वर्णरेखा नदी के किनारे शंकोसाई स्थित श्याम नगर में उस स्थान पर स्लुइस गेट का निर्माण कराया जाएगा, जहां बरसात के दौरान नदी का बढ़ा हुआ जलस्तर नाले के माध्यम से निचले इलाकों में घुसकर हर साल जलजमाव और बाढ़ की स्थिति पैदा करता है। सरयू राय ने बताया कि इस समस्या को देखते हुए उन्होंने स्वर्णरेखा परियोजना के मुख्य अभियंता के समक्ष स्लुइस गेट निर्माण का प्रस्ताव रखा था। इसके साथ ही मानगो पुल से लेकर गौड़ बस्ती तक नदी के किनारे को मजबूत करने की योजना भी सुझाई गई थी, ताकि कटाव रोका जा सके और क्षेत्र का सौंदर्यीकरण भी हो। उन्होंने बताया कि दोनों योजनाओं का प्राक्कलन तैयार कर स्वर्णरेखा परियोजना के मुख्य अभियंता ने इसे रांची स्थित जल संसाधन विभाग के अभियंता प्रमुख के पास स्वीकृति के लिए भेज दिया है। प्रस्ताव के अनुसार, श्याम नगर में स्लुइस गेट निर्माण पर लगभग 2 करोड़ 38 लाख 60 हजार रुपये और मानगो पुल से गौड़ बस्ती तक नदी तट सुदृढ़ीकरण पर करीब 9 करोड़ 41 लाख रुपये खर्च होंगे। सरयू राय ने कहा कि इस संबंध में उनकी बातचीत विभाग के अभियंता प्रमुख एम.एल. पिंगुआ से हुई है, जिन्होंने जल्द ही सरकार से स्वीकृति और राशि आवंटन का आश्वासन दिया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इन योजनाओं के लागू होने से श्याम नगर क्षेत्र को बाढ़ और जलजमाव की समस्या से स्थायी राहत मिलेगी तथा नदी किनारे का विकास भी होगा।

बोकारो में बाइक और ठेले की भिड़ंत सीसीएल कर्मी गंभीर रूप से घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : जिला के बोकारो थर्मल थाना क्षेत्र के कथारा स्थित सीसीएल जीएम ऑफिस के समीप शनिवार को देर रात्रि करीबन 8:30 बजे एक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार 45 वर्षीय सीसीएल कर्मी संतोष सिंह के पुत्र भरत सिंह,कथारा मोड़ से गायत्री कॉलोनी की ओर जा रहे गुपचुप बेचने वाले ठेला को पीछे से जोरदार टक्कर मार दिया इस हादसे में ठेले और बाइक संख्या J H09AW 7767 पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार घायल व्यक्ति के पुत्र राजवीर सिंह ने बताया की मेरे पिता का नाम भरत सिंह है, कथारा स्टाफ कॉलोनी का रहने वाला था कहा अपने बाइक से कथारा स्टाफ कॉलोनी अपने आवास की ओर जा रहा था। इसी दौरान जीएम ऑफिस के पास उसकी बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई और घायल हो गया। वहीं शिव शंकर महतो बताया की हम कथारा मोड़ मे ठेला से गुपचुप बेचते हैं और अपने परिवार का भरण पोषण करते हैं कथारा से गायत्री कॉलोनी राजेंद्र नगर अपने आवास जा रहे थे इसी क्रम में बाइक सवार पीछे से जोरदार टक्कर मार दिया जिसे काफी क्षतिग्रस्त हो गई इस हादसे के बाद ग्रामीणों की काफी भीड़ लग गई स्थानीय लोगों का कहना था बाइक सवार और ठेला वाला शिव शंकर महतो दोनों नशे में धुत था इस घटना की सूचना मिलते ही घटना स्थल पर कथारा ओपी प्रभारी राजेश प्रजापति,दल बल के साथ पहुंचे और घटना के बाद आसपास मौजूद स्थानीय लोगों की मदद से तत्परता दिखाते हुए घायल व्यक्ति को तुरंत सीसीएल कथारा अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसका प्राथमिक उपचार किया।

अवैध कोयला कारोबार पर सीआईएसएफ का करारा प्रहार, 06 टन कोयला जब्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : जिला के बेरमो प्रखंड क्षेत्र के कोयला खनन का मामला फिर सामने आया है गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना के आधार पर 19 अप्रैल 2026 रविवार को सीआईएसएफ ने अवैध कोयला चोरी एवं परिवहन के विरुद्ध एक महत्वपूर्ण और प्रभावशाली कार्रवाई को अंजाम दिया। गोपनीय सूचना के आधार पर, सीसीएल करगली के कमाण्डेंट राज प्रताप सिंह के कुशल निर्देशन में एक विशेष छापामारी अभियान संचालित किया गया। यह अभियान बोकारो एवं करगली क्षेत्र स्थित सीसीएल परियोजना के बी एंड के और कारों में तथा काँटाघर संख्या 04 एवं 06 के पीछे अवस्थित गाँव के समीप चलाया गया, जहाँ कोयला चोरों की गतिविधियों की सटीक सूचना प्राप्त हुई थी। सहायक कमाण्डेंट धनंजय कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में गठित सीआईएसएफ की टीम ने त्वरित एवं सटीक कार्रवाई करते हुए लगभग 06 टन अवैध रूप से एकत्रित कोयला बरामद किया। बरामद कोयले को विधिवत रूप से सीसीएल प्रबंधन को सुपुर्द कर दिया गया है। इस सफल अभियान ने अवैध खनन एवं तस्करी में संलिप्त तत्वों के विरुद्ध कड़ा संदेश दिया है कि कानून के उल्लंघन को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कमाण्डेंट राज प्रताप सिंह ने इस कार्रवाई पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि सीआईएसएफ भविष्य में भी अवैध कोयला चोरी एवं परिवहन के विरुद्ध इसी प्रकार सघन एवं निरंतर अभियान चलाता रहेगा। जानकारी के अनुसार असामाजिक तत्वों द्वारा लंबे समय से अवैध रूप से कोयले का उत्खनन एवं भंडारण किया जा रहा था जिससे न केवल सीसीएल के राजस्व के नुकसान हो रहा था बल्कि स्थानीय लोगों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ रही थी इस अभियान की सफलता में निरीक्षक एस.आर.नायक, सब इंस्पेक्टर संतोष कुमार तिवारी, अमित कुमार, आरक्षक सुदामा प्रसाद, अन्य जवान सहित सीसीएल सुरक्षागार्ड महामाया पासवान व उनकी टीम की सक्रिय, सतर्क एवं सराहनीय भूमिका रही।

संक्षिप्त खबरें

चास पुराना बांध तालाब में डूबने से 10 वर्षीय मासूम की हुई मौत

बोकारो : बोकारो के चास थाना क्षेत्र के रामनगर कॉलोनी स्थित पुराना बांध तालाब में रविवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहाँ नहाने के क्रम में 10 वर्षीय बालक रोहन कुमार की डूबने से मौत हो गई। रोहन चास के कैलाश नगर का रहने वाला था और अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था। कैसे घटी घटना प्राप्त जानकारी के अनुसार, कैलाश नगर निवासी मुन्ना साव का पुत्र रोहन कुमार रविवार सुबह करीब 11:00 बजे अपने घर से निकला था। वह अपने कुछ दोस्तों के साथ रामनगर कॉलोनी स्थित पुराना बांध तालाब में नहाने गया था। नहाने के दौरान वह गहरे पानी की चपेट में आ गया और देखते ही देखते डूबने लगा। साथ मौजूद दोस्तों के शोर मचाने पर स्थानीय लोग इकट्ठा हुए, लेकिन जब तक उसे पानी से बाहर निकाला गया, तब तक उसकी जान जा चुकी थी। इस घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। बताया जा रहा है कि रोहन अपने माता-पिता की इकलौती संतान था। वह चास मेन रोड स्थित बांग्ला मध्य विद्यालय का छात्र था। इकलौते बेटे की मौत की खबर मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। कैलाश नगर और आसपास के मोहल्लों में इस घटना के बाद सन्नाटा पसरा हुआ है। स्थानीय प्रशासन और सामाजिक कार्यकताओं ने अभिभावकों से अपील की है कि वे गर्मी के मौसम में बच्चों पर विशेष नजर रखें और उन्हें अकेले तालाब या नदियों की ओर न जाने दें।

बोकारो थर्मल में बेकाबू मालगाड़ी, स्कॉर्पियो क्षतिग्रस्त-बड़ा हादसा टला

बोकारो : डीवीसी के बोकारो थर्मल पावर प्लांट में आज सुबह करीब 7 बजे बड़ा हादसा हो होते होते बच गया जिसमें किसी की जान माल का नुकसान नहीं हुआ लेकिन रेलवे गेट पर कर रही है स्कॉर्पियो को अपने चपेट में ले लिया स्कॉर्पियो के ड्राइवर ने खुद कर अपनी जान बचाई। मामला था कि कोयला खाली कर एक मालगाड़ी अचानक बेकाबू होकर प्लांट के गेट को तोड़ते हुए बाहर निकल गई। जिससे तत्काल वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मालगाड़ी ने ट्रैक के पास खड़ी स्कॉर्पियो जिसका नंबर JH01FT 3824 को जोरदार टक्कर मारते हुए उसे करीब 400 से 500 मीटर तक घसीटते हुए लेते चली गई। कथारा निवासी स्कॉर्पियो के मालिक जो खुद स्कॉर्पियो चला रहे थे अमरदीप ने समय रहते गाड़ी से कूदकर अपनी जान बचाई। घटना में स्कॉर्पियो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है। घटना में रेलवे और रैक प्रबंधन की लापरवाही स्पष्ट दिखाई दे रही है। सुबह करीब 4 बजे कोयला लदा रैक प्लांट में दाखिल हुआ था और 7 बजे तक खाली कर लिया गया था। नियमत: रैक को इंजन आगे की तरफ रखकर बाहर निकाला जाता है लेकिन इसे रिवर्स में बाहर लाया जा रहा था जिससे यह घटना घटी। जबकि पीछे गार्ड की बोगी रहती है वह भी नहीं था और न कोई सिग्नल जिसके कारण यह हादसा हुआ है।

रफ्तार अधिक होने के कारण गेट तोड़ते हुए करीब 500 मीटर दूर जाकर रैक का पिछला हिस्सा बेपटरी हो जाने के कारण गाड़ी रुकी। मामला अधिक भयावह तब हो जाता है जब मेन लाइन का गेट खुला होता क्योंकि गोमो-चोपन पैसेंजर के आने का समय था इस कारण मेन लाइन का गेट बंद था नहीं तो बड़ा ट्रेन हादसा हो सकता था।

घटना की जानकारी होते ही स्थानीय थाना पुलिस और रेलवे के अधिकारी, सीआईएसएफ मौके पर पहुंचे। बोकारो थर्मल थाना प्रभारी पिंकू कुमार यादव और स्टेशन मैनेजर शैलेश कुमार, सीआईएसएफ निरीक्षक प्रशांत कुमार प्रसून ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। रैक चालक अरुण कुमार पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी को लेकर जांच शुरू कर दी गई है। स्टेशन मैनेजर शैलेश कुमार ने कहा की मामले में प्लांट के अधिकारियों से बात कर तू कहां हुई है इसकी जांच की जाएगी और इससे संबंधित जो भी लोग उन पर कार्रवाई के लिए आगे भेज दिया जाएगा तत्काल रेलवे लाइन प्रभावित नहीं है। घटना को लेकर गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी के खिलाफ लोगों में आक्रोश भी देखा जा रहा है। डीवीसी कर्मियों में भी गुस्सा दिखाई दे रहा है, उनका मानना है कि अगर ओवरब्रिज का उद्घाटन समय पर हो गया होता तो आज यह घटना नहीं होता।

उपायुक्त ने की मां भद्रकाली मंदिर में पूजा-अर्चना

चतरा : निवर्तमान उपायुक्त कीर्तिश्री जी से विधिवत कार्यभार प्राप्त करते ही उन्होंने मां भद्रकाली मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना किया। उन्होंने सबसे पहले माता का दर्शन कर आशीर्वाद लिया। उसके बाद पंचमुखी हनुमान मंदिर, शनि देव मंदिर, 1008 सहस्त्र शिवलिंग, कोटेश्वर नाथ, राम मंदिर का दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस मौके पर उनके साथ चतरा एसडीओ जहूर आलम, मृत्युंजय सिंह, सतीश सिंह, रतन शर्मा, सुरेंद्र सिंह समेत कई लोग मौजूद थे।

हथियार के साथ युवक गिरफ्तार

पूर्वी सिंहभूम : शहर में एक बड़ी आपराधिक घटना को उलीडीह पुलिस ने समय रहते विफल कर दिया। रविवार तड़के शंकोसाई स्थित टावर मैदान इलाके में पुलिस ने छापेमारी कर एक युवक को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया। बताया जा रहा है कि युवक अपने ही दोस्तों से मारपीट का बदला लेने के इरादे से निकला था और किसी गंभीर वारदात को अंजाम देने की तैयारी में था। रविवार को मामले की जानकारी देते हुए पटमदा डीएसपी बच्चनदेव कुजूर ने बताया कि शनिवार देर रात करीब 3:30 बजे वरीय पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि टावर मैदान के आसपास एक संदिग्ध युवक हथियार लेकर घूम रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए सिटी एसपी के निर्देश पर तुरंत एक विशेष टीम का गठन किया गया, जिसमें उलीडीह ओपी की पुलिस और सशस्त्र बल के जवानों को शामिल किया गया। पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से इलाके की घेराबंदी की। जैसे ही संदिग्ध युवक ने भागने की कोशिश की, पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए उसे दबोच लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक अवैध देशी कट्टा बरामद किया गया।

अमरत्व को ले जाती शहादत

28 फरवरी 2026 को इस्राईल और अमेरिका ने एक संयुक्त अभियान चलाकर ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह सैय्यद अली खामनेई को तेहरान में किये गये एक बड़े हवाई हमले में शहीद कर दिया था। ये हमले खामनेई के रिहाइशी कंपाउंड और उस समय चल रही डिफेन्स काउंसिल मीटिंगसहित और कई ठिकानों पर एक साथ हुए थे।अमेरिका -इस्राईल द्वारा ईरान पर युद्ध थोपने के पहले ही दिन हुये इस हमले में सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह सैय्यद अली खामनेई के अलावा 11अन्य प्रमुख ईरानी अधिकारी व नेता शहीद हो गये थे। युद्ध थोपने के पहले ही दिन और पहले ही आक्रमण में खामनेई को शहीद किये जाने के पीछे अमेरिका -इस्राईल की यही रणनीति थी कि खामनेई के बाद ईरान का नेतृत्व बिखर जायेगा और अमेरिका -इस्राईल की ईरान में सत्ता परिवर्तन किये जाने व शाह की संतान को ईरानी सत्ता पर थोपने की उनकी दीर्घकालीन नापाक मंशा पूरी हो जाएगी। परन्तु आयतुल्लाह खामनेई की शहादत के बाद का ईरान तो इतना एकजुट,मजबूत,सक्षम व उत्साही नजर आया जिसकी दुनिया कल्पना भी नहीं कर सकती थी।

ईरानी सरकार ने 1 मार्च को खामनेई की मौत की पुष्टि की और पूरे देश में शोक घोषित किया। उसके बाद एक तरफ तो ईरान व ईरानी सत्ता को अस्थिर करने की गरज से ईरान पर दुश्मन की भारी बमबारी जारी रही दूसरी तरफ ईरान ने भी खामनेई की शहादत के बाद अमेरिका व इस्राईली हितों की रक्षा करने वाले लगभग 12 देशों परआक्रमण किये। इनमें खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी बेस और अन्य सैन्य ठिकाने शामिल थे। आश्चर्य की बात तो यह है कि पूरा ईरान इस दौरान अपने सर्वोच्च नेता की शहादत के गम में भी डूबा रहा,साथ ही मिनाब में स्कूल पर हुये हमले व अन्य जगहों पर हो रही अमेरिका व इस्राईली बमबारी का भी सामना करता रहा और इसी के साथ अपनी रक्षा भी बखूबी करते हुये अपने दुश्मनों व उनके हितैषियों को भी पूरे सलीके के साथ सबक सिखाता रहा।

इसके पीछे सैय्यद अली खामनेई के त्याग,उनकी दूरदृष्टि,ईमानदारी,सादगी व उनके बलिदान का सबसे महत्वपूर्ण योगदान माना जा रहा है। गौरतलब है कि सैय्यद अली खामनेई को 3 जून 1989 को आयतुल्लाह रुहुल्लाह खोमैनी की मृत्यु के बाद ईरान का कार्यवाहक सर्वोच्च नेता निर्वाचित किया गया था। दो महीने बाद 6 अगस्त 1989 को ईरानी विशेषज्ञों की सभा ने उन्हें स्थायी सर्वोच्च नेता के रूप में आधिकारिक तौर से चुन लिया। गोया आज का ईरान इन्हीं आयतुल्लाह सैय्यद अली खामनेई की लगभग 37 वर्षों की दूरदर्शिता से निर्मित किया गया वह देश है जिसने अमेरिका व इस्राईल जैसे विश्व के सबसे आक्रामक व नरसंहारक देशों के पसीने छुड़ा दिये।

गत 9 अप्रैल से खामनेई की शहादत के बाद उनका चालीसवां (शोक) मनाने का सिलसिला शुरू हुआ। यह चालीसवां केवल ईरान में ही नहीं मनाया गया बल्कि दुनिया के अनेक देशों के अनेक शहरों में 9 अप्रैल के बाद इनकी याद में बड़ी बड़ी सभाएं की गयीं और यह सिलसिला अभी भी जारी है। जीवन की सादगी, उनकी सीख, शिक्षा,समर्पण व त्याग ने खामनेई को उस बुलंदी पर पहुंचा दिया कि उन पर आंसू बहाने वालों में केवल शिया समाज के लोग ही शामिल नहीं हुये बल्कि बड़ी संख्या में ईसाई,सुन्नी,हिन्दू,सिख,बौद्ध,जैन आदि सभी समुदायों के लोग अलग अलग जगहों पर शामिल हुये। मैं तुलना तो नहीं करता परन्तु यह बात दावे के साथ कहता हूँ कि करबला के शहीदों के चालीसवें के सिवाय और किसी अन्य व्यक्ति के चालीसवें अथवा सोग के अवसर पर इतने अधिक देशों व शहरों में इतने बड़े पैमाने पर इतने अधिक आयोजन होते मैंने पहले कभी नहीं देखा-सुना। 3 जून 1989 को ईरानी क्रांति के नेता आयतुल्लाह रुहुल्लाह खोमैनी की मृत्यु के बाद उनके अंतिम संस्कार में भी ईरान के विभिन्न हिस्सों से करोड़ों लोगों ने शिरकत की थी।

सूडोकु नवताल- 7770

★☆☆☆☆ सरल

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7769 का हल

8	2	4		9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

स्टार्टअप की दुनिया और आज का नया भारत

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत आज एक ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहां नवाचार और उद्यमिता राष्ट्र निर्माण की धुरी बन चुकी हैं। देश में स्टार्टअप्स की तेजी से बढ़ती संख्या, उनके द्वारा सृजित रोजगार और वैश्विक स्तर पर उनकी पहचान इस बात का प्रमाण है कि भारत एक नए आर्थिक युग में प्रवेश कर चुका है।

इस संदर्भ में कहना होगा कि 16 जनवरी 2016 को शुरू की गई स्टार्टअप इंडिया पहल ने इस परिवर्तन को दिशा और गति प्रदान की है। इस पहल का उद्देश्य एक ऐसा मजबूत इकोसिस्टम तैयार करना था, जहां नए विचारों को पंख मिलें, निवेश को प्रोत्साहन मिले और उद्यमियों को हर स्तर पर सहयोग प्राप्त हो सके। केंद्र की मोदी सरकार ने समय को पहचानते हुए नीतियों को सरल बनाया, वित्तीय सहायता, कर में छूट और बाजार तक पहुंच जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया और एक नया क्षितिज अपने देश के युवाओं के लिए खोल दिया, जिनके लिए नवाचार से उद्यमिता में सफलता जैसे कोई स्वप्न था! वस्तुतः आज इस यात्रा का परिणाम हमारे सामने मौजूद है। वित्त वर्ष 2025-26 में 55,200 से अधिक स्टार्टअप्स को राज्यवार मान्यता मिल गई है। कह सकते हैं कि वर्ष 2026 से शुरू हुई स्टार्टअप्स की यात्रा में यह किसी एक वर्ष में अब तक की सर्वाधिक संख्या है। यह पिछले वित्त वर्ष 2024-25 के 36,400+ स्टार्टअप्स की तुलना में 51.6 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि को दशार्ता है। यह आंकड़ा निश्चित ही उस विश्वास और ऊर्जा का प्रतीक है, जो वर्तमान भारत के युवाओं में दिखाई दे रही है।

यही कारण है, रोजगार सृजन के क्षेत्र में भी स्टार्टअप्स ने उल्लेखनीय योगदान दिया है। वित्त वर्ष 2025-26 में लगभग 4,99,400 प्रत्यक्ष नौकरियां सृजित हुईं हैं, आंकड़ा कहता है कि यह पिछले वर्ष की तुलना में 36.1 प्रतिशत अधिक हैं। 31 मार्च 2026 तक कुल 2.23 लाख से अधिक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स ने 23.36 लाख से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार सृजित किए हैं।

देश के विभिन्न राज्यों में स्टार्टअप्स का विस्तार भारत के संतुलित विकास की कहानी कहता है। महाराष्ट्र, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और गुजरात जैसे राज्य इस क्षेत्र में अग्रणी बनकर उभरे हैं। इन राज्यों में हजारों स्टार्टअप्स सक्रिय हैं, जिनके माध्यम से सिर्फ लाखों भारतीयों को ही नहीं, कई विदेशियों को भी रोजगार मिल रहा है। इसमें अच्छी बात यह भी है कि अब छोटे शहरों और दूरदराज के क्षेत्रों से भी स्टार्टअप्स उभर रहे हैं, जो भारत के आर्थिक विकास को व्यापक और समावेशी बना रहे हैं।

सरकार की विभिन्न योजनाएं इस विकास को मजबूत आधार प्रदान कर रही हैं। फंड ऑफ फंड्स फॉर स्टार्टअप्स (एफएफएस) के तहत 7,000 करोड़ रुपये से अधिक का वितरण किया जा चुका है, जिससे 1,420 से अधिक स्टार्टअप्स में 26,900 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश संभव हुआ है। इस सफलता को देखते हुए 10,000 करोड़ रुपये के कोष के साथ एफएफएस 2.0 की शुरूआत की गई है, जो भविष्य में और अधिक स्टार्टअप्स को सहयोग प्रदान करेगा। क्रेडिट गारंटी स्कीम फॉर स्टार्टअप्स (सीजीएसएस) का विस्तार भी इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। गारंटी कवर को 10 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 20 करोड़ रुपये कर दिया गया है, जिससे स्टार्टअप्स के लिए पूंजी जुटाना आसान हो गया है। 2025-26 तक 1,250 करोड़ रुपये से अधिक के ऋणों की गारंटी दी जा चुकी है, जो इस योजना की प्रभावशीलता को दर्शाता है।

स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम (एसआईएसएफएस) के तहत 219 इनक्यूबेटरों के माध्यम से 3,400 से अधिक स्टार्टअप्स को 605 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता प्रदान की गई है। कहना होगा कि यह योजना उन स्टार्टअप्स के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जो शुरूआती चरण में होते हैं और जिन्हें वित्तीय सहायता की सबसे अधिक आवश्यकता होती है। वहीं, महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी यह क्रांति स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। 1.07 लाख से अधिक स्टार्टअप्स में कम से कम एक महिला निदेशक या भागीदार है, जिसे आंकड़ों के हिसाब से हम कुल स्टार्टअप्स का लगभग 48 प्रतिशत मान सकते हैं। यह संख्या बता रही है कि महिलाओं की बढ़ती भागीदारी अब नेतृत्व की भूमिका में है। यह परिवर्तन सामाजिक और आर्थिक दोनों स्तरों पर महत्वपूर्ण है।

यही कारण भी है जो नवाचार के क्षेत्र में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। स्टार्टअप्स द्वारा दायर पेटेंट आवेदनों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि इसका साक्षात प्रमाण है। वित्त वर्ष 2024-25 में जहां 2,850+ पेटेंट आवेदन दायर किए गए थे, वहीं 2025-26 में यह संख्या बढ़कर 4,480+ हो गई है। कुल मिलाकर 19,400 से अधिक पेटेंट आवेदन दाखिल किए जा चुके हैं, जो यह दशार्ता है कि भारत अब नवाचार के क्षेत्र में भी अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। सरकारी ई-मार्केटप्लेस ने भी स्टार्टअप्स को नई संभावनाएं प्रदान की हैं। 38,600 से अधिक स्टार्टअप्स इस प्लेटफॉर्म से जुड़े हैं, जिससे उन्हें सरकारी खरीद में भाग लेने का अवसर मिला है। 2025-26 में 1,40,260 से अधिक ऑर्डर दिए गए, जिनका कुल मूल्य 19,190 करोड़ रुपये से अधिक रहा। यह सरकारी समर्थन का सशक्त उदाहरण है, जिसने स्टार्टअप्स को बाजार तक पहुंचने में मदद की है।

अब यदि इस पूरे परिदृश्य को व्यापक दृष्टि से देखें, तब यह स्पष्ट हो जाता है कि भारत ने अपनी विशाल जनसंख्या को एक उत्पादक शक्ति में बदलने की दिशा में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। युवाओं की ऊर्जा, सरकार की नीतियां और तकनीकी प्रगति, वस्तुतः इन तीनों के समन्वय ने भारत को आज वैश्विक स्तर पर इस दिशा में एक नई पहचान दिलाई है। आज भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते स्टार्टअप इकोसिस्टम में शामिल होकर वैश्विक नवाचार के मानचित्र पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है।

उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम और अधिक सशक्त होगा, जो देश को आर्थिक, सामाजिक और तकनीकी रूप से नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। एक तरह से देखें तो वर्तमान भारत में ह्लस्टार्टअप क्रांतिह्व न सिर्फ आर्थिक विकास की कहानी है, बल्कि यह आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में मजबूत और निर्णायक कदम है; कहना होगा कि एक ऐसा कदम, जोकि आने वाली पीढ़ियों के लिए नए अवसरों के द्वार खोल रहा है और भारत दिनो-दिन सशक्त हो रहा है, अर्थ के साथ वैश्विक प्रभाव में भी।

वृद्ध हमारे समाज का अनुभव समृद्ध भाग, इनकी देखभाल हमारा कर्तव्य

हृदयनारायण दीक्षित

अमेरिका की समाज व्यवस्था व्यक्तिवादी है। संयुक्त परिवार व्यवस्था नहीं है। अमेरिका में रहने वाले तमाम भारतवासी हमारे परिचित हैं। वे अपने पुत्रों के किस्से सुनाते हुए भावुक हो जाते हैं। आँखें छलछला जाती हैं। ताजा घटना ने मुझे मर्माहत किया है। मेरे एक मित्र के दोनों पुत्र परिवार सहित अमेरिका में कार्यरत हैं। जीवन के अंतिम दिनों में पत्नी के साथ अकेले रह गए। बीमारी के समय न तो संतानें साथ थीं और न उचित देखभाल का सहारा मिला। निधन के उपरांत एक पुत्र और दूसरे की पत्नी औपचारिक रूप से आए। किंतु अंतिम संस्कार तक में वह श्रद्धा परंपरा का भाव नहीं। अस्पताल से सीधे श्मशान ले जाकर बिना विधि-विधान के अंत्येष्टि कर दी गई। घर तक लाना आवश्यक नहीं समझा गया। घटना बदलते पारिवारिक मूल्यों और वृद्धों की उपेक्षा का मार्मिक उदाहरण है।

मृत्यु जीवन का अंत है। वृद्धावस्था जीवन ऊर्जा का अवसान है। क्या मृत्यु दुख देती है या नहीं देती? यह प्रश्न अनुत्तरित है। मृत्यु का अनुभव अज्ञात है लेकिन वृद्धावस्था के कष्ट सर्वविदित हैं। बुद्ध की कथा में भी वृद्ध दर्शन की अनुभूति है। ऋग्वेद में 100 शरद् जीवन की स्तुति है। इस स्तुति में ह्यपश्येम शरदः शतं-100 वर्ष देखने की भी इच्छा है। दीनहीन न होने की भी स्तुति है। वृद्धावस्था में दृष्टि सहित अधिकांश इन्द्रियां काम नहीं करती। बुढ़ापे के कष्टों की ओर वैदिक समाज का ध्यान गहरा है। जीवन अमूल्य है। वृद्ध हमारे समाज का अनुभव समृद्ध भाग हैं। उनके जीवन को कष्टरहित बनाना समाज का कर्तव्य है। वृद्धों की सेवा उनके पुत्रों-पौत्रों का प्रथम वरीयता वाला दायित्व है। यह राष्ट्र राज्य का भी कर्तव्य है। राष्ट्र राज्य सतर्क है। इस पर कानून भी है लेकिन समाज इस महत्वपूर्ण समस्या पर सजग व सतर्क नहीं है।

भारतीय समाज जीवन संयुक्त परिवारों में विकसित हुआ है। ऐसे परिवारों के सुख-दुख साझा रहे हैं। वृद्ध अपने बड़े परिवारों में आनंदित रहते हैं लेकिन अब संयुक्त परिवारों की परंपरा टूट गई है। सब एकाकी रहना चाहते हैं। वृद्ध अकेले हो रहे हैं। वे उपयोगी नहीं माने जाते। वे अशक्त हैं। आधुनिक उपयोगितावाद के कारण वृद्धावस्था के शारीरिक कष्टों में अब मानसिक संताप भी जुड़ गए हैं। ज्यादातर वृद्ध मानसिक अवसाद में हैं। संवेदनाएं कुचालक हो रही हैं।

सभी प्राणी काल के भीतर है। मनुष्य भी। जन्म और शैशव ऊषाकाल है। बचपन संभावनाओं का बीज है। संभावना का बीज फूटता है। जीवन ऊर्जा से भरी-पूरी तरूणाई आती है। तरूणाई भी स्थिर नहीं है। 40-50 शरद् पूर्णिमा आई, गई। जीवन का संध्या काल आया। ऊर्जा घटी, शरीर टूटा। प्राचीन कवि बता गए है-शीर्यते इति शरीरं। जो शीर्ण होता रहता है, वह शरीर है। शरीर सतत क्षरणशील है। 60 वर्ष के आसपास आ जाती है वृद्धावस्था। आयुर्वेद के ग्रंथ शारंगधर संहिता में मनुष्य शरीर के क्षरण का सुंदर उल्लेख है। लिखा है कि प्रत्येक 10 वर्ष बाद भाव ह्रास के लाक्षणिक परिवर्तन आते हैं। जीवन के पहले 10 वर्ष में मनमौजी वाल्यावस्था का ह्रास होता है। फिर अगले 10 वर्ष में वृद्धि का ह्रास होता है। वृद्धि रूक जाती है। फिर अगले 10 वर्ष में कान्ति चेहरे की दीप्ति का ह्रास, फिर आगे के 10 वर्ष में धारणा का ह्रास होता है। 5वें दशक में सौन्दर्य का ह्रास और छठे में दृष्टि का ह्रास बताया गया है। 7वें दशक में ऊर्जाबल का ह्रास, फिर पराक्रम और बुद्धि का ह्रास होता है।

आधुनिक विज्ञान ने इस ह्रास को घटाया है लेकिन प्रकृति के नियम अपना काम करते ही हैं। वृद्ध होना सबकी नियति है। बुढ़ापा अभिशाप नहीं है। वृद्धों के पास संसार के जीवन्त अनुभवों का कोष होता है। अनुभव का कोष महत्वपूर्ण है। वृद्ध के पास दिशा होती है, युवक के पास गति और ऊर्जा। वृद्धों के दिशा दर्शन में ही युवकों की गति उपयोगी है।

माता-पिता भी मार्गदर्शक संरक्षक होते हैं। वे न होते तो हम न होते। ऋग्वेद में पृथ्वी माता है, आकाश पिता है। इस उदाहरण में विराट पृथ्वी और अनंत आकाश की तुलना माता-पिता से की गई है। माता-पिता से हमारे अंतर्सम्बंध एकात्म है। वे जनक है। वे हमारा भविष्य संवारने में जुटे दो देव हैं। वे प्रतिपल प्यार और शुभांशंसा उड़ेलने वाले शक्ति केन्द्र हैं। उनका आदर और सम्मान हमारा कर्तव्य है। ऋषि की इच्छा है कि हम पृथ्वी को मां जैसी और आकाश को पिता जैसी प्रतिष्ठा दें।

ऋग्वेद (10.22.3) में इन्द्र से कहते हैं जैसे पिता अपने पुत्र को संरक्षण देता है आप हमें वैसे ही संरक्षण दें- पिता पुत्रमिव प्रियम यहां पिता का संरक्षण सबसे बड़ा है। ऋषि की कामना है कि इन्द्र भी उसे पिता जैसा संरक्षण दें। हाथ पकड़े रहें, हम गिरे तो वे तत्काल उठा लें। एक अन्य मंत्र में इन्द्र से प्रार्थना है कि आप हमें पिता की तरह बुद्धि दें- प्रमतिपितेव। इन्द्र ज्ञानी हैं। यह समाज की मान्यता है लेकिन पिता द्वारा दी गई बुद्धि की बात ही दूसरी है। ऋषि पिता की बुद्धि को श्रेय जानता है। देव सामाजिक मान्यता हैं। पिता यथार्थ हैं। प्रत्यक्ष संरक्षक व सुखदाता है। सोम से स्तुति है, हमें वैसे ही सुखी रखो, जैसे पिता पुत्र को सुखी रखता है। सुख कई तरह का होता है। प्रिय का मिलन सुख है। प्रकृति की अनुकूलता सुख है। इच्छा का पूरा होना भी सुख है लेकिन ऋषि पिता द्वारा दिए गए सुख से सराबोर है। माता-पिता बचपन में पोषण देते हैं, पढ़ाते हैं-सिखाते हैं। वे स्वयं की चिन्ता नहीं करते अपना भविष्य नहीं देखते। हम सबके सुखद भविष्य का तानाबाना बुनते हैं। हम तरूण होते हैं, पिता वृद्ध होते हैं। हम तरूणाई से और परिपक्व होते हैं, पिता और वृद्ध होते हैं। जब हम तेज रफ्तार जीवन की गतिशीलता में होते हैं, तब माता-पिता उठते ही गिर पड़ते हैं। वे बचपन में हमको गिरने से बचाते थे। ऋषि को स्मृति में ऐसे तमाम प्रसंग हैं। एक ऋषि अग्नि से स्तुति करते हैं, हमें वैसे ही उछालो जैसे हमारे पिता हमको उछालते थे। बचपन में माता-पिता हमको उछालते थे। हम उनकी गोद में गिरते थे। खिलखिलाते-हंसते थे। क्या उन्हें हम उनकी वृद्धावस्था में अपनी गोद में बैठा सकते हैं? अधिकांश वृद्ध माता-पिता जीवन की सांझ में निराश हैं। पुत्र अपने काम में व्यस्त हैं। माता-पिता अकेले हैं। कुछेक को दवा-भोजन मिलता है लेकिन प्रेम नहीं। उन्हें वृद्धावस्था में संरक्षण की जरूरत है। लेकिन कमाऊ पुत्र डांट रहे हैं, वृद्ध व्यथित हैं। सरकारें वृद्धाश्रम बना रही हैं। यह राष्ट्रव्यापी समस्या है। इसका उपचार प्राचीन संस्कृति और वैदिक सभ्यता है। भारत के अपने इतिहास में माता-पिता के आदर व श्रद्धा वाला संस्कारी समाज था। वैसा ही संस्कारी समाज बनाने के लिए माता-पिता का संरक्षण पाना और वृद्धावस्था में उन्हें संरक्षण देना कोई बड़ा काम नहीं है। यह सांस्कृतिक प्रश्न है। सामाजिक प्रश्न है और पारिवारिक आनंद की प्राप्ति का मार्ग भी है।

वैश्विक कनेक्टिविटी की डिजिटल जीवनरेखा की सुरक्षा

गिरिराज अग्रवाल

इंडो-पैसिफिक के विशाल जल के नीचे ऐसा नेटवर्क मौजूद है जो काफी हद तक नजरों से ओझल है, लेकिन आधुनिक दुनिया को संचालित करने में अपरिहार्य है। समुद्र के अंदर बिछे केबल, जिन्हें अक्सर सार्वजनिक विमर्श में नजरअंदाज कर दिया जाता है, वैश्विक कनेक्टिविटी, आर्थिक आदान-प्रदान और रणनीतिक समन्वय के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

समुद्र के अंदर बिछे केबल अंतरराष्ट्रीय इंटरनेट ट्रैफिक का 95 प्रतिशत से अधिक वहन करते हैं, जो सीमा-पार भुगतानों से लेकर क्लाउड और एआई सेवाओं तक हर चीज में मदद करते हैं। नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास में एक आर्थिक अधिकारी कहती हैं, क्योंकि इतने सारे मार्ग इंडो-पैसिफिक के संकरे गलियारे से होकर गुजरते हैं, वहां किसी भी प्रकार की कटौती या समझौता वैश्विक अर्थव्यवस्था को झटके दे सकता है। यही कारण है कि इन केबल की सुरक्षा अग्रिम पंक्ति का रणनीतिक मुद्दा बन गई है।

अमेरिका और जिन अनेक देशों को ये केबल जोड़ते हैं, उनके लिए ये आर्थिक जीवनरेखाएं हैं। एशिया-केंद्रित मार्ग अमेरिकी डिजिटल व्यापार और सेवाओं के निर्यात के एक बड़े हिस्से में मदद करते हैं और एक हालिया अनुमान बताता है कि समुद्र के अंदर बिछे केबल सिस्टम के माध्यम से इस क्षेत्र के साथ कनेक्टिविटी अमेरिकी अर्थव्यवस्था में प्रति वर्ष लगभग 169 अरब डॉलर का योगदान देती है, अधिकारी कहते हैं।

वे एआई और क्लाउड युग की महत्वपूर्ण रीढ़ भी हैं, वह जोड़ती हैं, यह इंगित करते हुए कि प्रमुख अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियां गति, सुरक्षा और मजबूती बढ़ाने के लिए ट्रांस-पैसिफिक और क्षेत्रीय केबल प्रणालियों में निवेश कर रही हैं। रणनीतिक आयाम भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सैन्य दृष्टि से यही फाइबर-ऑप्टिक नेटवर्क अमेरिका के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा, लॉजिस्टिक्स और गठबंधन अभियानों के लिए अपरिहार्य हैं। वह कहती हैं हमें इन्हें भौतिक और तकनीकी खतरों से बचाने की आवश्यकता है क्योंकि ये केबल नेटवर्क इस बात पर वास्तविक प्रभाव डालते हैं कि इंडो-पैसिफिक में शक्ति का प्रयोग कैसे किया जाता है।

इसके जवाब में, अमेरिकी नीति अब तेजी से समुद्र के अंदर बिछी केबल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और यह तय करने पर केंद्रित हो रही है कि इन नेटवर्कों का निर्माण और इनकी सुरक्षा कैसे की जाए। सरकारों और उद्योग के साथ साझेदारी के माध्यम से यह कार्यक्रम सर्वोत्तम प्रथाओं, मार्ग विविधीकरण और तोड़फोड़, निगरानी तथा अविश्वसनीय विक्रेताओं पर अत्यधिक निर्भरता जैसे जोखिमों से सुरक्षा को बढ़ावा देता है। इन प्रयासों को पूरक करते हुए केबल कनेक्टिविटी के लिए क्वाड साझेदारी- जो अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया को जोड़ती है–क्षेत्र में सुरक्षित कनेक्टिविटी का विस्तार करने और नेटवर्क की मजबूती को बढ़ाने का प्रयास करती है। अधिकारी कहते हैं ये प्रयास विश्वसनीय आपूर्तिकर्ताओं का समर्थन करते हैं, उच्च इंफ्रास्ट्रक्चर मानकों को बढ़ावा देते हैं और ऐसे नए केबल मार्गों को प्रोत्साहित करते हैं जो विफलता के एकल बिंदुओं से बचते हैं।

डिजिटल मजबूती के लिए साझेदारी

इस विकसित हो रहे परिदृश्य में भारत एक महत्वपूर्ण साझेदार के रूप में उभर रहा है। लगभग एक अरब इंटरनेट उपयोगकर्ताओं और तेजी से विस्तार कर रहे डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर को रेखांकित करते हुए वह बताती हैं, भारत की डिजिटल खपत प्रति उपयोगकर्ता प्रति माह 36 जीबी के साथ तेजी से बढ़ रही है, जो वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक में से एक है, इसकी भौगोलिक स्थिति इसकी महत्ता को और बढ़ाती है।

इस परिवर्तन में अमेरिकी कंपनियां केंद्रीय भूमिका निभा रही हैं। ह्लअमेरिकी हाइपरस्केलर भारत के डिजिटल इकोसिस्टम के केंद्र में बने हुए हैं,ह्व वह कहती हैं, नए निवेशों की ओर इशारा करते हुए जो लैंडिंग पॉइंट्स के विविधीकरण के माध्यम से भारत और क्षेत्र दोनों की कनेक्टिविटी को नया आकार दे रहे हैं। विशाखापट्टनम और मुंबई जैसे शहरों में हाल की परियोजनाएं भारत के सबसी गेटवे का विस्तार करने, मजबूती बढ़ाने और देश की बढ़ती एआई-स्तर की डेटा और क्लाउड क्षमता की जरूरतों को पूरा करने में मदद करेंगी। अधिकारी कहती हैं, अमेरिका-भारत सहयोग पारदर्शी खरीद, विश्वसनीय आपूर्तिकर्ताओं और सुरक्षित केबल विकास के लिए उच्च मानकों को बढ़ावा देकर क्षेत्रीय मानदंडों को भी आकार दे सकता है।

सतह के नीचे के जोखिम

अपनी महत्वपूर्ण भूमिका के बावजूद, समुद्र के अंदर बिछे केबल कई तरह की कमजोरियों का सामना करते हैं, समुद्र के अंदर बिछे केबल के लिए सबसे आम खतरा आश्चर्यजनक रूप से साधारण हैः आकस्मिक मानवीय गतिविधि, वह कहती हैं, यह बताते हुए कि मछली पकड़ने वाले ट्रॉलर और जहाजों के लंगर हर साल रिपोर्ट होने वाली लगभग 150 केबल कटने की घटनाओं के लिए ज़िम्मेदार होते हैं। भूकंप और समुद्र के नीचे भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाएं इन जोखिमों को और बढ़ा देती हैं। फिर भी, बढ़ती चिंता जानबूझकर किए गए व्यवधान को लेकर है किसी संकट की स्थिति में, शत्रुतापूर्ण लोग संचार और आर्थिक गतिविधि को पंगु बनाने के लिए केबलों को नुकसान पहुंचा सकते हैं, वह कहती हैं। तकनीकी कमजोरियां भी बनी रहती हैं, क्योंकि केबल निगरानी के लिए निशाना बनाए जा सकते हैं, जिससे जासूसी और डेटा अवरोधन को लेकर चिंताएं बढ़ती हैं।

दैनिक पंचांग

20 जनवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मकर में	मकर	06.21 बजे से
चंद्र	मकर में	कुंभ	08.12 बजे से
मंगल	मकर में	मीन	09.44 बजे से
बुध	मकर में	मेष	11.15 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृष	12.55 बजे से
शुक्र	मकर में	मिथुन	14.53 बजे से
शनि	मीन में	कर्क	17.07 बजे से
राहु	कुंभ में	सिंह	19.23 बजे से
केतु	सिंह में	कन्या	21.35 बजे से
		तुला	23.45 बजे से
		वृश्चिक	02.00 ब.से
		धनु	04.16 बजे से

राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक

मंगलवार 2026 वर्ष का 20 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास माघ **पक्ष** शुक्ल
तिथि द्वितीया 02.43 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** श्रवण 13.07 बजे को समाप्त। **योग** सिद्धि(असृक) 20.01 बजे को समाप्त।
करण बालव 14.32 बजे तदनन्तर कौलव 02.43 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 1.2 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 20° 10'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872595
जूलियन दिन 2461060.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रज्जब **तारीख** 30
विशेष चंद्र दर्शन।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

अवैध लॉटरी कारोबार पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, एक आरोपी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले के नगर थाना क्षेत्र में अवैध लॉटरी के कारोबार के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय, पाकुड़ से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 18 अप्रैल 2026 को गुप्त सूचना मिली थी कि गोकुलपुर मोड़ के पास एक चाय दुकान में कुछ लोग अवैध लॉटरी का धंधा चला रहे हैं। सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने छापेमारी दल का गठन कर उक्त स्थल पर दबिश दी। छापेमारी के दौरान वहां मौजूद लोग पुलिस को देख भागने लगे, लेकिन एक व्यक्ति को मौके से पकड़ लिया गया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मो. हसीम उर्फ हसन (पिता- स्व. मो. अब्दुल हसीम, निवासी बड़ी अलीगंज, थाना पाकुड़ नगर, जिला पाकुड़) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के पास से कुल 210 पीस अवैध लॉटरी टिकट बरामद किए हैं। बरामद टिकटों में– नागालैंड स्टेट लॉटरी डियर स्ट्रक (110 पीस) नागालैंड स्टेट लॉटरी डियर नयन (50 पीस) सिक्किम स्टेट लॉटरी डियर रिट (50 पीस) शामिल हैं। इस संबंध में पाकुड़ नगर थाना कांड संख्या-82/2026, दिनांक 18.04.2026 के तहत धारा 318(4)/3(5) बीएनएस एवं 7(3) लॉटरी रेगुलेशन अधिनियम-1998 के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजते हुए आगे की कार्रवाई की जा रही है। छापेमारी टीम में पुअनि सह थाना प्रभारी अनिल कुमार गुप्ता, सअनि अखिलेश राम, तथा सशस्त्र बल के जवान गौतम कुमार और मनोज कुमार दास शामिल थे। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध गतिविधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बरहरवा आरपीएफ ने तीनपहाड़ रेलवे स्टेशन में चोरी के मोबाइल के साथ एक युवक को किया गिरफ्तार

साहिबगंज: रेलवे स्टेशनों में चोरी की घटना के मद्देनजर, आरपीएफ पोस्ट बरहरवा द्वारा लगातार चलाए जा रहे सघन अभियान के क्रम में एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। जहां 18 अप्रैल 2026 को आरपीएफ इंस्पेक्टर बरहरवा संजीव कुमार के नेतृत्व में, सीपीडीएस टीम के एएसआई बबूल दास तथा कांस्टेबल अमन कुमार, नितेश कुमार, शिवम कुमार सिंह एवं आरपीएफ पोस्ट बरहरवा के एएसआई सुरेश पासवान, कांस्टेबल चंदन कुमार राम एवं कांस्टेबल सतीश कुमार की संयुक्त टीम द्वारा तीनपहाड़ रेलवे स्टेशन पर एक युवक को गिरफ्तार किया गया। मिली जानकारी के अनुसार, उक्त टीम शाम के समय स्टेशन परिसर में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान प्लेटफॉर्म संख्या–01 पर एक युवक संदिग्ध अवस्था में घूमता हुआ पाया गया। पूछताछ के दौरान वह संतोषजनक उत्तर नहीं दे सका, जिसके आधार पर उसकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उसके पास से कुल 04 मोबाइल फोन बरामद हुए, जिनमें से एक उसका स्वयं का था, जबकि शेष 03 महंगे मोबाइल फोन चोरी के पाए गए। सभी मोबाइल बिना सिम कार्ड के थे तथा उनके संबंध में वह कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। गिरफ्तार युवक की पहचान आनंद कुमार महतो (उम्र 22 वर्ष), निवासी– साहिबगंज, झारखंड के रूप में हुई है।

सिविल कोर्ट में ई-फाइलिंग शुरू अधिवक्ताओं को दी गई ट्रेनिंग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिला व्यवहार न्यायालय साहिबगंज मे ई-कोर्ट फीलिंग प्रोसेस प्रारंभ हो चुकी है, उक्त बातें मास्टर ट्रेनर अमरेंद्र कुमार मोहंती ने झालसा के निदेर्शानुसार, जिला विधिक सेवा प्राधिकार साहिबगंज के तत्वाधान में रविवार को सुबह 11:00 बजे से सिविल कोर्ट परिसर साहिबगंज के लोक अदालत भवन में अखिल कुमार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश साहिबगंज के मार्गदर्शन में आयोजित ई कोर्ट प्रोग्राम के तहत एक दिवसीय ट्रेनिंग प्रोग्राम को संबोधित करते हुए बोले। वही मास्टर ट्रेनर विकास कुमार ने अधिवक्ता एवं अधिवक्ता लिपिक को ई-कोर्ट ट्रेनिंग प्रोग्राम में ई-फीलिंग से संबंधित जानकारी दिए। आगे उन्होंने कहा कि अधिवक्ता एवं अधिवक्ता लिपिक के द्वारा कोई केस या आवेदन ई-फाइलिंग के माध्यम से किया जाएगा। उन्होंने अधिवक्ता एवं अधिवक्ता लिपिक को अपने अपने मोबाइल में ई-कोर्ट फीलिंग सर्विस को अपलोड करने के लिए बताएं और आगे उन्होंने कहा कि सभी अधिवक्ता को अपना मोबाइल फोन में ई-कोर्ट फाइलिंग ऐप अपलोड कर अपने अपने नाम से रजिस्ट्रेशन करना होगा तब आप अपने नाम से कोई भी दस्तावेज या केस को ई-फाइलिंग के माध्यम से कोर्ट में दाखिल कर सकेंगे। उक्त ट्रेनिंग प्रोग्राम में जिला अधिवक्ता संघ साहिबगंज के सचिव विजय कारण, मास्टर ट्रेनर संजय देव, साहिबगंज के अधिवक्ता उमाशंकर प्रसाद, गौतम प्रसाद सिंह दारा, संजीव कुमार पोद्दार, मुनीलाल मंडल, लालबाबू यादव, सुनील कुमार, किशोरी यादव, ध्रुव सिंह, बालमुकुल पंडित, देवेंद्र सिंह, नवीन निर्माण, शिवकुमार कुशवाहा एवं अधिवक्ता लिपि को प्रफुल्ल चंद्र शाह संजय शाह राजू कुमार यादव रमन कुमार दर्जनों अधिवक्ता एवं अधिवक्ता लिपिक उपस्थित थे।

वज्रपात से युवक की मौत, विधायक हेमलाल मुर्मू के निर्देश पर मिला आर्थिक सहयोग

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले के लिट्टीपाड़ा प्रखंड क्षेत्र के बड़ा सरसा हाट मैदान में शनिवार को वज्रपात की चपेट में आने से एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान ग्राम पतरापाड़ा निवासी कार्तिक मंडल के रूप में हुई है। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर फैल गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक पदाधिकारी सक्रिय हो गए। जानकारी के अनुसार, विधायक हेमलाल मुर्मू को जैसे ही इस हादसे की सूचना मिली, उन्होंने तुरंत शोक व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता देने का निर्देश दिया। विधायक के निर्देश पर झामुमो प्रखंड उपाध्यक्ष रंजन साह ने पीड़ित परिवार से मिलकर उन्हें 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की और हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस दुख की घड़ी में पार्टी और क्षेत्र के लोग पीड़ित परिवार के साथ खड़े हैं। वहीं प्रखंड विकास पदाधिकारी, लिट्टीपाड़ा संजय कुमार भी मौके पर पहुंचे और परिजनों को ढांढस बंधाया। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार की ओर से मिलने वाली सभी सहायता राशि एवं योजनाओं का लाभ पीड़ित परिवार को जल्द उपलब्ध कराया जाएगा। मौके पर ग्रामीण करुण मंडल सहित दर्जनों स्थानीय लोग एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतक की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे प्राकृतिक आपदाओं से बचाव के लिए जागरूकता बढ़ाई जाए तथा पीड़ित परिवार को शीघ्र मुआवजा प्रदान किया जाए, ताकि उन्हें इस कठिन समय में राहत मिल सके।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर की चपेट में आने से बाइक सवार की घटनास्थल पर मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के बरहरवा प्रखंड क्षेत्र के कोटालपोखर थाना क्षेत्र अंतर्गत बड़ा सोनाकर गांव में रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे ने पूरे इलाके को हड़काम मच गया। अवैध बालू ढो रहे एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर की चपेट में आने से एक बाइक सवार व्यक्ति की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान बड़ा सोनाकर निवासी समीम अंसारी (47) के रूप में की गई है। मिली जानकारी के अनुसार समीम अंसारी किसी निजी कार्य से बाइक से जा रहे थे। इसी दौरान हिरणपुर की ओर से बिना नंबर प्लेट के ओवरलोड बालू लेकर आ रहा एक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर उनकी बाइक से टकरा गया और उन्हें कुचल दिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना

की सूचना मिलते ही कोटालपोखर थाना पुलिस तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी गई है। इधर, घटना के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया। बताया जाता है कि समीम अंसारी अपने पीछे पत्नी और एक छोटी बच्ची को छोड़ गए हैं। परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए यह घटना उनके लिए गहरा आघात बनकर सामने आई है। स्थानीय ग्रामीणों ने इस हादसे के लिए अवैध बालू परिवहन को जिम्मेदार ठहराया है। उनका आरोप है कि हिरणपुर क्षेत्र से आने वाले बालू लदे ट्रैक्टर अक्सर तेज रफ्तार और लापरवाही से इस मार्ग से गुजरते हैं, जिससे आए दिन दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। बड़ा सोनाकर आदिवासी टोला से पेट्रोल पंप जाने वाली सड़क को ग्रामीणों ने अत्यंत संवेदनशील और खतरनाक बताया है। घटना के बाद इलाके में आक्रोश का माहौल व्याप्त है। ग्रामीणों ने प्रशासन से अवैध बालू परिवहन पर तत्काल रोक लगाने, दोषी वाहन चालक की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने तथा मृतक के परिजनों को मुआवजा देने की मांग की है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नवपदस्थापित एसपी अनुदीप सिंह ने संभाला कार्यभार, बेहतर कानून-व्यवस्था पर जोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले के नवपदस्थापित पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह ने रविवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय कक्ष में विधिवत रूप से अपना प्रभार ग्रहण किया। प्रभार ग्रहण के दौरान पुलिस विभाग के वरीय अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। कार्यभार संभालने के बाद एसपी अनुदीप सिंह ने जिले की विधि-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने को अपनी पहली प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि आम जनता की सुरक्षा, अपराध नियंत्रण एवं पुलिस-जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना उनकी प्रमुख जिम्मेदारी होगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रभार ग्रहण के उपरांत एसपी ने उपस्थित पुलिस पदाधिकारियों के साथ एक संक्षिप्त बैठक भी की,

जिसमें जिले की वर्तमान कानून-व्यवस्था, लंबित मामलों, अपराध नियंत्रण की रणनीति तथा संवेदनशील क्षेत्रों की समीक्षा की गई। उन्होंने सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में सतर्कता बढ़ाएं, नियमित गश्त सुनिश्चित करें तथा आम लोगों की शिकायतों का त्वरित निष्पादन करें। नए पुलिस अधीक्षक के आगमन से जिले में पुलिस व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने की उम्मीद जताई जा रही है।

झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा-2025 शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न, डीसी ने किया औचक निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंजः झारखंड लोक सेवा आयोग, रांची द्वारा आज आयोजित झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा (सीधी भर्ती) प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षाझ्र2025 के सफल एवं शांतिपूर्ण संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दुबे द्वारा जिला मुख्यालय स्थित विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने परीक्षा केंद्रों पर विधि-व्यवस्था, परीक्षार्थियों की सुविधाओं, प्रश्नपत्र वितरण, कक्ष निरीक्षण व्यवस्था एवं सुरक्षा

व्यवस्था का गहन जायजा लिया। उन्होंने केंद्राधीक्षकों एवं प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए परीक्षा को पूर्ण पारदर्शिता एवं अनुशासन के साथ संपन्न कराने पर बल दिया। ज्ञातव्य है कि उक्त परीक्षा का आयोजन साहिबगंज जिला मुख्यालय स्थित कुल 13 परीक्षा केंद्रों–राजस्थान इंटर स्कूल, पब्लिक हाई स्कूल, ईस्टर्न रेलवे हाई स्कूल, सेंट जेवियर्स स्कूल (अंग्रेजी एवं हिंदी माध्यम), साहिबगंज कॉलेज, सेंट जोसफ एकेडमी, जवाहर नवोदय विद्यालय, संध्या इंटर कॉलेज, मुख्यमंत्री उत्कृष्ट बालिका विद्यालय, राजकीय कन्या मध्य विद्यालय, अपग्रेड नगरपालिका गर्ल्स हाई स्कूल तथा पीएम अपग्रेड मिडिल स्कूल, बड़ापंचगढ़ में किया जा रहा है। परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जा रही है। प्रथम पाली पूर्वाह्न 10:00 बजे से 12:00 बजे तक एवं द्वितीय पाली अपराह्न 3:00 बजे से 5:00 बजे तक संचालित हो रही है। इस परीक्षा में कुल 3653 परीक्षार्थी सम्मिलित हो रहे हैं।परीक्षा के सुचारु एवं व्यवस्थित संचालन हेतु जिला प्रशासन द्वारा व्यापक व्यवस्था की गई है। इसके तहत 16 पर्यवेक्षक-सह-स्टैटिक दंडाधिकारी तथा 06 जोनल-सह-उड़नदस्ता दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है। विधि-व्यवस्था संधारण हेतु अनुमंडल पदाधिकारी, साहिबगंज अमर जॉन आईन्द को प्रभारी पदाधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्त किया गया है। वहीं जिला आपूर्ति पदाधिकारी झुन्नू कुमार मिश्रा को नोडल पदाधिकारी तथा अपर समाहर्ता गौतम कुमार भगत को वरीय प्रभारी पदाधिकारी के रूप में दायित्व सौंपा गया है।

एक नजर

चोरी के मामले में नाबालिक को गिरफ्तार कर पुलिस को सौंपा

साहिबगंज : कोटालपोखर थाना क्षेत्र अंतर्गत रविवार सुबह एक घर में घुसकर चोरी की घटना को अंजाम दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार, कोटालपोखर निवासी श्यामलाल साहा के घर में रविवार सुबह करीब 8:30 बजे दो अज्ञात चोरों ने पीछे का दरवाजा तोड़कर प्रवेश किया। पीड़ित श्यामलाल साहा ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि चोरों ने घर के अंदर रखे बक्से और बैग का ताला तोड़कर 25,000 रुपये नगद और एक गुल्लक लेकर फरार हो गए। चोरी की भनक लगते ही ग्रामीणों और परिजनों ने चोरों का पीछा किया। काफी दूर तक पीछा करने के बाद एक आरोपी को पकड़ लिया गया, जबकि उसका बड़ा भाई मौके से भागने में सफल रहा। पकड़े गए आरोपी की पहचान ईश्वर वैध (उम्र लगभग 12 वर्ष) के रूप में हुई है, जो स्वर्गीय अमित वैध का पुत्र बताया जा रहा है। पूछताछ के दौरान उसने स्वीकार किया कि इस घटना में उसका बड़ा भाई भी शामिल था, जो चोरी के माल के साथ फरार हो गया है। घटना की लिखित सूचना कोटलपोखर थाना प्रभारी को दे दी गई है। पीड़ित ने पुलिस से जल्द से जल्द कानूनी कार्रवाई करने और फरार आरोपी की गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस मामले कि छानबीन कर रही है।

गंगा में नहाने के दौरान डूबा युवक लापता

साहिबगंज: शहर के पुरानी साहिबगंज, ओझा टोली के निकट गंगा घाट पर स्नान करने गया एक युवक डूब कर लापता हो गया। मिली जानकारी के अनुसार बिहार, बांका के रजौन थाना क्षेत्र अंतर्गत खजूर कर्मा निवासी निशांत कुमार(19) अपने चचेरा भाई पीयूष कुमार व एक रिश्तेदार युवक के साथ गंगा स्नान कर रहे थे। इसी दौरान पीयूष और निशांत डूबे लगा। गंगा घाट किनारे खड़े एक टोटो चालक ने हल्ला किया तो पास ही स्नान कर रहा व्यक्ति ने पीयूष को बाहर खींच लिया। लेकिन तब तक निशांत गंगा के गहरे पानी में लापता हो गया। घटना की जानकारी रिवर थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस ने गंगा घाट पहुंच कर खोजबीन और जांच-पड़ताल शुरू कर दी। गंगा में लापता युवक जिरवाबाड़ी अपने बहनोई के घर आया हुआ था।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर हुआ पूजन, निकाली गई शोभा यात्रा

साहिबगंज: शहर के मारवाड़ी ब्राह्मण छोटी धर्मशाला में रविवार को अक्षय तृतीया व भगवान परशुराम जन्मोत्सव के पावन अवसर पर श्री परशुराम अखाड़ा और मारवाड़ी ब्राह्मण पंचायत समिति के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया था। धर्मशाला परिसर में भगवान परशुराम का पूजन पुरोहित ने वैदिक मंत्रोचारण के साथ करके ध्वजारोहण किया। उसके बाद शहर में शोभा यात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा चौक बाजार, पटेल चौक, स्टेशन चौक, कॉलेज रोड होते हुए पूर्वी फाटक होते हुए आरएपी सेंटर पहुंचकर सम्पन्न हुई। शोभा यात्रा में श्रद्धालु भगवान परशुराम का पारंपरिक हथियार फरसा तलवार लेकर महिला पुरुष शामिल हुए। वही भगवान परशुराम का वेश धरे युवक आकर्षक का केंद्र रहा। एनआरपी सेंटर में सामाजिक गोष्ठी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया ओर प्रसाद वितरण व सामूहिक भोजन किया गया। वही गोष्ठी में कहा कि भगवान परशुराम, विष्णु के छठे अवतार, महर्षि जमदग्नि और माता रेणुका के पुत्र थे। त्रेता युग में जन्मे वे शिवभक्त, शस्त्र विद्या के ज्ञानी और कलियुग के अंत तक जीवित रहने वाले अष्टचिरंजीवी में से एक हैं।

संक्षिप्त खबरें

शांतिपूर्ण एवं कदाचार- मुक्त माहौल में झारखण्ड संयुक्त असैनिक सेवा प्रारंभिक परीक्षा संपन्न

पाकुड़ : जिले में रविवार को झारखंड संयुक्त असैनिक सेवा प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा 2025 का आयोजन पूर्ण पारदर्शिता, कड़ी निगरानी एवं शांतिपूर्ण वातावरण में किया जा रहा है। जिले के कुल 15 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जा रही है। परीक्षा के सफल एवं निष्पक्ष संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस क्रम में उन्होंने डॉन पब्लिक स्कूल, के.के.एम. कॉलेज एवं पाकुड़ राज +2 विद्यालय परीक्षा केंद्रों का भ्रमण किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने केंद्राधीक्षकों, दंडाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की नकलबाजी, अनुचित साधनों या इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के उपयोग पर पूर्णतः प्रतिबंध सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। परीक्षार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी परीक्षा केंद्रों पर पेयजल, स्वच्छ शौचालय, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, पर्याप्त बेंच-डेस्क सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। इसके अतिरिक्त, परीक्षा की पारदर्शिता बनाए रखने हेतु सभी केंद्रों पर वीडियोग्राफी भी कराई जा रही है।

परशुराम जयंती पर निकली भव्य शोभायात्रा धर्मशाला निर्माण का हुआ भूमिपूजन

पाकुड़: जिले में परशुराम जयंती के अवसर पर ब्राह्मण महासभा पाकुड़ के तत्वावधान में नित्य काली मंदिर से स्वस्तिवाचन के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा शहर के विभिन्न मार्गों—श्मशान काली मंदिर, मदपाड़ा एवं बिरसा चौक होते हुए पुनः नित्य काली मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई। इसके पश्चात रानी ज्योतिमोई ब्राह्मण धर्मशाला के निमार्णाधीन स्थल पर विधिवत पूजा-अर्चना एवं भूमिपूजन किया गया। साथ ही ब्राह्मण भोज का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में समाज के लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ब्राह्मण महासभा के जिला अध्यक्ष भागीरथ तिवारी ने कहा कि भगवान परशुराम का जन्मोत्सव समाज के कल्याण और धर्म की स्थापना का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि ब्राह्मण समाज सदैव सर्वजन हिताय और विश्व कल्याण की भावना से कार्य करता है। मौके पर सचिव विभाष मिश्रा, संजय कुमार शुक्ला, कैलाश झा, मनीष राज चौबे, डॉली पांडे, प्राची चौधरी समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

तकनीकी पदाधिकारी की अनुपस्थिति पर रुका बासलोई हाईलेवल पुल निर्माण कार्य

अमड़ापाड़ा : जिले के अमड़ापाड़ा प्रखण्ड स्तिथ बासलोई नदी पर निमार्णाधीन हाईलेवल पुल के कार्य को रविवार को उस समय स्थानीय लोगों ने कुछ देर के लिए रोक दिया, जब पिलर कास्टिंग के दौरान कोई तकनीकी पदाधिकारी मौके पर मौजूद नहीं थे। ग्रामीणों ने आशंका जताई कि बिना निगरानी के कार्य की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। सूचना मिलने पर संबंधित जेई सुजय कुमार मौके पर पहुंचे और निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि कार्य विभागीय मॉनिटरिंग में और निर्धारित मापदंडों के अनुरूप कराया जा रहा है। साथ ही कार्य एजेंसी को गुणवत्ता में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए गए। गौरतलब है कि लगभग 8.33 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे इस पुल का निर्माण पथ निर्माण विभाग के अधीन किया जा रहा है। पुल की लंबाई करीब 150 मीटर और चौड़ाई 16 मीटर होगी, जिसमें कुल पांच पिलर बनाए जा रहे हैं। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि निर्माण कार्य गुणवत्ता मानकों के अनुसार ही पूरा किया जाएगा।

बाल विवाहों की रोकथाम के लिए जिला प्रशासन एवं मंथन के साथ मनाया सतर्कता दिवस

साहिबगंज: जिले में बाल अधिकारों की सुरक्षा व बाल विवाहों की रोकथाम के लिए काम कर रहे जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पूनम कुमारी, चाइल्ड हेल्पलाइन एवं मंथन संगठन ने अक्षय तृतीया के अवसर पर बाल विवाहों की रोकथाम के लिए सतर्कता दिवस मनाया। इसमें बाल विवाह निषेध अधिकारी व आशा यूनिटों ने भी सहयोग दिया और जिले में बाल विवाह की रोकथाम का संकल्प दोहराया। मंथन एवं जिला प्रशासन, पंचायतों, स्कूलों और धर्मगुरुओं के साथ मिलकर जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए स्कूलों, पंचायतों और गांवों के विभिन्न इलाकों में बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता अभियान चला रहा है और जिले में हजारों लोगों को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई है। संगठन और जिला प्रशासन खास तौर से बाल विवाह के लिहाज से संवेदनशील अक्षय तृतीया जैसे मौकों पर प्रशासन व सरकार के सहयोग से इसकी रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाता रहा है। मंथन देश में बाल अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए 250 से भी अधिक नागरिक समाज संगठनों के देश के सबसे बड़े नेटवर्क जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन का सहयोगी संगठन है। जिले में अब तक बाल विवाह के खिलाफ अभियान की सफलता पर संतोष जाहिर करते हुए मंथन के निदेशक विप्लव महतो ने कहा कि अक्षय तृतीया के शुभ दिन की आड़ में बाल विवाह जैसे अपराध को कतई स्वीकार नहीं किया जा सकता। प्रशासन व नागरिक समाज संगठनों की सतर्कता से अब अक्षय तृतीया के दिन होने वाले बाल विवाहों की संख्या में खासी कमी आई है लेकिन हमें इसे पूरी तरह रोकने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि चंद वर्षों पहले तक लोगों को यह भी नहीं पता था कि नाबालिग बच्चों की शादी बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम (पीसीएमए), 2006 के तहत दंडनीय अपराध है। इसमें किसी भी रूप में शामिल होने या सेवाएं देने पर दो साल की सजा व जुमार्ना या दोनों हो सकता है। इसमें बाराती और लड़की के पक्ष के लोगों के अलावा कैटरर, साज-सज्जा करने वाले डेकोरेटर, हलवाई, माली, बैंड बाजा वाले, मैरेज हाल के मालिक और यहां तक कि विवाह संपन्न कराने वाले पंडित और मौलवी को भी अपराध में संलिप्त माना जाएगा और उन्हें सजा व जुमार्ना हो सकता है। लेकिन जमीन पर हमारे गहन जागरूकता अभियानों से जागरूकता बढ़ी है और हालात बदले हैं। अब लोग बाल विवाहों की सूचना दे रहे हैं और प्रशासन तुरंत इसकी रोकथाम के लिए कार्रवाई कर रहा है। यह एक उल्लेखनीय बदलाव है और हमें विश्वास है कि हम 2030 से पहले ही जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने के लक्ष्य को हासिल कर लेंगे।

सट्टेबाजी से प्रभावित तेल-तिलहन बाजार, अधिकांश कीमतें गिरीं

- सोयाबीन तिलहन को छोड़ अधिकतर तेल-तिलहन के दाम लुढ़के, सरसों में सट्टेबाजों की सक्रियता

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में सटोरियों की बढ़ती सक्रियता और कमजोर कारोबारी धारणा के चलते अधिकांश तेल-तिलहनों के भावों में गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, महाराष्ट्र में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से अधिक पर बेची गई सोयाबीन तिलहन में सुधार आया। बाजार सूत्रों के अनुसार, बीते सप्ताह सरसों एवं मूंगफली तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल कीमतों में गिरावट रही। वैश्विक स्तर पर सोयाबीन डीगम तेल के दाम 1,360-65 डॉलर प्रति टन से घटकर 1,310-15 डॉलर प्रति टन रह जाने से सोयाबीन तेल भी सस्ता हुआ। सटोरिए व्यक्तिगत स्तर पर सरसों की आवक का मनमाना और बढ़ा-चढ़ाकर अनुमान जता रहे हैं, जिससे कारोबारी धारणा प्रभावित हो रही है और कीमतें गिरी हैं। यह सस्ते में खरीद करने की रणनीति का हिस्सा है। इस स्थिति से निपटने के लिए बाजार सूत्रों ने सरकार को सलाह दी है कि वह अभी सस्ते में उपलब्ध सरसों की खरीद कर रणनीतिक स्टॉक बनाए। यह स्टॉक सटोरियों की मनमानी और भविष्य की उठा-पटक से बाजार को बचाने में सहायक होगा, जिससे सरकार बाजार हस्तक्षेप कर स्थिति को संभाल सकेगी। ऊंचे दाम पर कामकाज कमजोर रहने के कारण मूंगफली तेल-तिलहन में भी गिरावट दर्ज हुई। इसके अलावा कारोबारी धारणा प्रभावित होने से पाम-पामोलीन और बिनौला तेल में भी नरमी बनी रही। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 75 रुपये की गिरावट के साथ 6,825-6,850 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 350 रुपये की गिरावट के साथ 14,150 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमश- 45-45 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश- 2,370-2,470 रुपये और 2,370-2,515 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमश- 25-25 रुपये के सुधार के साथ क्रमश- 5,825-5,875 रुपये और 5,475-5,550 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दूसरी ओर, दिल्ली में सोयाबीन तेल 675 रुपये की गिरावट के साथ 15,725 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 525 रुपये की गिरावट के साथ 15,425 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 800 रुपये की गिरावट के साथ 12,500 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली तिलहन का दाम 150 रुपये की गिरावट के साथ 6,900-7,375 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 500 रुपये की गिरावट के साथ 16,500 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 75 रुपये की गिरावट के साथ 2,610-2,910 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 400 रुपये की गिरावट के साथ 12,950 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 300 रुपये टूटकर 15,100 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 350 रुपये की गिरावट के साथ 13,850 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। गिरावट के आम रुख के अनुरूप, बिनौला तेल का दाम 200 रुपये के नुकसान के साथ 14,900 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

भारी वाहनों के लिए डीजल इंजन ज्यादा उपयुक्त- एक्सपर्ट

नई दिल्ली ।

नई कार खरीदते समय अक्सर दिमाग में आता है कि पेट्रोल इंजन वाली गाड़ी खरीदें या डीजल इंजन वाली? व्हीकल एक्सपर्ट की माने तो पेट्रोल इंजन आमतौर पर हाई आरपीएम पर ज्यादा पावर जनरेट करते हैं, जिससे गाड़ी तेजी से स्पीड पकड़ती है और उसका एक्सेलरेशन बेहतर होता है। यह शहर की ड्राइविंग और स्पोर्टी अनुभव के लिए आदर्श है। वहीं, डीजल इंजन लो आरपीएम पर भारी टॉर्क पैदा करते हैं, जो भारी लोड खींचने, पहाड़ियों पर चढ़ने या हाईवे पर ओवरटेकिंग के लिए मजबूत पकड़ प्रदान करता है।

10 साल में अक्षय तृतीया पर सोना 400 फीसदी और चांदी 2.06 लाख रुपए हुई महंगी

- 2025 में अक्षय तृतीया पर सोने का भाव 95500 रुपये प्रति 10 ग्राम था, अब 151000 रुपए

नई दिल्ली ।

अक्षय तृतीया का त्योहार 19 अप्रैल को है। 10 साल पहले 2016 में अक्षय तृतीया के पर 10 ग्राम सोने की कीमत 30,100 रुपये थी। इंडियन बुलियंस ज्वैलर्स एसोसिएशन की रिपोर्ट के अनुसार शुक्रवार को 24 कैरेट सोने का भाव 151358 रुपये प्रति 10 ग्राम बना हुआ है। यानी अगर किसी निवेशक ने 2026 में अक्षय तृतीया के समय पर 10,000 रुपये का निवेश किया होगा उसका इनवेस्टमेंट बढ़कर 45000 रुपये हो गया होगा। निवेशकों का तगड़ा फायदा हुआ है। बता दें कि 10 साल में सोने का भाव 400 प्रतिशत बढ़ा है। वहीं 2016 में अक्षय तृतीया के त्योहार के समय पर 1 किलो चांदी का रेट 41200 रुपये था। जो कि शुक्रवार 17 अप्रैल की शाम को 247930 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गया। यानी 10 साल में चांदी की कीमतों में 2,06,730 रुपये बढ़ोतरी देखने को मिली है।पिछले एक साल में 50 फीसदी बढ़ा सोने का का भाव- 2025 में अक्षय तृतीया के समय पर सोने का भाव 95500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर था। अब 151000 रुपये के लेवल पर पहुंच गया है। यानी बीते साल अक्षय तृतीया की तुलना में इस बार सोना 50 फीसदी से अधिक बढ़ चुका है। इंडियन बुलियंस ज्वैलर्स एसोसिएशन की रिपोर्ट के अनुसार 24 कैरेट सोने का भाव शुक्रवार 17 अप्रैल की शाम को 151358 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गया है। वहीं 23 कैरेट सोने का भाव 150752 रुपये प्रति 10 ग्राम, 22 कैरेट सोने का भाव 138644 रुपये, 18 कैरेट सोने का भाव 113519 रुपये और 14 कैरेट सोने का भाव 88544 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है। इससे पहले 16 अप्रैल को सोने का भाव 153305 रुपये प्रति 10 ग्राम था। यानी महज दो दिन में सोने का भाव में करीब 2000 रुपये की गिरावट देखने को मिली है। बता दें कि अप्रैल के महीने में गोल्ड का रेट लगभग स्थिर ही बना हुआ है। इसी साल एक समय पर सोने का भाव 175000 रुपये को पार कर गया था। लेकिन वहां से सोने का भाव में भारी गिरावट देखने को मिली। इसके पीछे की वजह डॉलर का मजबूत होना माना जा रहा है।

सिक्किम की टेमी चाय फर्स्ट फ्लश 27,000 रुपए किलो बिकी

गंगटोक ।

सिक्किम के सरकारी स्वामित्व वाले टेमी टी एस्टेट की 'फर्स्ट फ्लश' ऑर्गेनिक चाय ने चालू सत्र में 27,000 रुपये प्रति किलोग्राम की रिकॉर्ड कीमत हासिल कर चाय उद्योग में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह जानकारी एक आधिकारिक बयान में दी गई। अपनी कोमल सुगंध और उत्कृष्ट गुणवत्ता के लिए प्रसिद्ध यह चाय घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में मजबूत मांग बनाए हुए है। शुरुआती खेपों की खुली बोली में खरीदारों से अत्यधिक सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है, जिससे बाद की खेपों के लिए भी उत्साह बना हुआ है। बयान में इस रिकॉर्ड कीमत का श्रेय सावधानीपूर्वक अपनाई जाने वाली तुड़ाई प्रक्रिया को दिया गया है, जिसमें केवल एक कली और दो पत्तियां ही चुनी जाती हैं। फिलहाल, बागान में ताजी पत्तियों की तुड़ाई और ऑर्थोडॉक्स ब्लैक टी व ऊलॉन्ग टी जैसी प्रीमियम किस्मों का उत्पादन जारी है।

टोयोटा की चुनिंदा कारों पर जबरदस्त डिस्काउंट ऑफर

नई दिल्ली ।

वित्तीय वर्ष 2025-26 की शानदार शुरुआत करते हुए टोयोटा ने अपनी चुनिंदा कारों पर जबरदस्त डिस्काउंट ऑफर किया है। छूट के साथ उपलब्ध गाड़ियों की लिस्ट में शामिल टोयोटा अर्बन क्रूज़र हाईराइडर पर ग्राहक रुपए 1.10 लाख तक की बचत कर सकते हैं। हाईराइडर का एक्सटीरियर बोल्ड और प्रीमियम है। इसमें आक्रामक स्प्लिट हेडलैंप्स, क्रोम ग्रिल और एलईडी डीआरएल इसे एक आकर्षक लुक देते हैं। यह हाइब्रिड एसयूवी अपनी 27.97 किमी प्रति लीटर तक की एआरएआई क्लेम्ड माइलेज, उन्नत सुरक्षा सुविधाओं और प्रीमियम कम्फर्ट के लिए जानी जाती है। साइड प्रोफाइल में रूफ रेल्स और 17 इंच के मशीन्ड अलॉय व्हील्स इसकी एसयूवी पहचान को मजबूत करते हैं। 210 मिमी का ग्राउंड क्लियरेंस इसे शहरी और हाईवे दोनों तरह की सड़कों के लिए उपयुक्त बनाता है। केबिन के अंदर डुअल-टोन डैशबोर्ड, 9 इंच की फ्लोटिंग टचस्क्रीन, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और पैनोरमिक सनरूफ प्रीमियम फील देते हैं। वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, पावर्ड ड्राइवर सीट और एंबिएंट लाइटिंग लंबी यात्राओं को आरामदायक बनाती हैं। पीछे की सीटें रिक्लाइनिंग हैं, जिससे यात्रियों को पर्याप्त जगह मिलती है, हालाँकि सनरूफ के कारण हेडरूम थोड़ा प्रभावित हो सकता है। 373 लीटर का बूट स्पेस भी पर्याप्त है। फीचर्स के मामले में हाईराइडर में वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो/एपल कारप्ले, 360 डिग्री कैमरा, वायरलेस चार्जर और कनेक्टेड कार टेक जैसे आधुनिक उपकरण हैं।

वैश्विक कारकों के साथ कंपनियों के तिमाही परिणामों से मिलेगी शेयर बाजार को दिशा

अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली प्रगति पर निवेशकों की पैनी नजर रहेगी

मुंबई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह दर्ज की गई तेजी के बाद आने वाला सप्ताह निवेशकों के लिए चुनौतियों और अवसरों से भरा रहने वाला है। वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाक्रमों और कंपनियों के चौथी तिमाही के वित्तीय परिणामों पर बाजार की गहरी नजर रहेगी, जो अगले कुछ दिनों में बाजार की चाल तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। भू-राजनीतिक मोर्चे पर, पश्चिम एशिया में चल रही शांति वार्ता में अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली प्रगति पर निवेशकों की पैनी नजर रहेगी। इस क्षेत्र में कोई भी सकारात्मक घटनाक्रम वैश्विक बाजारों के लिए शुभ संकेत हो सकता है। इसके साथ ही कच्चे तेल की कीमतों में स्थिरता या गिरावट इक्विटी बाजार को मजबूती प्रदान कर सकती है और व्यापक आर्थिक परिदृश्य को भी सहारा दे सकती है। घरेलू मोर्चे पर मार्च महीने के लिए आठ प्रमुख उद्योग क्षेत्रों के प्रदर्शन के आंकड़े भी इसी सप्ताह जारी किए जाएंगे, जो अर्थव्यवस्था की मौजूदा स्थिति का महत्वपूर्ण सूचक होंगे। हालांकि, निवेशकों का सबसे अधिक ध्यान कंपनियों के चौथी तिमाही के परिणामों पर केंद्रित रहेगा। यह अर्निंग सीजन बाजार में शेयरों की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। आगामी सप्ताह में एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इंफोसिस, टेक महिंद्रा, ट्रेंट, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक्सिस बैंक, हेवेल्स, इंडसइंड बैंक, एमएंडएम फाइनेंस और श्रीराम फाइनेंस जैसी दिग्गज कंपनियां अपने वित्तीय नतीजे घोषित करने वाली हैं। सोमवार को बाजार के भागीदार पिछले सप्ताह जारी हुए एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक जैसे बड़े बैंकिंग दिग्गजों के परिणामों पर भी अपनी प्रतिक्रिया देंगे। बाजार विश्लेषकों का मानना है कि चौथी तिमाही का आय सीजन प्रमुख आकर्षण होगा, जो सभी क्षेत्रों में शेयरों की चाल तय करेगा। कंपनियों के प्रबंधन की टिप्पणियां और कमाई में अप्रत्याशित नतीजे खासकर बड़ी कंपनियों की तरफ से इंडेक्स की दिशा निर्धारित करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। कुल मिलाकर बाजार का माहौल बेहतर हुआ है

लेकिन इस तेजी का बने रहना इस बात पर निर्भर करेगा कि आगे भी खरीदारी जारी रहती है या नहीं और बाहरी हालात कितने स्थिर रहते हैं। कोई भी प्रतिकूल भू-राजनीतिक घटनाक्रम या कच्चे तेल की कीमतों में अचानक आई तेजी बाजार में फिर से उतार-चढ़ाव ला सकती है।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों का मार्केट कैप 4.13 लाख करोड़ बढ़ा

एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक को सर्वाधिक लाभ, रिलायंस और इन्फोसिस को नुकसान

मुंबई । पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में जोरदार उछाल देखने को मिला, जिसका सीधा फायदा सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों को मिला। इस दौरान आठ प्रमुख कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 4,13,003.23 करोड़ रुपये की प्रभावशाली बढ़ोतरी दर्ज की गई। बाजार में इस सकारात्मक रुझान के चलते बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 5.77 प्रतिशत और एनएसई निफ्टी 5.88 प्रतिशत के मजबूत लाभ में रहा। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार अमेरिका-ईरान के बीच अस्थायी युद्धविराम की खबरों ने निवेशकों की धारणा को मजबूत किया, जिससे शेयर बाजार में चौतरफा खरीदारी देखने को मिली। इस तेजी में निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक को सर्वाधिक लाभ हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में जिन कंपनियों के बाजार मूल्यांकन में बढ़ोतरी हुई, उनमें एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), आईसीआईसीआई बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो और हिंदुस्तान यूनिलीवर शामिल हैं। इसके विपरीत, दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की इन्फोसिस की बाजार हैसियत में मामूली गिरावट आई। आंकड़ों के मुताबिक, एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण सर्वाधिक 91,282.67 करोड़ रुपये बढ़कर 12,47,478.57 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन भी 76,036.36 करोड़ रुपये बढ़कर 9,46,741.85 करोड़ रुपये हो गया। इनके अलावा, बजाज फाइनेंस ने 60,980.35 करोड़ रुपये, लार्सन एंड टुब्रो ने 47,624.97 करोड़ रुपये और भारती एयरटेल ने 45,873.43 करोड़ रुपये का इजाफा दर्ज किया। एसबीआई का मार्केट कैप 43,614.67 करोड़ रुपये बढ़ा। इस सकारात्मक रुझान के विपरीत इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 3,285.03 करोड़ रुपये घटकर 5,24,124.40 करोड़ रुपये रह गया, जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज की बाजार हैसियत 947.28 करोड़ रुपये घटकर 18,27,086.79 करोड़ रुपये पर आ गई। बाजार पूंजीकरण के मामले में, रिलायंस इंडस्ट्रीज अभी भी 18.27 लाख करोड़ रुपये से अधिक के साथ देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है। उसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, एसबीआई और आईसीआईसीआई बैंक का स्थान रहा।

पश्चिम एशिया संकट का असर, मार्च में भारत की एलपीजी खपत 13 फीसदी गिरी

- सरकार ने व्यावसायिक आपूर्ति में कटौती कर घरेलू उत्पादन बढ़ाया

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से जुड़ी आपूर्ति दिक्कतों के कारण भारत में तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की खपत में मार्च में 13 प्रतिशत की बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, यह खपत 23.79 लाख टन रही, जिससे घरों की रसोई और वाणिज्यिक ग्राहकों दोनों के लिए उपलब्धता पर सीधा असर पड़ा। पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) के आंकड़ों के मुताबिक, यह आंकड़ा मार्च 2023 के 27.29 लाख टन से 12.8 प्रतिशत कम है। भारत अपनी 60 प्रतिशत एलपीजी आयात पर निर्भर है, जिसका बड़ा हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से आता है। ईरान-इजराइल तनाव के कारण जलडमरूमध्य के बंद होने और खाड़ी देशों से आपूर्ति बाधित होने से यह संकट गहराया, जिसके चलते सरकार ने घरेलू उपलब्धता बनाए रखने हेतु होटल और उद्योगों की एलपीजी आपूर्ति में कटौती की। मार्च में घरेलू सिलेंडरों की आपूर्ति 8.1 प्रतिशत घटी, जबकि गैर-घरेलू उपयोगकर्ताओं को 48 प्रतिशत और थोक बिक्री में 75.5 प्रतिशत की भारी कमी आई। इस कमी को दूर करने के लिए, सरकार ने रिफाइनरियों को पेट्रोरसायन उत्पादन से हटकर एलपीजी उत्पादन बढ़ाने का निर्देश दिया, जिससे मार्च में घरेलू एलपीजी उत्पादन 11 लाख टन से बढ़कर 14 लाख टन हो गया।

वैश्विक संकट के बावजूद एलपीजी आपूर्ति सुदृढ़, प्रवासी मजदूरों को मिली राहत

5 किलो वाले छोटे सिलेंडरों की बिक्री 17 लाख पार, वाणिज्यिक और घरेलू गैस की उपलब्धता सुनिश्चित

नई दिल्ली । सरकार ने कहा कि पश्चिमएशिया में बदलती परिस्थितियों और वैश्विक चुनौतियों के बावजूद देश में एलपीजी आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह मजबूत बनी हुई है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, खासकर प्रवासी मजदूरों की सुविधा के लिए उपलब्ध कराए गए 5 किलो वाले छोटे एफटीएल (फ्री ट्रेड एलपीजी) सिलेंडरों की बिक्री 23 मार्च से अब तक 17.25 लाख से अधिक हो चुकी है। सरकार घरेलू, वाणिज्यिक और ऑटो एलपीजी की सुचारु आपूर्ति के साथ-साथ पीएनजी विस्तार पर भी जोर दे रही है। मंत्रालय ने बताया कि 3 अप्रैल से सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने 6,450 से अधिक जागरूकता कैंप लगाए हैं, जिनके माध्यम से 90,000 से ज्यादा छोटे सिलेंडर बेचे गए। राज्य सरकारें ओएमसी की मदद से इन्हें प्रवासी मजदूरों तक पहुंचा रही हैं। कमर्शियल एलपीजी की कुल आपूर्ति को संकट-पूर्व स्तर के लगभग 70 प्रतिशत तक बढ़ा दिया गया है। 8,216 मीट्रिक टन कमर्शियल एलपीजी की बिक्री हुई, और 14 मार्च से अब तक कुल 1.58 लाख मीट्रिक टन से अधिक वाणिज्यिक एलपीजी बेची जा चुकी है, जिसमें 9,200 मीट्रिक टन से अधिक ऑटो एलपीजी भी शामिल है। ऑटो एलपीजी की मांग में पीएसयू कंपनियों की ओर झुकाव बढ़ा है, जिससे कर्नाटक, तमिलनाडु और राजस्थान जैसे राज्यों में उनकी बिक्री में 70 फीसदी तक की वृद्धि हुई है। पीएनजी विस्तार से जुड़े सुधारों के कारण 22 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को अतिरिक्त वाणिज्यिक एलपीजी भी आवंटित की गई है। मंत्रालय के अनुसार, मार्च से अब तक 4.76 लाख से अधिक पीएनजी कनेक्शन सक्रिय किए गए हैं और 5.33 लाख से ज्यादा नए ग्राहकों ने पंजीकरण कराया है। पीएनजी की बढ़ती लोकप्रियता के चलते 17 अप्रैल तक 37,500 से अधिक उपभोक्ताओं ने अपने एलपीजी कनेक्शन सरेंडर कर दिए हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि वैश्विक हालात के बावजूद घरेलू उपभोक्ताओं की जरूरतों को प्राथमिकता दी गई है और किसी भी एलपीजी वितरक के पास गैस खत्म होने की स्थिति नहीं आई है। ऑनलाइन एलपीजी बुकिंग लगभग 98 प्रतिशत तक पहुंच गई है, और डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) प्रणाली के माध्यम से 93 प्रतिशत से अधिक डिलीवरी सुनिश्चित की जा रही है। 17 अप्रैल को ही देशभर में 52 लाख से अधिक घरेलू एलपीजी सिलेंडर वितरित किए गए, जो मजबूत आपूर्ति श्रृंखला का प्रमाण है।

टीवीएस सप्लाई चेन और जेटीई ने सुलझाया कर्ज विवाद

समझौते के बाद एनसीएलएटी में दायर दिवाला अपील वापस ली गई

नई दिल्ली ।

टीवीएस सप्लाई चेन सॉल्यूशंस और जेडटीई टेलीकॉम इंडिया के बीच चल रहा कर्ज विवाद अब सुलझ गया है। आपसी समझौते के बाद, टीवीएस सप्लाई चेन ने राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) से अपनी दिवाला अपील वापस ले ली है। यह अपील चंडीगढ़ पीठ द्वारा जेडटीई के खिलाफ उसकी दिवाला याचिका खारिज किए जाने के आदेश के विरुद्ध थी। इस सप्ताह की शुरुआत में, टीवीएस सप्लाई चेन के वकील ने एनसीएलएटी को समझौते की जानकारी देते हुए अपील वापस लेने का अनुरोध किया। एनसीएलएटी के चेयरपर्सन अशोक भूषण और सदस्य (तकनीकी) बरुण मित्रा की दो सदस्यीय पीठ ने कंपनी को अपील वापस लेने की अनुमति दे दी, यह कहते हुए कि मामला पक्षों के बीच सुलझ गया है। पिछले साल अक्टूबर में, राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण की चंडीगढ़ पीठ ने टीवीएस सप्लाई चेन की दिवाला अर्जी को खारिज कर दिया था। एनसीएलएटी ने अपने आदेश में कहा था कि टीवीएस सप्लाई चेन का 4.27 करोड़ रुपये का कर्ज दावा विवादित था और 2017 से उस पर सुलह-सफाई चल रही थी। टीवीएस सप्लाई चेन सॉल्यूशंस (पूर्व में टीवीएस लॉजिस्टिक्स सर्विसेज) ने जून 2012 से फरवरी 2019 के बीच की सेवाओं के लिए जेडटीई से बकाया राशि की वसूली हेतु एनसीएलटी का रुख किया था।

जेडटीई ने इन बिलों में कथित गड़बड़ियों का दावा किया था, जिसके बाद यह विवाद उत्पन्न हुआ था।

अक्षय तृतीया पर परंपरा संग तकनीक का नया मेल, डिजिटल गोल्ड से और भी शुभ हुई खरीदारी

- डिजिटल गोल्ड और गोल्ड ईटीएफ जैसे नए विकल्पों ने इस पारंपरिक खरीदारी को एक नया आयाम दिया

नई दिल्ली । विशेषज्ञों के अनुसार, डिजिटल गोल्ड और ईटीएफ जैसे विकल्प इस शुभ अवसर पर सोने की खरीदारी को आसान और सुविधाजनक बना रहे हैं, बिना परंपरा को चुनौती दिए। भारतीय संस्कृति में सौभाग्य और समृद्धि का महापर्व अक्षय तृतीया साल 2026 में 19 अप्रैल को मनाया जाएगा। इस शुभ अवसर पर सोने की खरीदारी की सदियों पुरानी परंपरा में अब तकनीक का नया रंग घुल रहा है। क्या डिजिटल गोल्ड और ईटीएफ जैसे आधुनिक विकल्प इस परंपरा को चुनौती दे रहे हैं? कई विशेषज्ञों का मानना है कि यह तकनीक चुनौती नहीं, बल्कि खरीदारी को और अधिक सुलभ और सुविधाजनक बना रही है। परंपरा को सुगम बनाते डिजिटल विकल्प भारत में अक्षय तृतीया और धनतेरस ऐसे दो बड़े पर्व हैं जब सोना खरीदना अत्यंत शुभ माना जाता है। पहले लोग इस दिन के लिए पहले से ही विस्तृत योजना बनाते थे, चाहे वह शादी के गहने हों, किसी को उपहार देना हो या केवल निवेश के लिए सोने का एक छोटा टुकड़ा। अधिकांश खरीदारों का उद्देश्य अक्षय तृतीया के दिन अपने घर तक सोने की डिलीवरी सुनिश्चित करना होता था। आज के दौर में, डिजिटल गोल्ड और गोल्ड ईटीएफ जैसे नए विकल्पों ने इस पारंपरिक खरीदारी को एक नया आयाम दिया है। केयूर शाह बताते हैं कि डिजिटल गोल्ड किसी भी परंपरा को खत्म या चुनौती नहीं दे रहा है, बल्कि यह लोगों के लिए इसे और ज्यादा आसान और सुविधाजनक बना रहा है। उनके मुताबिक, जो लोग इस शुभ दिन पर केवल एक प्रतीकात्मक खरीदारी करना चाहते हैं, वे अब बस एक बटन क्लिक करके भी आसानी से ऐसा कर सकते हैं और इसमें उन्हें किसी तरह की दिक्कत नहीं होती। स्मार्ट प्लानिंग से भीड़ से मुक्ति अक्षय तृतीया पर ज्वेलरी स्टोर्स पर लगने वाली भारी भीड़ किसी से छिपी नहीं है। ऐसे में डिजिटल गोल्ड एक स्मार्ट विकल्प बनकर सामने आया है।`` विशेषज्ञ बताते हैं कि यहां तक कि वे ग्राहक भी, जो अक्षय तृतीया पर भौतिक सोने की डिलीवरी ही चाहते हैं, वे अब डिजिटल माध्यम का उपयोग कर रहे हैं। डिजिटल गोल्ड प्लेटफॉर्म आसान रिडेम्पशन और घर पर डिलीवरी की सुविधा प्रदान करते हैं। इससे ग्राहक पहले से ही धीरे-धीरे डिजिटल सोना खरीद सकते हैं और फिर अक्षय तृतीया के शुभ दिन उसे भौतिक गहनों या सिक्कों में बदलकर अपने घर मंगवा सकते हैं। यह तरीका परंपरा को बरकरार रखता है, लेकिन खरीदारी की प्रक्रिया को भीड़भाड़ और जल्दबाजी से मुक्त कर देता है।

उत्तर प्रदेश में आलू किसानों को राहत, 6500 प्रति टन पर खरीदने की अनुमति

- योजना के तहत करीब 20 लाख टन आलू की खरीद की जाएगी

नई दिल्ली ।

किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य दिलाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश में केंद्र सरकार ने 6,500.90 रुपये प्रति टन के बाजार हस्तक्षेप मूल्य पर आलू खरीदने की अनुमति दी है। इस योजना के तहत करीब 20 लाख टन आलू की खरीद की जाएगी। इस पर सरकार लगभग 203 करोड़ रुपये खर्च करेगी। अक्सर बाजार में अधिक उत्पादन के कारण आलू के भाव में गिरावट आ जाती है किसानों को भारी नुकसान होता है। ऐसे में सरकार का यह कदम किसानों को मजबूरी में कम दाम पर फसल बेचने से बचाएगा। इससे उनकी आय में स्थिरता आएगी और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। वहीं सरकार ने एक और आंध्र प्रदेश में चना खरीद की सीमा बढ़ा दी है, पहले जहां 94,500 टन चना खरीदा जाना था, अब इसे बढ़ाकर 1.13 लाख टन कर दिया गया है। कर्नाटक में मूल्य समर्थन योजना (पीएसएस) के तहत अरहर (तुअर) की खरीद की समय सीमा को 15 मई तक बढ़ा दिया गया है। इससे किसानों को अपनी फसल एमएसपी पर बेचने के लिए अतिरिक्त समय मिलेगा। यह कदम उन किसानों के लिए राहत लेकर आया है, जो समय की कमी के कारण अपनी उपज सही दाम पर नहीं बेच पाते थे। इन सभी फैसलों को केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद मंजूरी दी गई। इस बैठक में विभिन्न राज्यों के कृषि मंत्रियों और अधिकारियों ने हिस्सा लिया। सरकार का कहना है कि इन कदमों से किसानों को बेहतर दाम मिलेगा और कृषि क्षेत्र को मजबूती मिलेगी। सरकार के इन फैसलों से यह साफ है कि किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें नुकसान से बचाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। आलू, चना और अरहर जैसी फसलों पर फोकस कर सरकार ने यह दिखाया है कि वह किसानों की समस्याओं को समझते हुए समाधान निकाल रही है। आने वाले समय में ऐसे कदम कृषि क्षेत्र के लिए और फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

संक्षिप्त डायरी

रेल यात्रियों के लिए अलर्ट: नेऊरा स्टेशन पर कार्य के चलते ट्रेनें रद्द और डायवर्ट

पटना (एजेंसी) दानापुर मंडल के नेऊरा स्टेशन पर चल रहे महत्वपूर्ण रेल कनेक्टिविटी कार्य के कारण कई ट्रेनों के आवाजाही में बदलाव किया गया है. कुछ ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं, तो कई के रूट और समय में बदलाव किया गया है, जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है. : दानापुर रेल मंडल के नेऊरा स्टेशन पर कनेक्टिविटी कार्य (ठक) के चलते रेलवे ने बड़ा फैसला लिया है. 18 से 26 अप्रैल तक चलने वाले इस काम के कारण सासाराम, डीडीयू और आरा जाने वाली कई ट्रेनें सिर्फ ट्रेनें रद्द ही नहीं हुई हैं, बल्कि दर्जनों एक्सप्रेस ट्रेनों का रास्ता भी बदल दिया गया है. पटना से सासाराम और आरा जाने वाले ध्यान देंनेऊरा-जटडुमरी रेल लाइन को जोड़ने के लिए चल रहे प्री-एनआई और एनआई कार्य का सबसे ज्यादा असर लोकल यात्रियों पर पड़ने वाला है. रेलवे द्वारा जारी एडवाइजरी के मुताबिक, 25 और 26 अप्रैल को कुल सात पैसेंजर और मेमू ट्रेनें रद्द रहेंगी. इसमें पटना-सासाराम, सासाराम-पटना, पटना-डीडीयू और पटना-आरा जैसी महत्वपूर्ण ट्रेनें शामिल हैं.ये ट्रेनें रोजाना हजारों नौकरीपेशा और छोटे व्यापारियों की लाइफलाइन मानी जाती हैं, जिनके बंद होने से यात्रियों को सड़क मार्ग का सहारा लेना पड़ सकता है. गया और जहानाबाद होकर चलेंगी एक्सप्रेस सिर्फ लोकल ही नहीं, बल्कि नई दिल्ली और इंदौर जैसे बड़े शहरों से आने वाली ट्रेनों पर भी इस ब्लॉक का साया है. 25 अप्रैल को चलने वाली नई दिल्ली-राजेंद्र नगर स्पेशल, इंदौर-पटना, अजमेर-भागलपुर और सूरत-भागलपुर जैसी गाड़ियां अपने नियमित रूट के बजाय डीडीयू-गया-जहानाबाद होकर पटना पहुंचेंगी. इसके अलावा दिल्ली-कामाख्या और आनंद विहार-मालदा टाउन एक्सप्रेस को गया-तिलैया-किउल के रास्ते डायवर्ट किया गया है. यात्रा में लगने वाला अतिरिक्त समय आपकी थकान बढ़ा सकता है,

निशांत कुमार का बिहार दौरा तय, मई से शुरू होगी यात्रा,

पटना (एजेंसी) जदयू नेता निशांत कुमार मई से बिहार का दौरा शुरू करने वाले हैं. इसकी योजना पार्टी स्तर पर तैयार की जा रही है. कार्यकारिणी बैठक में यात्रा की रूपरेखा तय होगी. इस दौरान वे जनता और कार्यकताओं से संवाद करेंगे. जदयू के नेता निशांत कुमार अगले महीने से बिहार के अलग अलग जिलों का दौरा शुरू करने वाले हैं. इस यात्रा को लेकर पार्टी स्तर पर तैयारी तेज कर दी गई है. इस दौरे की पूरी रूपरेखा इस महीने के अंत में होने वाली जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में तय की जाएगी. बैठक में यह फैसला होगा कि यात्रा कैसे होगी, कितने चरणों में चलेगी और किन नेताओं को क्या जिम्मेदारी दी जाएगी. इसके बाद मई महीने से निशांत कुमार पार्टी नेताओं और कार्यकताओं के साथ मैदान में उतरेंगे. पिछले कुछ समय से पार्टी के कार्यक्रमों में निशांत कुमार लगातार यह बात कह रहे हैं कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में जो विकास कार्य हुए हैं, उन्हें लोगों तक पहुंचाना जरूरी है. उनका मानना है कि आम लोगों से सीधे बातचीत कर उनकी समस्याएं समझनी चाहिए और उनका समाधान करवाना चाहिए. सूत्रों के अनुसार, निशांत कुमार ने पार्टी की सदस्यता लेने के समय ही पूरे राज्य में यात्रा करने की इच्छा जताई थी. अब उसी योजना को जमीन पर उतारने की तैयारी हो रही है. जल्द सामने आएगी पूरी जानकारी इस यात्रा के दौरान निशांत गांव गांव जाकर लोगों से मिलेंगे. कार्यकताओं के साथ बैठक करेंगे और संगठन को मजबूत बनाने पर ध्यान देंगे. साथ ही जनता की समस्याओं को सुनकर उनका समाधान कराने की कोशिश भी करेंगे. फिलहाल पार्टी इस बात पर विचार कर रही है कि यात्रा कितने हिस्सों में होगी और किस चरण में कौन से जिले शामिल होंगे. जल्द ही इसकी पूरी जानकारी सामने आ सकती है.

पटना के सरकारी अस्पतालों की बदहाली

पटना (एजेंसी) पटना के सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत चिंताजनक है। एक ओर करोड़ों खर्च कर आधुनिक भवन बन रहे हैं और सुविधाओं के विस्तार का दावा किया जा रहा है, लेकिन बुनियादी संसाधनों की कमी बरकरार है। कहीं ट्रॉमा सेंटर में सर्जरी का ट्रायल चल रहा है, तो वेंटिलेटर और ब्लड बैंक की सुविधा नहीं है। कहीं एमआरआई और सीटी स्कैन की मशीनें महीनों से शोपीस बनी हुई हैं और मरीजों को जांच के लिए एक भवन से दूसरे भवन तक ढोना पड़ रहा है। वहीं डेंटल कॉलेज में जेनरेटर नहीं होने से बिजली कटने पर इलाज बीच में ही रोकने पर मजबूर होना पड़ रहा है। कुल मिलाकर, संसाधनों की कमी ने स्वास्थ्य व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। एलएनजेपी ट्रॉमा सेंटर में वर्षों के इंतजार के बाद जनरल सर्जरी, न्यूरो सर्जरी और क्रिटिकल केयर की सुविधा शुरू करने की तैयारी है। सर्जरी का ट्रायल चल रहा है, लेकिन अभी यहां न तो ब्लड बैंक है और न ही गंभीर मरीजों के लिए वेंटिलेटर की सुविधा। ऐसे में ट्रॉमा सेंटर का बहुत अधिक फायदा गंभीर मरीजों को नहीं मिल सकेगा। सचिवालय और अटल पथ जैसे दुर्घटना संभावित क्षेत्रों के पास होने के कारण इस सेंटर की भूमिका अहम है। लेकिन वर्तमान में वेंटिलेटर और ब्लड बैंक न होने से सिर और छाती की गंभीर चोट वाले मरीजों को अब भी दूसरे अस्पतालों में रेफर करना पड़ेगा। 10 साल बाद भी यह सेंटर पूरी तरह फंक्शनल नहीं हो पाना सिस्टम पर बड़ा सवाल है।

एग्जीबिशन रोड इलाके में कई घंटे तक ब्लैक आउ

पटना (एजेंसी) पटना में गर्मी बढ़ते ही बिजली की खपत 636 मेगावाट पर पहुंच गई। इसके साथ ही लोकल फॉल्ट शुरू हो गया। शनिवार को पटना सिटी, गुलजारबाग, राजेंद्रनगर, कंकड़बाग, बेउर, राजाबाजार, आशियाना-दीघा रोड, दानापुर, खगौल, पटेल नगर, बोरिंग रोड, महेंद्रू आदि इलाके के लोग ट्रिपिंग से परेशान रहे। रात 8 बजे एग्जीबिशन रोड इलाके में बिजली गुल हो गई। कबाड़ी गली निवासी आसिम अहमद ने कहा कि रात 9:46 बजे तक बिजली नहीं आई है। इंजीनियर फोन नहीं उठा रहे हैं। फ्यूज कॉल सेंटर पर बिजली कटने का कारण और सप्लाई चालू होने के समय की जानकारी नहीं दी जा रही है। पूछने पर इंजीनियरों ने कहा कि बिजली सप्लाई करने वाली 11 केवी अंडरग्राउंड फीडर में फॉल्ट आई। ओवरलोडिंग के कारण समस्या हो सकती है। 10 डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफॉर्मर की सप्लाई बंद कर फॉल्ट की जांच चल रही है। शेष इलाकों में बिजली सप्लाई चालू है।

सम्राट चौधरी का विपक्ष पर प्रहार: नारी शक्ति आरक्षण पर दोहरा चेहरा बेनकाब

'परिवारवाद की राजनीति' पर सम्राट चौधरी ने विपक्षी दलों के दावों को नकारा

पटना (एजेंसी) बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर आयोजित प्रेस वार्ता में विपक्षी दलों पर हमला बोला. उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक दल महिलाओं के आरक्षण को लेकर दोहरी नीति अपना रहे हैं, जहां उनके परिवार की महिलाएं तो राजनीति में आगे बढ़ती हैं, लेकिन आम घरों की बेटियों को मौका नहीं मिलता. बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पटना में रविवार 19 अप्रैल को आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में विपक्षी दलों के परिवारवाद पर तीखा प्रहार करते हुए राजनीति के बंद दरवाजों को हिला कर रख दिया. सम्राट चौधरी ने सीधा सवाल दागा कि आखिर क्यों आरक्षण और रसूख का फायदा सिर्फ खास सियासी परिवारों की महिलाओं तक ही सीमित रहता है? नारी शक्ति के साथ हुआ अन्याय पटना के अटल सभागार में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए सम्राट चौधरी ने विपक्षी गठबंधन के प्रमुख चेहरों को निशाने पर लिया. उन्होंने कहा कि राजद, सपा और कांग्रेस जैसी पार्टियां चाहती हैं कि केवल उनके घर की महिलाएं ही सत्ता के शिखर पर पहुंचें. मुख्यमंत्री ने चुटकी लेते हुए कहा, लालू यादव की बेटी सांसद बनें, अखिलेश की पत्नी सांसद बनें और राहुल गांधी की बहन को मौका मिले, लेकिन आम गरीब घरों की बेटियों और बहनों का क्या? क्या उन्हें लोकतंत्र में बराबरी का हक नहीं मिलना चाहिए?. उन्होंने आरोप लगाया कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम के विरोध के पीछे विपक्ष की यही मंशा छिपी है. 272 महिला सांसदों का सपना मुख्यमंत्री ने भविष्य का रोडमैप साझा करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह इस बिल के जरिए देश की संसद की तस्वीर बदलना चाहते हैं. सम्राट चौधरी के अनुसार, अगर यह बिल पूरी तरह प्रभावी होता है, तो देश में सांसदों की संख्या बढ़कर 816 तक जा सकती है और उसमें से 272 महिला सांसद देश का नेतृत्व करेंगी. उन्होंने बिहार का उदाहरण देते हुए कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने 2006 में ही पंचायती राज में 50% आरक्षण दिया था, जिसका नतीजा है कि आज बिहार में 59% से ज्यादा महिलाएं चुनाव जीतकर प्रशासनिक कमान संभाल रही हैं. अब जनता मागेगी हिसाब सम्राट चौधरी ने कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके और राजद पर हमला बोलते हुए कहा कि इन दलों का इतिहास हमेशा से आरक्षण विरोधी रहा है. उन्होंने याद दिलाया कि चाहे मंडल आयोग की सिफारिशें हों या दलित-आदिवासी आरक्षण की बात, इन दलों ने हमेशा रोड़े अटकाए हैं. सीएम ने घोषणा की कि अब एनडीए पूरे देश में अभियान चलाकर विपक्ष का असली चेहरा बेनकाब करेगा. उन्होंने सवाल किया कि अगर बिल पास हो जाता, तो आज बिहार विधानसभा में 29 के बजाय 122 महिला विधायक होतीं, लेकिन विपक्ष ने महिलाओं के इस सुनहरे अवसर को छीन लिया.

पताही हवाई अड्डे के विकास को मिली मंजूरी, जल्द शुरू होगा निर्माण कार्य

पटना (एजेंसी) पताही हवाई अड्डे के निर्माण का काम जल्द शुरू होने जा रहा है. 43 करोड़ रुपये की लागत से इसका विकास होगा और छोटे विमानों की सेवा शुरू की जाएगी. मुजफ्फरपुर में उद्योग लगाने के लिए कई कंपनियों ने रुचि दिखाई है. इससे इलाके के विकास को गति मिलेगी. पताही हवाई अड्डे को लेकर बड़ी खबर सामने आई है. यहां हवाई सेवा शुरू करने की दिशा में काम तेज हो गया है. केंद्रीय मंत्री डॉ. राजभूषण चौधरी ने बताया कि जल्द ही इस हवाई अड्डे से छोटे विमानों का संचालन शुरू किया जाएगा. उन्होंने कहा कि नई दिल्ली में उनकी मुलाकात राममोहन नायडू से हुई थी. इस दौरान पताही हवाई अड्डे के विकास को लेकर विस्तार से चर्चा हुई. अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि निर्माण और मरम्मत से जुड़ी सभी प्रक्रियाएं जल्द पूरी की जाएं. जल्द शुरू होगा काम राजभूषण चौधरी ने बताया कि पताही हवाई अड्डे का ठेका पहले ही तय हो चुका है. मार्च में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के दफ्तर में इसकी प्रक्रिया पूरी कर ली गई थी. वही एजेंसी इस काम को करेगी. इसने पूर्णिया में भी हवाई अड्डे का निर्माण किया है. अब जल्द ही जमीन पर काम शुरू होने की तैयारी है. मंत्री ने कहा कि एक दो हफ्ते में निर्माण कार्य तेजी से शुरू हो जाएगा. करीब 43 करोड़ रुपये की लागत से इस हवाई अड्डे का विकास किया जाएगा. इसमें हवाई पट्टी, टैक्सी मार्ग, पार्किंग और कार्यालय भवन जैसे कई काम किए जाएंगे. इसके अलावा यहां एक ट्रेनिंग सेंटर खोलने की भी योजना है. निवेशक उत्साहित दूसरी ओर हैदराबाद में आयोजित निवेशकों की बैठक में भी जिले को लेकर सकारात्मक संकेत मिले हैं. मंत्री ने बताया कि कई कंपनियों ने मुजफ्फरपुर में उद्योग लगाने में रुचि दिखाई है. बियाडा और कृषि विभाग के अधिकारियों ने वहां जिले में क्या-क्या संभावना है, इस बारे में बताया. बताया जा रहा है कि हैदराबाद और विदेश के कुछ निवेशक भी यहां निवेश को लेकर उत्साहित हैं. एक रूसी बिजनेसमैन ने भी मुजफ्फरपुर में उद्योग लगाने में रुचि दिखाई है.

डिप्रेशन में आई लड़की कर रही थी सुसाइड की कोशिश, परिवार ने ऐसे बचाई जिंदगी

पटना (एजेंसी) बिहार के बेतिया में मानसिक तनाव (डिप्रेशन) से जूझ रही एक 17 वर्षीय लड़की ने आत्महत्या की कोशिश की. परिवार की सतर्कता ने उसकी जान बचा ली. फिलहाल किशोरी अस्पताल में जिंदगी की जंग लड़ रही है. बिहार के बेतिया में कालीबाग थाना क्षेत्र के पुरानी गुदरी वार्ड नंबर 9 में एक लड़की ने आत्महत्या की कोशिश की. घर के अंदर फंदे से लटकी बेटी को देख परिजनों के होश उड़ गए, लेकिन उनकी तत्परता और आसपास के लोगों की मदद से समय रहते उसकी जान बचा ली गई. कालीबाग के पुरानी गुदरी इलाके में स्वर्गीय परशुराम साह की बेटी दीपशिखा ने घर के भीतर फंदा लगा लिया. जैसे ही भाई-बहनों ने अपनी बहन को फंदे से लटकते देखा, घर में चीखें गूंजने लगीं. पूरा परिवार बिना एक पल गंवाए उसे बचाने के लिए दौड़ पड़ा. स्थानीय लोगों की मदद से आनन-फानन में फंदा काटकर किशोरी को नीचे उतारा गया. हालांकि, तब तक उसकी हालत काफी बिगड़ चुकी थी और वह बेसुध हो गई थी. डॉक्टरों की टीम हाई अलर्ट पर घटना के तुरंत बाद दीपशिखा को बेसुध हालत में बेतिया के जीएमसीएच अस्पताल ले जाया गया. फिलहाल किशोरी की स्थिति नाजुक बनी हुई है और उसे इमरजेंसी वार्ड में ऑब्जर्वेशन पर रखा गया है. अस्पताल परिसर में दीपशिखा के चार भाइयों और तीन बहनों का रो-रोकर बुरा हाल है. परिवार के सदस्यों को बस एक ही उम्मीद है कि उनकी बहन की सांसें एक बार फिर सामान्य हो जाएं. पुलिस की जांच शुरू दीपशिखा पिछले कुछ समय से मानसिक तनाव के दौर से गुजर रही थी. पिता की मृत्यु के बाद से घर में वैसे ही उदासी का माहौल था, लेकिन दीपशिखा के मन में क्या चल रहा था, यह रहस्य अब भी बरकरार है.

नीति सही, लागू करने में खामी-शराबबंदी पर फिर बोले जीतन राम मांझी, गरीबों की बढ़ी मुश्किलें

पटना (एजेंसी) बिहार में शराबबंदी पर पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने इस नीति को लेकर अपनी राय रखते हुए कहा है कि कानून की मंशा सही है, लेकिन इसे लागू करने के तरीके में गंभीर खामियां हैं. उनका दावा है कि इस व्यवस्था का सबसे ज्यादा असर गरीब तबके पर पड़ रहा है. बिहार की राजनीति में शराबबंदी एक ऐसा मुद्दा है जो थमने का नाम नहीं ले रहा है. पूर्व मुख्यमंत्री और हम पार्टी के संरक्षक जीतन राम मांझी ने एक बार फिर इस कानून को लेकर सरकार को आईना दिखाया है. पटना एयरपोर्ट पर मीडिया से रूबरू होते हुए मांझी ने जो कहा, उसने सत्ता के गलियारों में हलचल तेज कर दी है. उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि कागज पर तो शराबबंदी अच्छी दिखती है, लेकिन जमीन पर यह गरीबों के लिए काल और माफियाओं के लिए वरदान साबित हो रही है. गरीबों पर पुलिसिया डंडा, माफियाओं को खुली छूट? जीतन राम मांझी ने शराबबंदी के कार्यान्वयन पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि इस कानून का सबसे भयावह असर बिहार के दलितों और पिछड़ों पर पड़ रहा है. मांझी के अनुसार, पुलिस की कार्रवाई अक्सर उन गरीब मजदूरों तक सिमट कर रह जाती है जो दिन भर की थकान मिटाने के लिए भटकते हैं, जबकि बड़े सिंडिकेट चलाने वाले सफेदपोश माफिया सुरक्षित हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि इस कानून के कारण लाखों गरीब लोग जेल की सलाखों के पीछे हैं, जिससे उनके परिवारों की आर्थिक कमर टूट गई है. यूरिया और केमिकल का खूनी खेल शराबबंदी के बावजूद राज्य में शराब की उपलब्धता पर तंज कसते हुए मांझी ने एक डरावनी सच्चाई बयां की. उन्होंने कहा कि पाबंदी के कारण अब अवैध शराब का धंधा तेजी से फैल रहा है. माफिया ज्यादा मुनाफा कमाने के चक्कर में यूरिया और खतरनाक रसायनों का इस्तेमाल कर जहरीली शराब बना रहे हैं. यही वजह है कि बिहार के गांवों में कम उम्र के युवा अपनी जान गंवा रहे हैं. मांझी का तर्क है कि जिस कानून को जान बचाने के लिए लाया गया था, वह आज अनजाने में मौत का कारण बन रहा है. क्या बदलेगी शराबबंदी की तस्वीर? बिहार में हाल ही में हुए सत्ता परिवर्तन और सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने पर भी मांझी ने अपनी राय रखी. उन्होंने कहा कि नई सरकार को अभी काम करने के लिए थोड़ा समय चाहिए, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी इस कानून की व्यावहारिक समीक्षा जरूर करेंगे. मांझी ने मांग की है कि शराबबंदी नीति में मौजूद विसंगतियों को दूर किया जाए ताकि राज्य के राजस्व का नुकसान भी रुके और गरीबों को बेवजह की प्रताड़ना से मुक्ति मिले. मांझी का यह बयान ऐसे समय में आया है जब राज्य में नई कैबिनेट अपना एजेंडा सेट कर रही है. मांझी ने स्पष्ट किया कि वे नीति के विरोधी नहीं हैं, बल्कि उसे लागू करने के दोषपूर्ण तरीके के खिलाफ हैं.

बिहार में 45 डिग्री की झुलसाती गर्मी, इन जिलों में तेज आंधी-बारिश का अलर्ट

पटना (एजेंसी) बिहार इस वक्त कुदरत के दो छोरों के बीच पिस रहा है. राज्य का एक हिस्सा भीषण लू और हीटवेव की आग में झुलस रहा है, दूसरी ओर मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों के लिए राज्य के कई जिलों में आंधी और बिजली गिरने की चेतावनी जारी कर दी है. बिहार में अप्रैल की शुरूआत के साथ ही मौसम ने खतरनाक करवट ले ली है. एक ओर भीषण गर्मी लोगों को बेहाल कर रही है, दूसरी ओर कई जिलों में तेज आंधी, बारिश और बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया गया है. बिहार में अप्रैल के महीने ने ही जून जैसी तपन का एहसास कराना शुरू कर दिया है. शुष्क पछुआ हवाओं ने पूरे प्रदेश को किसी जलती हुई भट्ठी में तब्दील कर दिया है. क्टऊके ताजा आंकड़ों के मुताबिक, रोहतास का डेहरी इलाका 42.2 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे गर्म दर्ज किया गया है, जबकि कई जिलों में पारा 45 डिग्री के खतरनाक स्तर को छू रहा है. इस भीषण गर्मी का सीधा असर आम जनजीवन पर पड़ रहा है. क्टऊ के ताजा अपडेट में चेतावनी दी है कि पूर्वी चंपारण, शिवहर और सीतामढ़ी में अगले एक से तीन घंटे के भीतर मेघ गरजने के साथ मध्यम दर्जे की बारिश और बिजली गिर सकती है. यहां 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से धूल भरी आंधी चलने का अनुमान है, जो जान-माल के लिए खतरा पैदा कर सकती है. मधेपुरा और सहरसा में येलो अलर्ट मौसम का सबसे रौद्र रूप मधेपुरा, सहरसा और दरभंगा में देखने को मिल सकता है. यहां हवा की रफ्तार 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटा रहने की उम्मीद है. इतनी तेज हवाएं पेड़ों को उखाड़ने और कच्चे घरों को नुकसान पहुंचाने के लिए काफी हैं. इसके अलावा मधुबनी, सुपौल, अररिया, कटिहार और पूर्णिया में भी मौसम विभाग ने आंधी-बारिश की संभावना जताई है. भागलपुर और आसपास के इलाकों में भी तेज हवाओं के साथ सामान्य बारिश की उम्मीद है, जिससे तापमान में हल्की गिरावट तो आएगी, लेकिन बिजली गिरने का खतरा बना रहेगा. मौसम विभाग ने आंधी-बारिश के दौरान लोगों से ऊंचे पेड़ों और बिजली के खंभों से दूर रहने की अपील की है.

बिहार में बाल और बंधुआ मजदूरी पर लगेगा लगाम

पटना (एजेंसी) बिहार सरकार अब राज्य से बाहर काम कर रहे बाल और बंधुआ श्रमिकों को छुड़ाने के लिए नई नीति ला रही है. यह कदम बाल मजदूरी और मानव तस्करी पर सख्त लगाम लगाने की दिशा में बड़ा बदलाव माना जा रहा है. बिहार सरकार बच्चों के भविष्य को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से किशोर न्याय अधिनियम, 2015 और मिशन वात्सल्य जैसी योजनाओं को जोड़कर एक प्रभावी एक्शन प्लान तैयार कर रही है. इसका मकसद सिर्फ बच्चों को छुड़ाना नहीं, बल्कि उन्हें सुरक्षित वातावरण, अस्थायी शेल्टर होम और बाद में शिक्षा व पुनर्वास से जोड़ना है सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है इस योजना की सबसे खास बात यह है कि इसे बंद कमरों में नहीं, बल्कि जनता और विशेषज्ञों के सुझावों से तैयार किया जाएगा. विभाग का लक्ष्य एक सख्त एक्शन प्लान बनाना है जिससे बाल तस्करी के रास्तों पर हमेशा के लिए अंकुश लग सके. हुनरमंद बनेगा बचपन जो बच्चे रेस्क्यू किए जाएंगे, उन्हें सीधे उनके घर भेजने से पहले सुरक्षित माहौल दिया जाएगा. इस नई नीति के तहत किशोर न्याय अधिनियम 2015 के प्रावधानों को और मजबूती से लागू किया जाएगा. जिन बच्चों का कोई परिवार नहीं है या जिनके घर सुरक्षित नहीं हैं, उन्हें मिशन वात्सल्य के तहत सरकारी सुरक्षा घेरे में लाया जाएगा. इतना ही नहीं, शेल्टर होम में रह रहे किशोरों को वोकेशनल ट्रेनिंग दी जाएगी, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और दोबारा मजबूरी में मजदूरी के दलदल में न फंसे. इन जिलों पर सरकार की पैनी नजर आंकड़ों की मानें तो बिहार के गया, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, पूर्वी और पश्चिम चंपारण समेत सीतामढ़ी और पूर्णिया जैसे जिले बाल श्रम के लिहाज से सबसे संवेदनशील हैं. सरकार ने इन इलाकों को रेड जोन की तरह चिह्नित किया है. यहां से मुक्त कराए गए बच्चों को सीधे स्कूलों से जोड़ने की मुहिम शुरू हो चुकी है. अब इसी स्कूल कनेक्ट मॉडल को दूसरे राज्यों से छुड़ाकर लाए गए बच्चों पर भी लागू किया जाएगा, ताकि उनका हाथ औजारों के बजाय किताबों को थामे. यह नया एक्शन प्लान बिहार के भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम साबित हो सकता है.

तेजस्वी का पलटवार: आरक्षण पर मुख्यमंत्री को घेरा, डीलिमिटेशन को बताया बड़ी साजिश

पटना (एजेंसी) नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की प्रेस कॉन्फ्रेंस पर पलटवार करते हुए कहा कि वे मुख्यमंत्री तो बन गए हैं, लेकिन उन्हें इस बिल की सही समझ नहीं है. उन्होंने आरोप लगाया कि महिला आरक्षण के नाम पर असल में डीलिमिटेशन की तैयारी की जा रही है. : मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर विपक्ष को घेरने के कुछ ही घंटों बाद, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मोर्चा संभाल लिया. तेजस्वी ने न केवल मुख्यमंत्री की समझ पर सवाल उठाए, बल्कि सीधा हमला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर करते हुए बिहार सरकार को रिमोट कंट्रोल से चलने वाली सरकार करार दे दिया. बिल समझ में आया नहीं और बन गए मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने सम्राट चौधरी की प्रेस कॉन्फ्रेंस पर पलटवार करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री पद की शपथ तो उन्होंने ले ली है, लेकिन महिला आरक्षण बिल की हकीकत उनकी समझ से परे है. तेजस्वी ने तंज कसते हुए कहा, बिल 3 साल पहले पास हुआ था, तो अब तक राष्ट्रपति से हस्ताक्षर कराकर इसे लागू क्यों नहीं किया गया उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा महिलाओं की आड़ में असल में डीलिमिटेशन (परिसीमन) का खेल खेलना चाहती है, ताकि अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकी जा सकें. बिहार को चलाने गुजरात से आ रहे लोग तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की कार्यशैली पर सीधा प्रहार करते हुए कहा कि बिहार में अब स्वायत्त शासन खत्म हो चुका है. उन्होंने विवादित बयान देते हुए कहा, मुख्यमंत्री जो भी करेंगे, वही करेंगे जो उनके गुजराती भाई कहेंगे. बिहार को चलाने के लिए सीधे ढटड (प्रधानमंत्री कार्यालय) से लोग भेजे जा रहे हैं. तेजस्वी के मुताबिक, दो लोग जो चाहेंगे, वही बिहार में होगा, जिससे राज्य की अस्मिता और संघीय ढांचे को खतरा पैदा हो गया है. तेजस्वी का गंभीर आरोप आरक्षण के मुद्दे पर बोलते हुए तेजस्वी ने भाजपा और आरएसएस की विचारधारा पर तीखा हमला बोला. उन्होंने कहा कि एक तरफ ये लोग महिला सशक्तिकरण की बात करते हैं और दूसरी तरफ आरएसएस के लोग महिलाओं से पैर धुलवाते हैं. तेजस्वी ने दावा किया कि राजद ने हमेशा महिलाओं को सबसे ज्यादा टिकट देकर उन्हें सशक्त बनाया है.उन्होंने मांग की कि अगर भाजपा वाकई गंभीर है, तो महिलाओं का आरक्षण 33% नहीं बल्कि 50% कर देना चाहिए. तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के करीबी निशांत कुमार के बयान पर भी कटाक्ष किया. उन्होंने कहा कि जब नीतीश जी ने खुद ट्रिपल सी करप्शन, क्राइम, कम्युनलिज्म से समझौता कर लिया है, तो उनके बेटे की बातों का क्या मतलब? तेजस्वी ने भाजपा को कम्युनल पार्टी बताते हुए कहा कि आज यूपी और बिहार में क्राइम रेट सबसे ऊपर है, लेकिन सरकार केवल आंकड़ों की बाजीगरी में जुटी है. उन्होंने साफ किया कि विपक्ष महिला आरक्षण का विरोधी नहीं है, बल्कि उस डीलिमिटेशन की साजिश के खिलाफ है

हनुमानजी की 11 मुखी मूर्तियां करती हैं अलग-अलग मनोकामनाओं की पूर्ति

प्रत्येक व्यक्ति को हनुमानजी की भक्ति करना चाहिए। कलियुग में हनुमान ही एकमात्र जाग्रत देव हैं। उनका चारों युग में प्रताप है। उनकी भक्ति से व्यक्ति के भीतर साहस और आत्मविश्?वास का संचार होता है। हनुमानजी की भक्ति हर संकट से बचाती है। भक्तों ने अपनी भक्ति के चलते हनुमानजी के अलग-अलग रूप को पूजनीय बनाया है। कहते हैं कि हनुमानजी की भिन्न-भिन्न मूर्तियों की उपासना से भिन्न-भिन्न फल की प्राप्ति होती है। वैसे हनुमाजी की और भी मुखों वाली मूर्तियां हैं लेकिन हम जानते हैं 11 मुख वाले हनुमाजी की मूर्तियों की उपासना के लाभ।

● पूर्वमुखी

पूर्व की तरफ जो मुंह है उसे 'वानर' कहा गया है। जिसकी प्रभा करोड़ों सूर्यों के तेज समान हैं। इनका पूजन करने से समस्त शत्रुओं का नाश हो जाता है। इस मुख का पूजन करने से शत्रुओं पर विजय पाई जा सकती है।

● पश्चिममुखी

पश्चिम की तरफ जो मुंह है उसे 'गरूड़' कहा गया है। यह रूप संकटमोचन माना गया है। जिस प्रकार भगवान विष्णु के वाहन गरुड़ अजर-अमर हैं उसी तरह इनको भी अजर-अमर माना गया है।

● उत्तरामुखी हनुमान

उत्तर दिशा देवताओं की मानी जाती है। यही कारण है कि शुभ और मंगल की कामना उत्तरामुखी हनुमान की उपासना से पूरी होती है। उत्तर की तरफ जो मुंह है उसे 'शूकर' कहा गया है। इनकी उपासना करने से अबाध धन-दौलत, ऐश्वर्य, प्रतिष्ठा, लंबी आयु तथा निरोगी काया प्राप्त होती है।

● दक्षिणामुखी हनुमान

दक्षिण की तरफ जो मुंह है उसे 'भगवान नृसिंह' कहा गया है। यह रूप अपने उपासको को भय, चिंता और परेशानीयों से मुक्त करवाता है। दक्षिण दिशा में सभी तरह की बुरी शक्तियों के अलावा यह दिशा काल की दिशा मानी जाती है। यदि आप अपने घर में उत्तर की दीवार पर हनुमानजी का चित्र लगाएंगे तो उनका मुख दक्षिण की दिशा में होगा। दक्षिण में उनका मुख होने से वह सभी तरह की बुरी शक्तियों से हमें बचाते हैं। इसलिए दक्षिणामुखी हनुमान की साधना काल, भय, संकट और चिंता का नाश करने वाली होती है।

● ऊर्ध्वमुख

हनुमानजी का ऊर्ध्वमुख रूप 'घोड़े' के समरूप है। यह स्वरूप ब्रह्माजी की प्रार्थना पर प्रकट हुआ था। मान्यता है कि हयग्रीवदैत्य का संहार करने के लिए वे अवतरित हुए थे।

● पंचमुखी हनुमान

राम लक्ष्मण को अहिरावण से मुक्त कराने के लिए हनुमानजी ने पंचमुखी रूप धारण किया था। पांचों दीपक को एक साथ बुझाने पर अहिरावन का वध हो जाएगा इसी कारण हनुमान जी ने पंचमुखी रूप धरा। उत्तर दिशा में वराह मुख, दक्षिण दिशा में नरसिंह मुख, पश्चिम में गरुड़ मुख, आकाश की तरफ हयग्रीव मुख एवं पूर्व दिशा में हनुमान मुख।

● एकादशी हनुमान

श्रीहनुमानजी रुद्र यानी शिव के ही ग्यारहवें अवतार माने गए हैं। ग्यारह मुख वाले कालकारमुख नामक एक भयानक बलवान राक्षस का वध करने के लिए श्रीराम की आज्ञा से हनुमानजी ने एकादश मुख रूप ग्रहण करके चैत्र पूर्णिमा (हनमान जयंती) को शनिश्चर के दिन उस राक्षस का उसकी सेना सहित वध कर दिया था। एकादशी और पंचमुखी हनुमान जी पूजा से सभी देवी और देवताओं की उपासना के फल मिलते हैं।

● वीर हनुमान

जैसा की नाम से ही विदित है कि इस नाम से हनुमानजी की प्रतिमा की पूजा जीवन में साहस, बल, पराक्रम और आत्मविश्वास प्रदान कर सभी कार्यों की बाधाओं को दूर करती है।

● भक्त हनुमान

राम की भक्ति करते हुए आपने हनुमानी का चित्र या मूर्ति देखी होगी। इस चित्र या मूर्ति की पूजा से जीवन के लक्ष्य को पाने में आ रहीं अड़चनें दूर होती है। साथ ही यह भक्ति जरूरी एकाग्रता और लगन देने वाली होती है। इस मूर्ति या चित्र में हनुमानजी हाथ में करताल लेकर राम की भक्ति करते नजर आएंगे।

● दास हनुमान

हनुमानजी रामजी के दास हैं। सदा रामकाज करने को आतुर रहते हैं। दास हनुमान की आराधना से व्यक्ति के भीतर सेवा और समर्पण की भावना का विकास होता है। धर्म, कार्य और रिश्तों के प्रति समर्पण और सेवा होने से ही सफलता मिलती है। इस मूर्ति या चित्र में हनुमानजी प्रभु श्रीरामजी के चरणों में बैठे हुए हैं।

● सूर्यमुखी हनुमान

शास्त्रों के मुताबिक श्रीहनुमान के गुरु सूर्यदेव हैं। सूर्य पूर्व दिशा से उदय होकर जगत को प्रकाशित करता है। सूर्यमुखी हनुमान की उपासना से ज्ञान, विद्या, ख्याति, उन्नति और सम्मान मिलता है। सूर्यमुखी हनुमान को ही पूर्वमुखी हनुमान कहते हैं। कहा जाता है कि अगर पंचमुखी हनुमान जी की पूजा सही तरीके व सम्मान से नहीं की जाए, तो इसको भूलकर भी घर के मंदिर में नहीं रखना चाहिए। ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक पंचमुखी हनुमान जी की तस्वीर या मूर्ति घर में रखने के विशेष नियम बताए गए हैं। दरअसल, पंचमुखी हनुमान जी का स्वरूप अधिक ऊर्जा और शक्ति का प्रतीक है। जो घर के सामान्य वातावरण के लिए अनुकूल नहीं होता है।

घर में क्यों नहीं रखनी चाहिए पंचमुखी हनुमान जी की तस्वीर

हनुमान जी का पंचमुखी स्वरूप उग्रता और सुरक्षा का प्रतीक माना जाता है। इसको घर में रखने से घर का माहौल अशांत और उग्र हो सकता है। खासकर यदि पंचमुखी हनुमान जी की विधि-विधान से पूजा न की जाए। पंचमुखी हनुमान जी की पूजा करना आसान नहीं होता है, इनकी पूजा के कुछ विशेष नियम होते हैं। ऐसे में सब लोग इन नियमों का सभी लोग पालन नहीं कर पाते हैं। अगर पंचमुखी हनुमान जी की पूजा में कोई कमी होती है, तो इससे जीवन में नकारात्मकता बढ़ सकती है।

कहां रखनी चाहिए पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति पंचमुखी हनुमान जी की पूजा मंदिरों में की जाती है। जहां पर उनकी ऊर्जा का प्रबंधन सही तरीके से हो सकता है।

पंचमुखी हनुमान की मूर्ति मंदिरों में रखना सबसे अच्छा माना जाता है।जिससे कि उनकी नियम से पूजा की जा सके। कुछ व्यावसायिक स्थलों पर पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति रखने से बिजनेस में मुनाफा हो सकता है, साथ ही यह मूर्ति नकारात्मक ऊर्जा से भी रखा करती है।

पंचमुखी हनुमान को माना जाता है साहस, शक्ति और रक्षा का प्रतीक

हिंदू धर्म में पंचमुखी हनुमान को साहस, शक्ति और रक्षा का प्रतीक माना जाता है। हनुमान जी के पांच मुखों वाली मूर्ति विशेष रूप से पूजनीय होती है। हनुमान जी के पांच मुख अलग-अलग देवताओं के रूप को प्रदर्शित करते हैं। लेकिन बहुत से लोग घरों में भी पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति या तस्वीर रखते हैं हनुमान जी के पांच मुख उत्तर दिशा में वराह मुख, दक्षिण दिशा में नरसिंह, पश्चिम में गरुड़, आकाश की तरफ हयग्रीव मुख और पूर्व दिशा हनुमान जी का प्रतिनिधित्व करते हैं।

पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति के लिए विशेष स्थान

बता दें कि घर में पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति या तस्वीर को रखने से सही दिशा और स्थान का चयन जरूर कर लें। ज्योतिष और वास्तु के मुताबिक गलत दिशा और स्थान पर हनुमान जी के इस पवित्र स्वरूप की स्थापना करने से घर में पॉजिटिव ऊर्जा की जगह वास्तु दोष पैदा हो सकता है। अक्सर लोग पंचमुखी हनुमान जी की मूर्ति को घर के मुख्य द्वार पर लगा देते हैं। लेकिन यह स्थान उपयुक्त नहीं माना जाता है। ऐसा करने से उनकी ऊर्जा का सही से उपयोग नहीं हो पाता है और अंजाने में मूर्ति का अपमान भी हो सकता है।

सनातन धर्म में तुलसी पूजा का महत्व

सनातन धर्म में तुलसी के पौधे की पूजा-अर्चना करने का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इस पौधे में देवी लक्ष्मी का वास माना जाता है। इसलिए घर में तुलसी का पौधा लगाना शुभ माना जाता है। तुलसी की सच्चे मन से पूजा करने से व्यक्ति को जीवन में सफलता मिलती है और धन लाभ के योग बनते हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, तुलसी की मंजरी से जुड़े उपाय करने से व्यक्ति के जीवन में खुशियों का आगमन होता है। साथ ही धन से जुड़ी समस्या दूर होती है।

श्रीहरि होंगे प्रसन्न–यदि आप भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त करना चाहते हैं, तो गुरुवार के दिन सुबह स्नान करने के बाद प्रभु की पूजा करें और उनके चरणों में तुलसी की मंजरी चढ़ाएं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इस उपाय को विधिपूर्वक करने से श्रीहरि प्रसन्न होते हैं और साधक की सभी मनोकामना पूरी होती है।

आर्थिक तंगी होगी खत्म–अगर आप लंबे समय से आर्थिक तंगी से छुटकारा पाना चाहते हैं, तो तुलसी की मंजरी और दूध से भगवान विष्णु का विधिपूर्वक अभिषेक करें। साथ ही जीवन में सुख-शांति की प्राप्ति के लिए कामना करें। ऐसा माना जाता है कि इस उपाय को करने से आर्थिक तंगी जल्द खत्म होती है और हमेशा पैसों से तिजोरी भरी रहती है।

कभी खाली नहीं होगी तिजोरी

तुलसी की मंजरी को लाल रंग के कपड़े में बांधकर मां लक्ष्मी को चढ़ाएं। कुछ समय के बाद इसे पर्स या फिर तिजोरी में रखें। ऐसा माना जाता है कि इस उपाय को करने से तिजोरी पैसों से कभी खाली नहीं होती है और धन लाभ के योग बनते हैं।

सुख-समृद्धि में होगी वृद्धि–अगर आप जीवन में दुख और संकट का सामना कर रहे हैं, तो पूजा के दौरान तुलसी के पौधे में गन्ने का रस अर्पित करें। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, इस उपाय को करने से जीवन के सभी तरह के दुख संकट दूर होते हैं और सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है।

सनातन धर्म में तुलसी का विशेष धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है। इसे देवी लक्ष्मी का स्वरूप माना जाता है और इसकी पूजा करने से घर में सुख-समृद्धि और शांति बनी रहती है। तुलसी की मंजरी का उपयोग विभिन्न ज्योतिषीय उपायों में किया जाता है, जिससे जीवन की परेशानियां दूर होती हैं और धन लाभ के योग बनते हैं। इस लेख में हम तुलसी पूजा के महत्व और इसके ज्योतिषीय लाभों के बारे में विस्तार से जानेंगे।

सनातन धर्म में तुलसी का है विशेष महत्व

सनातन धर्म में तुलसी के पौधे का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यता है कि तुलसी के पौधे में मां लक्ष्मी का वास होता है। इसके अलावा, तुलसी को लेकर तमाम मान्यताएं भी हैं। , तुलसी के पास छिपकली का दिखना शुभ संकेत है। माना जाता है कि, यदि तुलसी के पौधे के पास छिपकली दिखाई देती तो इसका मतलब है कि धन-लाभ और समृद्धि हो सकती है। यह घर में सुख-समृद्धि और खुशहाली लाने वाला माना जाता है। इसके अलावा तुलसी के पौधे के पास छिपकली का दिखना घर में सकारात्मक ऊर्जा के बढ़ने और अच्छे समय के आगमन का प्रतीक माना जाता है। अगर तुलसी पर छिपकली दिखाई दे और वह सुरक्षित रूप से चली जाए, तो इसे शुभ माना जाता है और यह संकेत करता है कि आपकी मनोकामनाएं पूरी होने वाली हैं। कुछ संस्कृतियों में, छिपकली को बुरी शक्तियों से सुरक्षा प्रदान करने वाला माना जाता है। इसलिए, तुलसी के पास छिपकली का दिखना घर और परिवार की सुरक्षा का प्रतीक भी माना जाता है। वहीं ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, लेकिन यदि छिपकली बार-बार तुलसी के पौधे पर आती दिखे, तो यह घर में कलह या विवाद का संकेत हो सकता है। तुलसी में मंजरी आने का मतलब है कि जीवन में आने वाले संकटों से निजात मिलेगी। इसके लिए तुलसी की मंजरी को लाल कपड़े में बांधकर अपने घर के उस स्थान पर रख दें, जहां आप अपना धन रखते हैं। ऐसा करने से आपके घर में मां लक्ष्मी का वास होगा.

घर से निकलने से पहले हथेली पर लगाएं गुलाब का इत्र

● कुछ ही हफ्ते में खत्म होंगी ये 2 परेशानियां

वास्तु शास्त्र के हिसाब से हफ्ते के सातों दिन किसी ना किसी ग्रह से जरूर जुड़े होते हैं। अगर दिन के हिसाब से हम छोटे-छोटे उपाय करने लगे तो इसका असर जिंदगी में धीरे-धीरे दिखने लगेगा। शास्त्र के हिसाब से शुक्रवार का दिन काफी महत्वपूर्ण होता है। इस दिन धन की देवी मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है। वहीं इस दिन का संबंध शुक्र ग्रह से माना जाता है। शास्त्र में शुक्र को लग्जरी, प्यार और पैसा देने वाला ग्रह कहा जाता है। जिन लोगों की कुंडली में शुक्र ग्रह मजबूत होता है, उनकी जिंदगी में इन चीजों को कमी कभी नहीं होगी। अगर आपकी कुंडली में ये ग्रह उतना मजबूत नहीं हैं तो घबराने की जरूरत नहीं है। अगर शुक्रवार के दिन एक आसान सा उपाय कर लिया जाए तो तमाम लोग इससे होने वाले फायदे का लाभ आसानी से उठा सकते हैं। तो आइए जानते हैं कि ये उपाय क्या है और इससे क्या-क्या लाभ हमें मिल सकते हैं?

शुक्र ग्रह का मजबूत और कमजोर होना

शुक्रवार और शुक्र ग्रह का बेजोड़ संबंध है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार शुक्र ग्रह के मजबूत और कमजोर होने से इसका असर सुख-सुविधाओं, रिश्तों और पैसों पर पड़ता है। जब शुक्र मजबूत होता है तो जिंदगी में प्यार और पैसे की कोई कमी नहीं होती है। जिनका ये ग्रह मजबूत होता है वो लोग लग्जरी लाइफ जीते हैं। वहीं इसके कमजोर होते ही रिश्तों में मनमुटाव की स्थिति बनती है और पैसों की तंगी परेशान करती है।

हथेली पर लगा लें गुलाब का इत्र

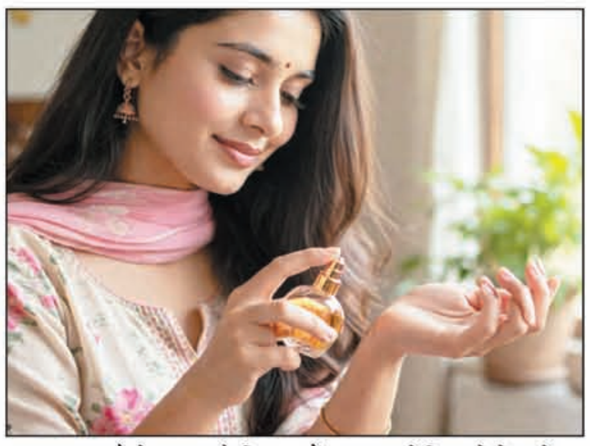

अगर आपको अपना शुक्र ग्रह मजबूत करना है तो शुक्रवार के दिन एक आसान सा उपाय कर सकते हैं। ज्योतिष शास्त्र में शुक्र ग्रह के उपाय के तौर पर बताया जाता है कि गुलाब का इत्र से काफी लाभ मिल सकते हैं। अगर घर से निकलने से पहले हथेली पर थोड़ा सा इत्र लगा लिया जाए तो इसे काफी शुभ माना जाता है। हालांकि इत्र को लगाने का भी नियम है।

रोज-रोज झगड़ों की वजह हो सकते हैं यह वास्तु दोष

घर में किसी न किसी बात पर अक्सर झगड़े होते रहते हैं। इसके लिए कहीं वास्तुदोष तो जिम्मेदार नहीं है। हमारे जीवन में वास्तु का विशेष महत्व होता है। वास्तु के उपाय से निजी जीवन और प्रोफेशनल लाइफ में फैली तमाम तरह की परेशानियों को दूर किया जा सकता है। यह कुछ ऐसे ही टिप्स हैं जिन्हें अपनाकर सभी तरह की परेशानियों से पीछा छुड़ाया जा सकता है।

वास्तु शास्त्र में ईशान कोण का विशेष महत्व होता है। इस दिशा को बहुत ही शुभ माना जाता है। घर का ईशान भाग उठा हुआ नहीं होना चाहिए। घर के इस हिस्से में यह दोष होने से पिता-पुत्र के बीच दूरियां बढ़ती है।

घर के उत्तर पूर्व कोने में स्टोर रूम नही बनवाना चाहिए ऐसा करने से भी घर के सदस्यों के बीच लड़ाई-झगड़ा होता है।

वास्तु अनुसार उत्तर पूर्वी दिशा में रसोई घर या शौचालय होने पर घर के सदस्यों की बीच में मनमुटाव बना रहता है। इस परेशानी को दूर करने के लिए घर के उत्तर पूर्वी दिशा में रसोईघर या शौचालय नहीं होना चाहिए।

ईशान कोण पर बिजली के उपकरणों को रखने से पिता पुत्र के बीच अनबन बनी रहती है। घर के उत्तर पूर्वी दिशा में इन चीजो को नही रखना चाहिए।

वास्तु के अनुसार घर के उत्तर-पूर्व दिशा में कूड़ेदान नहीं रखना चाहिए इससे घर के सदस्यों के बीच में मनमुटाव रहता है।

इस आलेख में दी गई जानकारियों पर हम यह दावा नहीं करते कि ये पूर्णतया सत्य एवं सटीक हैं तथा इन्हें अपनाने से अपेक्षित परिणाम मिलेगा।

वास्तु में दिशाओं का महत्व

● आपके दैनिक जीवन ● स्वास्थ्य और धन पर दिशाओं का चमत्कारी प्रभाव

वास्तु में दिशाओं का महत्व केवल घर या सामान तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इसका असर मनुष्यों पर भी पड़ता है। कोई व्यक्ति किस दिशा में सोता है, जागता है, खाता है या काम करता है, इन सबका प्रभाव उसके जीवन पर पड़ता है।

वास्तुशास्त्र में अलग-अलग दिशाएँ अलग-अलग ऊर्जाओं से जुड़ी होती हैं। ये दिशाएँ केवल घर की नहीं, बल्कि व्यक्ति के जीवन की दिशा भी तय करती हैं। जिस दिशा में हम रहते, काम करते, सोते या पूजा करते हैं, उसका सीधा असर हमारी सोच, स्वास्थ्य, धन और रिश्तों पर पड़ता है। दिशाओं का असर केवल आध्यात्मिक ही नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक भी होता है। सूर्य की गति, हवा का प्रवाह और चुंबकीय क्षेत्र सीधे तौर पर स्वास्थ्य और मूड को प्रभावित करते हैं।

पूर्व दिशा –पूर्व दिशा को उन्नति, अध्यात्म और ज्ञान की दिशा माना गया है। यह दिशा सूर्य की दिशा है। इस दिशा की ऊर्जा का असर बुद्धि, आत्मविश्वास, प्रतिष्ठा और करियर में उन्नति पर पड़ता है। इसलिए, इस दिशा में अध्ययन कक्ष, मुख्य द्वार, बच्चों का कमरा होना बेहद शुभ माना जाता है। पूर्व दिशा में खिड़की या पूजा स्थान होने से सकारात्मक ऊर्जा और मानसिक शांति मिलती है। इस दिशा में दोष होने पर निर्णय क्षमता कमजोर और अवसर हाथ से निकलना जैसी **पश्चिम दिशा**–यह लाभ और संतुलन की दिशा मानी जाती है। इस दिशा की ऊर्जा से मेहनत का फल, धैर्य और सामाजिक मान-सम्मान मिलता है। सूर्यास्त की ऊर्जा मन को शांत करती है और दिन का संतुलन देती है। इस दिशा में भोजन कक्ष बनाने या बच्चों का कमरा बनाने की सलाह दी जाती है। पश्चिम दिशा में भोजन कक्ष या बैठक कक्ष होने से परिवारिक संबंध मजबूत होते हैं। इस दिशा में दोष होने पर काम में देरी या अपेक्षित परिणाम न मिलने जैसी समस्याएं भुगतनी पड़ती है।

उप-दिशाओं का असर

अग्नि कोण

यह दिशा ऊर्जा, स्वास्थ्य और पाचन के लिए उपयुक्त मानी जाती है। इसलिए, इस दिशा में रसोई बनानी की सलाह दी जाती है। इस दिशा में दोष होने पर क्रोध या वैवाहिक तनाव जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है।

दक्षिण दिशा -

यम की दिशा होने के कारण इसे अक्सर गलत समझा जाता है, जबकि यह स्थिरता और शक्ति की दिशा है। लोगों को इस दिशा में मास्टर बेडरूम बनाने की सलाह दी जाती है।

उत्तर दिशा

उत्तर दिशा कुबेर की दिशा मानी जाती है। इसलिए, यह धन, करियर और अवसर की दिशा भी मानी जाती है। यह दिशा तिजोरी रखने, ऑफिस या वर्कस्टेशन के लिए बिलकुल सही मानी जाती है। इससे आर्थिक स्थिरता, व्यापार में वृद्धि और नए अवसर मिलते हैं। उत्तर चुंबकीय ऊर्जा का स्रोत है, जो मानसिक स्पष्टता और निर्णय क्षमता को बढ़ाती है। उत्तर दिशा में मुख्य द्वार या ऑफिस होने से आर्थिक वृद्धि और नए अवसर मिलते हैं। अगर इस दिशा में दोष हो, तो आय में रुकावट और कर्ज की स्थिति पैदा हो जाती है।

पितृदोष से लेकर कई ग्रह दोषों का निवारणकरती है गाय

गााय का वर्णन हमरे पुराणोंमें है। इसके अलावा ज्योतिष में भी गायों को महत्व दिया गया है। शिवपुराण एवं स्कन्दपुराण में कहा गया है कि गोसेवा और गोदान से यमराज का भय नहीं रहता है। इसलिए हमें गायों की सेवा करनी चाहिए। शुभ कार्यों के लिए गोधूलि वेला खास बताई गई है। मंगल कार्यों के लिए सर्वोत्तम मुहूर्त जब गाय चारा चरकर जंगल से वापस आती हैं, उस समयको गोधूलिवेला कहा जाता है। गाय को ज्योतिष में भी खास माना जाता है। ऐसा कहा जाता है कि अगर गाय को रोटी खिलाएं और गाय की सेवा करें, तो कई ग्रह दोष दूर हो जाते हैं। यहां पढ़ें गाय से किन जयोतिष दोषों में लाभ होता है। अगर आप किसी शुभ कार्य के लिएजा रहे हैं, तो आपको बछड़े को दूध पिताली हुई गाय मिल जाए, तो समझ लें कि आप जिस काम के लिए जा रहे हैं, वो सफल हो जाएगा।

कोलकाता ने इस सीजन दर्ज की पहली जीत, राजस्थान को चार विकेट से हराया

एजेंसी

कोलकाता : कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में अपनी पहली जीत दर्ज कर ली है। रविवार को कोलकाता के इडेन गार्डन्स में खेले गए मैच में केकेआर ने राजस्थान रॉयल (आरआर) को 4 विकेट से हरा दिया। मुकाबले में राजस्थान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में नौ विकेट पर 155 रन बनाए। जवाब में कोलकाता की टीम ने रिंकू सिंह की 34 गेंदों में नाबाद 53 रन की अर्धशतकीय और अनुकूल रॉय की 16 गेंदों में 29 रन की नाबाद पारियों के दम पर 19.4 ओवर में छह विकेट पर 161 रन बनाकर मैच अपने नाम किया।कोलकाता इस सीजन अब तक सात मैच खेल चुकी है। टीम को पांच मैचों में हार का सामना करना पड़ा है, जबकि एक मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था। टीम तीन अंकों के साथ अंक तालिका में नौवें स्थान पर है। वहीं राजस्थान की 6 मैचों में यह दूसरी हार है। टीम ने चार मैचों में जीत दर्ज की है और उसके आठ अंक है। राजस्थान अंक तालिका में तीसरे नंबर पर है। 156 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी केकेआर की शुरूआत अच्छी नहीं रही। टीम ने पांच रन के अंदर दो विकेट गंवा दिए। कप्तान अजिंक्य रहाणे और टिम सेफर्ट खाता खोले बिना आउट हुए। पिछले मैच में अर्धशतकीय पारी खेलने वाले कैमरन ग्रीन भी बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे और 27 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद अंगकृष रघुवंशी 10 रन, रोवमैन पॉवेल 23 रन बनाकर और रमनदीप सिंह 10 रन बनाकर आउट हुए। टीम ने 85 रन तक छह विकेट खो दिए। छह झटके लगने के बाद रिंकू सिंह और अनुकूल रॉय ने पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने बेहतरीन बल्लेबाजी की। दोनों खिलाड़ियों ने सातवें विकेट के लिए 76 रनों की नाबाद साझेदारी कर टीम को इस सीजन की पहली जीत दिला दी। रिंकू ने 34 गेंदों में 5 चौके और 2 छक्के की मदद से नाबाद 53 रन और अनुकूल ने 16 गेंदों में एक चौका और दो छक्के की मदद से 29 रन की नाबाद पीरियां खेली। राजस्थान की ओर से रवींद्र जडेजा ने 2 विकेट लिए, जबकि जोफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर, रवि बिश्नोई और यशराज पुंजा ने एक-एक विकेच हासिल किया। मुकाबले में राजस्थान रॉयल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में नौ विकेट पर 155 रन बनाए थे। राजस्थान को सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी ने शानदार शुरूआत दिलाई। वैभव ने 28 गेंदों पर छह चौकों और दो छक्कों की मदद से 46 रन बनाए, जबकि यशस्वी ने 29 गेंदों पर चार चौकों और दो छक्कों की मदद से 39 रन की पारी खेली। इन दोनों का विकेट गिरने के बाद राजस्थान की पारी लड़खड़ा गई। टीम का अन्य कोई बल्लेबाजी बल्ले से कमाल नहीं दिखा सका। शिमरॉन हेत्मायर ने 15 रन और कप्तान रियान पराग ने 12 रन, रवीन्द्र जडेजा 09 रन, जोफ्रा आर्चर 08 रन और डोनोवन फरेरा ने 07 रन का योगदान दिया। कोलकाता के लिए कार्तिक त्यागी और वरुण चक्रवर्ती ने तीन-तीन विकेट झटके, जबकि सुनील नरेन को दो विकेट मिले।

भारतीय महिला हॉकी टीम ने शूटआउट में अर्जेंटीना को हराया, सीरीज में बराबरी

एजेंसी

ब्यूनस आयर्स : भारतीय महिला हॉकी टीम ने अर्जेंटीना दौरे पर शानदार जज्बा दिखाते हुए चार मैचों की सीरीज 2-2 से बराबर कर ली। शुरूआती दो मुकाबलों में हार के बाद टीम ने जोरदार वापसी करते हुए अंतिम दो मैच जीतकर दौरे का समापन सकारात्मक अंदाज में किया। दौरे की शुरूआत 13 अप्रैल को खेले गए पहले मैच से हुई, जिसमें भारत ने अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन उसे 4-2 से हार का सामना करना पड़ा। भारत के लिए नवनीत कौर और अनु ने गोल किए, जबकि अर्जेंटीना की ओर से मारिया एमिलिया लार्सेन, विक्टोरिया ग्रानाटो और जूलिएटा जांकुनास ने शानदार खेल दिखाया। दूसरे मुकाबले में भारत को 2-1 से हार झेलनी पड़ी, हालांकि इशिका ने शुरूआती बढ़त दिलाई थी। लेकिन अर्जेंटीना की अगुस्टिना गोरजेलानी ने दो गोल दागकर मैच अपने नाम कर लिया। इसके बाद भारतीय टीम ने तीसरे मैच में वापसी करते हुए 2-1 से जीत दर्ज की। इस मुकाबले में फिर से नवनीत कौर और नेहा ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। सीरीज का अंतिम मुकाबला 17 अप्रैल को बेहद रोमांचक रहा, जो निर्धारित समय में 0-0 से ड्रॉ रहा। भारतीय डिफेंस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विपक्षी टीम को कोई मौका नहीं दिया। शूटआउट में भारत ने 3-2 से जीत हासिल कर सीरीज को बराबरी पर खत्म किया। स्टैंड-इन कप्तान नवनीत कौर ने टीम के प्रदर्शन पर संतोष जताते हुए कहा कि शुरूआती हार के बाद वापसी करना आसान नहीं था, लेकिन टीम ने दबाव में शानदार खेल दिखाया। यह दौरा भारतीय टीम के लिए काफी अहम साबित हुआ, जिससे खिलाड़ियों को शीर्ष स्तर की टीम के खिलाफ अनुभव मिला। अब टीम स्वदेश लौटकर आगामी प्रतियोगिताओं की तैयारी में जुटेगी।

वरुण चक्रवर्ती ने रचा इतिहास, टी20 क्रिकेट में 200 विकेट क्लब में की एंट्री

एजेंसी

स्पोर्ट्स डेस्क : इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के तहत कोलकाता नाइट राइडर्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच खेले गए मुकाबले में वरुण चक्रवर्ती ने अपनी शानदार गेंदबाजी से मैच का रुख बदल दिया। ईडन गार्डन्स में खेले गए इस मुकाबले में उन्होंने न सिर्फ विकेट झटके, बल्कि एक बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। वरुण चक्रवर्ती ने इस मैच में टी20 क्रिकेट में अपने 200 विकेट पूरे कर लिए और इसके साथ ही वह इस मुकाम तक पहुंचने वाले सबसे तेज भारतीय स्पिनर बन गए। वह ओवरऑल भारतीय गेंदबाजों में दूसरे सबसे तेज 200 विकेट लेने वाले गेंदबाज भी बने। इस दौरान उन्होंने अपने ही साथी कुलदीप यादव को पीछे छोड़ा, जबकि इस सूची में अर्शदीप सिंह उनसे आगे हैं। वरुण ने मैच में कमाल की गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 14 रन देकर 3 विकेट झटके। उन्होंने खतरनाक दिख रहे वैभव सूर्यवंशी को अपनी पहली ही गेंदबाजी स्पेल में आउट कर बड़ा झटका दिया। इसके बाद उन्होंने रियान पराग और यशस्वी जयसवाल जैसे अहम बल्लेबाजों को भी पवेलियन भेजकर राजस्थान की पारी को पूरी तरह से दबाव में ला दिया। वरुण चक्रवर्ती ने फ्लाइटेड गेंद डालकर युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को बड़ा शॉट खेलने के लिए ललचाया। बल्लेबाज गेंद की लाइन को सही तरह समझ नहीं पाए और मिड-विकेट की ओर हवा में शॉट खेल बैठे। वहां रमनदीप सिंह ने शानदार कैच पकड़कर केकेआर को अहम सफलता दिलाई।

चेन्नई सुपर किंग्स को बड़ा झटका, आयुष म्हात्रे को हैमस्ट्रिंग में लगी गंभीर चोट

एजेंसी

हैदराबाद : चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे की चोट को लेकर टीम के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी ने अपडेट दिया है। उन्होंने पुष्टि की है कि आयुष म्हात्रे को हैमस्ट्रिंग में लगी चोट गंभीर लग रही है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शनिवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ चेन्नई के मैच के दौरान 18 वर्षीय दाएं हाथ के बल्लेबाज म्हात्रे को विकेटों के बीच दौड़ते समय संघर्ष करते देखा गया। मैच शानदार बल्लेबाजी करते हुए म्हात्रे ने 12 गेंदों में 30 रन बना लिए थे, लेकिन दो रन दौड़ने के दौरान रुक गए और अपनी हैमस्ट्रिंग पकड़ ली। उन्होंने अपना हेलमेट उतार दिया और दर्द में दिखे। उन्हें तुरंत मैदान पर ही चिकित्सा सहायता की आवश्यकता पड़ी। मैदान पर उपचार के बाद म्हात्रे ने खेलना जारी रखा और लगभग लंगड़ाते हुए एक रन भी लिया। फिर अगली ही गेंद को एक्स्ट्रा कवर की ओर जोर से मारा, जहां हेनरिक क्लासेन ने एक शानदार कैच लपक लिया। मैच में हार के बाद सीएसके के बल्लेबाज कोच माइकल हसी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि जाहिर है यह हैमस्ट्रिंग में खिंचाव (टियर) है। मुझे नहीं पता यह कितना गंभीर है। उसे कल या अगले दिन स्कैन के लिए ले जाएंगे। उन्होंने कहा कि मैं पूरी तरह निश्चित नहीं हूं लेकिन हां, दुर्भाग्य से यह काफी बुरा लग रही है और उनका न होना हमारे लिए एक बहुत बड़ा नुकसान होगा, क्योंकि वह हमारे लिए बहुत अच्छी फॉर्म में रहे हैं। हसी ने कहा कि वह एक शानदार युवा प्रतिभा है, लेकिन इससे किसी और खिलाड़ी को मौका मिलेगा। यह भी अपने आप में रोमांचक है। हमारे पास कुछ बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं जिन्हें अब तक मौका नहीं मिल पाया है। अब उनमें से किसी एक के लिए यह बेहतरीन अवसर होगा। बल्लेबाजी कोच ने कहा कि जहां तक आयुष को खोने की बात है, हम इससे बहुत निराश हैं। मुझे नहीं पता वह कितने समय तक बाहर रहेगा, लेकिन किसी नए खिलाड़ी के लिए यह मौका मिलना भी उतना ही उत्साहजनक है।

अंतिम ओवरों में हम उतने रन नहीं बना सके, जितना हम चाहते थे : दिनेश कार्तिक

एजेंसी

बेंगलुरु : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बल्लेबाजी कोच दिनेश कार्तिक ने दिल्ली कैपिटल्स से मिली हार के बाद टीम के प्रदर्शन पर कहा कि अंतिम ओवरों में हम उतने रन नहीं बना सके, जितना हम चाहते थे। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि मुश्किल पिच पर हमने अधिकांश समय अच्छा खेल दिखाया। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में दिल्ली कैपिटल्स के विरुद्ध मैच में आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट की 63 रन की पारी की मदद से 20 ओवर में आठ विकेट पर 175 रन बनाए थे। जवाब में दिल्ली की टीम ने चार विकेट पर 179 रन बनाकर मैच जीत लिया। दिल्ली के लिए केएल राहुल (57) और ट्रिस्टन स्टब्स (60) ने बेहतरीन बल्लेबाजी की, लेकिन आखिरी ओवर में डेविड मिलर ने 10 गेंदों में 22 रन की विस्फोटक पारी खेलकर मैच फिनिश किया। आरसीबी के बल्लेबाजी कोच दिनेश कार्तिक ने टीम के प्रयासों पर बात करते हुए कहा कि बल्लेबाजी के लिए यह एक मुश्किल पिच थी और हमने पारी के लगभग 75 प्रतिशत हिस्से में काफी अच्छा खेला। लेकिन आखिरी पांच ओवरों में हम उतने रन नहीं बना सके जितने हम चाहते थे। इसके बावजूद हमने बेहतरीन गेंदबाजी की और फील्डिंग में पूरी जान लगा दी। अंत में उनके दो शानदार बल्लेबाज आए और मैच को पलट दिया, जो टी20 क्रिकेट में होता है। कार्तिक ने आगे कहा कि भुवी, हेजलवुड और रासिख ने बेहतरीन ओवर डाले। 19वां ओवर एकदम सटीक था और हमने मैच को अंत तक ले जाने की कोशिश की। फिर शेफर्ड ने भी कुछ अच्छी गेंदें डालीं, लेकिन डेविड मिलर ने भी कुछ शानदार शॉट्स लगाए। कुल मिलाकर गेंदबाजी से हम संतुष्ट हैं। हालांकि थोड़ा और बेहतर कर सकते थे। इस तरह के मैच में आप हमेशा यही सोचते हैं कि हम कहां थोड़ा और बेहतर कर सकते थे।

घरेलू हॉकी में पंजाब और ओडिशा ने कांस्य पदक जीतकर अपनी मजबूत विरासत को आगे बढ़ाया

एजेंसी

नई दिल्ली : हॉकी पंजाब और हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने हाल ही में संपन्न हुई 16वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर नेशनल चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर घरेलू हॉकी में अपनी मजबूत विरासत को आगे बढ़ाया। पुरुष वर्ग में हॉकी पंजाब ने पोडियम फिनिश हासिल किया, जबकि महिला वर्ग में हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इन प्रदर्शनों ने एक बार फिर साबित किया कि दोनों टीमें घरेलू हॉकी में लंबे समय से लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं और नियमित रूप से पदक जीतने के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को भी तैयार कर रही हैं। हॉकी पंजाब घरेलू प्रतियोगिताओं में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीमों में से एक रही है। जिसने विभिन्न श्रेणियों में कुल 33 पदक (14 स्वर्ण, 6 रजत और 13 कांस्य) हासिल किए हैं। इसमें पुरुष टीम का योगदान सबसे अधिक है, जिसने कुल 26 पदक जीते हैं। इनमें सीनियर और जूनियर पुरुष श्रेणियों में 5-5 स्वर्ण पदक शामिल हैं। सीनियर पुरुष टीम इस सफलता की आधारशिला रही है। हाल ही में टीम ने 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 का खिताब जीता, जिसमें जुगराज सिंह टीम के लिए सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी रहे। भारतीय पुरुष हॉकी टीम में भी पंजाब की मजबूत मौजूदगी है, जहां कप्तान हरमनप्रीत सिंह टीम का नेतृत्व कर रहे हैं और हार्दिक सिंह मिडफील्ड में अहम भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा सुखजीत सिंह और अभिषेक आक्रमण में मजबूती देते हैं, जबकि गोलकीपर कृष्ण बहादुर पाठक और डिफेंडर जुगराज सिंह व जर्मनप्रीत सिंह टीम के प्रमुख खिलाड़ी हैं। नई पीढ़ी के खिलाड़ी भी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। मनमीत सिंह, अर्शदीप सिंह और प्रिंसदीप सिंह ने हॉकी पंजाब के लिए घरेलू स्तर पर शानदार प्रदर्शन कर भारतीय जूनियर टीम में जगह बनाई और एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर वर्ल्ड कप तमिलनाडु 2025 में भारत के अभियान का भी हिस्सा रहे। वहीं, हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने पुरुष और महिला दोनों वर्गों में संतुलित प्रदर्शन करते हुए कुल 26 पदक (11 स्वर्ण, 7 रजत, 8 कांस्य) जीते हैं। पुरुष टीम ने 19 पदक (10 स्वर्ण, 6 रजत, 3 कांस्य) हासिल किए, जिसमें जूनियर और सब-जूनियर स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन शामिल है।

संक्षिप्त खबरें

केन्या के केफर लुंबासी ने जीती सातवीं चन्द्रशेखर हाफ मैराथन की ट्राफी

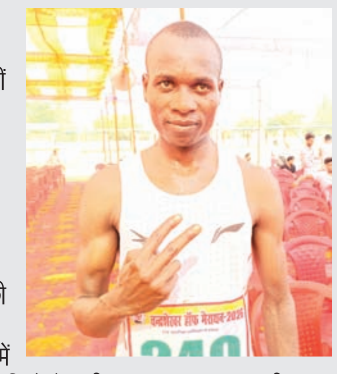

बलिया : पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की स्मृति में रविवार को आयोजित सातवीं चंद्रशेखर हाफ मैराथन (21 किलोमीटर) की सवा लाख रुपये इनाम राशि की ट्राफी केन्या के धावक केफर लुम्बासी ने जीत ली। प्रयागराज के सचिन यादव द्वितीय और केन्या के केबिछी वाइजली ने तीसरा स्थान हासिल किया। इस मैराथन में भाग लेने के लिए 730 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया था। सभी खिलाड़ी सुबह छह बजे स्टार्टिंग प्वाइंट पर पहुंचे। पटपर पचखोरा में मैराथन का फ्लैग ऑफ सांसद नीरज शेखर व भाजपा जिलाध्यक्ष संजय मिश्र ने किया। केन्या के धावकों ने शुरू से ही बढ़त बनाए रखी। 240 नंबर जर्सी पहने केनिया के केफर लुंबासी ने 59 मिनट पांच सेकण्ड में अपनी दौड़ पूरी की। केनियायी धावक केफर लुंबासी ने पचखोरा में स्टार्टिंग प्वाइंट से लेकर वीर लोरिक स्पोर्ट्स स्टेडियम में फिनिश लाइन तक लगातार बढ़त बनाए रखी। हालांकि, प्रयागराज के सचिन यादव ने भी केनियायी धावक का साथ नहीं छोड़ा। उन्होंने शुरू से ही केफर को पछाड़ने के लिए पूरी ताकत झोंकी, मगर महज 32 सेकण्ड से पिछड़ कर द्वितीय स्थान हासिल किया। 230 नंबर की जर्सी पहने सचिन यादव ने अपनी दौड़ 59 मिनट 37 सेकण्ड में पूरी की। केन्या के ही केबिछी वाइजली ने तृतीय स्थान हासिल किया। केबिछी ने एक घंटे 53 सेकण्ड में दौड़ पूरी की। 270 नंबर के धावक वाराणसी के अनिल पटेल ने चतुर्थ स्थान, 271 नंबर के धावक वाराणसी के जुगनू कुमार ने पांचवां स्थान, 269 नंबर के धावक वाराणसी के अभिषेक प्रजापति ने छठवां स्थान, 244 नंबर के केनिया के चेपके वांग ने सातवां स्थान, 153 नंबर के धावक बलिया के सोनू कुमार राजभर आठवां स्थान, 172 नंबर के धावक बलिया के नीतीश कुमार ने नौवां स्थान और 703 नंबर के धावक मध्य प्रदेश के मऊगंज के पंकज पटेल ने दसवां स्थान हासिल किया। पंकज पटेल ने अपनी दौड़ एक घंटे सात मिनट और पंद्रह सेकण्ड में पूरी की। फिनिशिंग लाइन तक पहुंचे वाराणसी के कुश कुमार ने एक घंटा 15 मिनट 23 सेकण्ड में दौड़ पूरी की। लगभग डेढ़ सौ खिलाड़ी फिनिश लाइन तक पहुंच सके। प्रथम विजेता केन्या के केफर लुंबासी को एक लाख 25 हजार, द्वितीय विजेता सचिन यादव को 65 हजार और तृतीय स्थान पर रहने वाले केन्या के केबिछी वाइजली को 35 हजार नकद का पुरस्कार दिया गया। स्टेडियम में पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में ज्ञानकुंज बंशी बाजार के छात्रों ने अपनी सांगीतमय प्रस्तुति से समा बांध दिया।

शेफाली वर्मा 100 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली पांचवीं भारतीय महिला बनीं

दक्षिण अफ्रिका : भारतीय महिला क्रिकेट टीम की युवा सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। वह कप्तान हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना, दीप्ति शर्मा और जेमिमा रोड्रिग्स के बाद 100 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली पांचवीं भारतीय महिला खिलाड़ी बन गई हैं। शेफाली ने यह मुकाम दक्षिण अफ्रीका के विरूद्ध डरबन के किंग्समीड मैदान पर खेले जा रहे दूसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान हासिल किया। भारतीय टीम इस समय दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर है, जहां वह पांच मैचों की टी-20 सीरीज खेल रही है। पहला मैच जीतकर मेजबान टीम सीरीज में 1-0 से आगे है। दोनों टीमों के बीच रविवार को सीरीज का दूसरा मैच खेला जा रहा है। इस मुकाबले में टॉस जीतकर दक्षिण अफ्रीका महिला टीम ने गेंदबाजी का निर्णय लिया। भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी के लिए आई। टीम की सलामी शेफाली वर्मा जैसे ही मैदान पर कदम रखा, उन्होंने 100 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने की उपलब्धि हासिल कर ली। इस ऐतिहासिक उपलब्धि से पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा जारी एक वीडियो में शेफाली ने अपनी भावनाएं साझा करते हुए कहा कि यह उनके लिए बेहद खास पल है। उन्होंने कहा कि मैंने क्रिकेट को अपना पूरा बचपन दिया है। जिस समय छोटे बच्चे अपने मम्मी-पापा के साथ खेलते हैं, उस समय मैने अपने आप को पूरी तरह क्रिकेट को समर्पित किया। जब मैं 15 साल की थी, तब मैंने पदार्पण किया था और अब 100वां टी-20 मैच खेलने जा रही हूं, यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। लेकिन मुझे यहां रुकना नहीं है, मुझे लगातार मेहनत करते रहना है और हर दिन बेहतर बनना है। शेफाली ने याद करते हुए बताया कि उनका अंतरराष्ट्रीय करियर भी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ही शुरू हुआ था और आज उसी टीम के खिलाफ वह अपना 100वां टी20 मैच खेल रही हैं। उन्होंने कहा कि मुझे आज भी वह पल याद है जब मैं मैदान पर आई थी और स्मृति दीदी से मैंने अपनी कैप ली थी। वह मेरे जीवन का सबसे खास पल था। उन्होंने आगे कहा कि अभी मेरे बहुत सारे लक्ष्य हैं। मुझे 100 पर रुकना नहीं है। मेरा सपना है कि मैं भारत के लिए ज्यादा से ज्यादा आईसीसी ट्रॉफियां जीतूं। शेफाली वर्मा ने 24 सितंबर, 2019 को सूरत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी-20 अंतरराष्ट्रीय में पदार्पण किया था। तब से 99 टी-20 मैचों में इस बल्लेबाज ने 27.75 के औसत और 135.22 के शानदार स्ट्राइक रेट से 2,553 रन बनाए हैं, जिनमें 14 अर्धशतक शामिल हैं।

कानपुर मंडल की टीम ने टाइब्रेकर में जीती अंतर मंडलीय प्रदेश स्तरीय फुटबॉल चैंपियनशिप

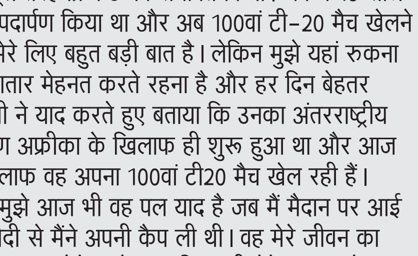

मुरादाबाद : अंडर-20 अंतर मंडलीय प्रदेश स्तरीय फुटबॉल चैंपियनशिप 2026 का आज फाइनल मैच कानपुर और आजमगढ़ मण्डल की टीम के मध्य एमपीएस ग्राउंड पर खेला गया। इस मैच में कानपुर मंडल की टीम टाइब्रेकर में विजयी बनी। विजेता टीम को आज सम्मानित किया। वहीं रनर रही आजमगढ़ मंडल की टीम के खिलाड़ियों को भी टॉफी देकर सम्मानित किया गया। जिला फुटबॉल एसोसिएशन मुरादाबाद के महासचिव मुहम्मद नासिर कमाल ने बताया कि खेल का पहले मध्यांतर तक स्कोर 1-0 रहा, खेल मे दूसरे मध्यांतर में आजमगढ़ ने योजनाबद्ध तरीके से कानपुर के गोल पर आक्रमण कर खेल को आपने पक्ष मे करने का पूरा प्रयास किया परन्तु खेल के अंतिम क्षणों में आजमगढ़ के फारवर्ड ने गोल कर स्कोर बराबर कर दिया। स्कोर बराबर होने पर निर्णायक ने नियमानुसार टाइब्रेकर का सहारा लिया जिसमें कानपुर के खिलाड़ियों ने अपओ सभी किक गोल किए परन्तु आजमगढ़ के एक खिलाडी की किक कानपुर के गोलकीपर ने रोक कर अपनी टीम को चैंपियन बनाया। मुख्य अतिथि एमपीएस के एडमिस्ट्रेटर के पुत्र डॉ. आमिर आलम रहे। जिला फुटबॉल एसोसिएशन के सचिव मोहम्मद नासिर कमाल ने मुख्य अतिथि को बुके व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि द्वारा विनर व रनर टीम को ट्रॉफी व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

एक नजर

हिमाचल के ऊंचे इलाकों में हल्का हिमपात, ऊना में पारा 36 डिग्री पार

शिमला : हिमाचल प्रदेश में रविवार को मौसम का मिला-जुला रूप देखने को मिला। एक ओर राज्य के अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की बर्फबारी दर्ज की गई, तो दूसरी ओर मैदानी और निचले क्षेत्रों में तेज धूप के कारण तापमान 36 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया। मौसम के इस बदलते मिजाज ने प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में ठंड और गर्मी का एक साथ अहसास कराया। मौसम विभाग के अनुसार लाहौल-स्पीति जिले के कोकसर में हल्का हिमपात दर्ज किया गया है, जबकि प्रदेश की अन्य ऊंची चोटियों पर भी बर्फबारी हुई। राजधानी शिमला और पर्यटन नगरी मनाली में दिनभर बादल छाए रहे, जिससे यहां तापमान में गिरावट दर्ज की गई और लोगों को ठंडक महसूस हुई। इसके विपरीत ऊना जिला प्रदेश का सबसे गर्म क्षेत्र रहा, जहां अधिकतम तापमान 36.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। प्रदेश के अन्य प्रमुख स्थानों की बात करें तो सुंदरनगर में अधिकतम तापमान 31.7 डिग्री, नाहन में 32.1 डिग्री, सोलन में 31.2 डिग्री, कांगड़ा में 31.4 डिग्री, मंडी में 32.7 डिग्री और बरठीं में 34.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं शिमला में अधिकतम तापमान पिछले दिन की तुलना में 3.9 डिग्री की गिरावट के साथ 25.9 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि मनाली में यह 20.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। राज्य के औसतन अधिकतम तापमान में 0.9 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

रामेश्वर आश्रम धाम में 'राम रसोई' का शुभारंभ

हरिद्वार : अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर सन्यास रोड स्थित रामेश्वर आश्रम धाम में 'राम रसोई' का विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ परमाध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी रामेश्वरानंद सरस्वती, महानिवार्णी अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी विशोकानंद, अखाड़ा सचिव श्रीमहंत रविंद्रपुरी, स्वामी गिरधर गिरी, महंत देवानंद सरस्वती, कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया।
इस अवसर पर स्वामी रामेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि हरिद्वार में देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए 'राम रसोई' की शुरुआत की गई है, जहां दिनभर नि:शुल्क भोजन प्रसाद उपलब्ध कराया जाएगा। कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक ने इस पहल को सराहनीय बताते हुए कहा कि इससे हरिद्वार आने वाले श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिलेगी। श्रीमहंत रविंद्रपुरी ने कहा कि चारधाम यात्रा, कांवड़ मेला और विभिन्न स्नान पर्वों के दौरान श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए यह पहल अत्यंत उपयोगी साबित होगी। कार्यक्रम में धनंजय, राहुल, अमित, सचिन सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

अवैध खनन में लिप्त पंजाब के तीन ट्रक जब्त

कठुआ: अवैध खनन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत भू-विज्ञान एवं खनन विभाग कठुआ ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पंजाब के तीन ट्रकों को जब्त किया है। ये ट्रक बीती रात रावी नदी से अवैध रूप से खनिज सामग्री निकालने में संलिप्त पाए गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कीढ़ियां गंड्याल क्षेत्र में अवैध खनन की सूचना मिलने पर जिला खनन अधिकारी वरिंदर सिंह के नेतृत्व में टीम ने मौके पर छापेमारी की। इस दौरान तीन ट्रक विभाग के नियमों का उल्लंघन करते हुए खनिज उठाते हुए पकड़े गए। जांच के दौरान ट्रक चालकों द्वारा प्रस्तुत किए गए ए-फॉर्म भी फर्जी पाए गए।

ओरछा के लिए 'पीएमश्री हेली सेवा' के रूप में शुरू की गई है पुष्पक विमान सुविधा : मुख्यमंत्री

एजेंसी

भोपाल : मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि ओरछा में राजा के रूप में विराजमान भगवान श्रीराम के दर्शन के लिए पीएमश्री हेली सेवा के रूप में पुष्पक विमान की सुविधा शुरू की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को राजधानी भोपाल के के स्टेट हैंगर से "पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा" के अंतर्गत नए सेक्टर 'भोपाल-चंदेरी-ओरछा' का शुभारंभ कर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि परशुराम जयंती के मंगल अवसर पर पर्यटन की दिशा में आज मध्य प्रदेश ऐतिहासिक कदम बढ़ा रहा है। आज भोपाल-ओरछा और चंदेरी सेक्टर के लिए पीएम श्री हेली पर्यटन सेवा का शुभारंभ हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज

जिन दो शहरों के लिए सेवा की शुरूआत की गई है, दोनों ही प्रदेश के विरासत स्थल हैं। चंदेरी का संबंध भी श्रीराम और श्रीकृष्ण से ही है। चंदेरी, पौराणिक, आध्यात्मिक, ऐतिहासिक और पर्यटन नगरी के रूप में विख्यात है। मध्य प्रदेश में तेजी से बढ़ रहे एविएशन सेक्टर से महाराष्ट्र सहित कई राज्य प्रेरणा ले रहे हैं। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यात्रियों को बोर्डिंग पास प्रदान किए और हेलीकॉप्टर को झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रदेश में पर्यटन और धार्मिक यात्राओं को सुगम, सुरक्षित और आनंददायक बनाना हेली पर्यटन सेवा का उद्देश्य है। कार्यक्रम में नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला, भोपाल महापौर मालती राय तथा फ्लाई ओला के एस.राम ओला उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रद्धा, साहस, पुरुषार्थ, पराक्रम, ज्ञानशीलता, दानशीलता और उद्दात चरित्र के धनी भगवान परशुराम ने सदैव अन्याय के विरुद्ध संघर्ष किया। अपने साहस-पराक्रम और पुरुषार्थ के नए-नए कीर्तिमान स्थापित करने वाले भगवान परशुराम हर युग में हम सबको प्रेरणा देते रहेंगे। ऐसे दिव्य व्यक्तित्व की जयंती पर प्रदेश को पीएम श्री हेली पर्यटन सेवा समर्पित की जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सभी वर्गों की सेवा के लिए समान रूप से कार्य कर रही है। इलाज के लिए जरूरतमंद लोगों को पीएमश्री एयर एंबुलेंस की सुविधा उपलब्ध कराने की पहल देश में सबसे पहले मध्य प्रदेश द्वारा ही आरंभ की गई है। मध्य प्रदेश का भौगोलिक क्षेत्र बहुत विस्तृत है, प्रदेश में धार्मिक, सांस्कृतिक, वाइल्ड लाइफ, पर्यटन की पर्याप्त संभावनाएं विद्यमान हैं। प्रदेश में आवागमन की दृष्टि से हेली पर्यटन सेवा, पर्यटकों का समय बचाने और यात्रा की रोचकता को बढ़ाने में सहायक होगी। इससे प्रदेश में पर्यटन गतिविधियों का विस्तार होगा, इन गतिविधियों के प्रोत्साहन से प्रदेश में आर्थिक गतिविधियों का भी स्वतः संचालन होता है और रोजगार के नए अवसर भी सृजित होते हैं। उन्होंने कहा कि पर्यटन को प्रोत्साहित करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। प्रदेश में सभी ओर हवाई सेवाओं का विस्तार किया गया है। रेल, बस, सड़क के साथ जल यातायात पर भी कार्य किया जा रहा है। उन्होंने पर्यटन गतिविधियों को प्रोत्साहित करने और पर्यटन स्थलों तक आवागमन को सुगम बनाने के लिए मध्य प्रदेश पर्यटन को बधाई दी।

गुजरात के उधना रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की भारी भीड़ से हालात हुए बेकाबू

एजेंसी

सूरत : गर्मी की छुट्टियां, शादी का सीजन और फैक्टरियों में छुट्टियां घोषित होते ही गुजरात के सूरत में रहने वाले प्रवासी मजदूर अपने-अपने घर लौटने के लिए बड़ी संख्या में रेलवे स्टेशनों पर उमड़ पड़े हैं। इसी के चलते उधना रेलवे स्टेशन पर हालात बेकाबू हो गए। इसके चलते स्टेशन पर भगदड़ जैसे दृश्य देखने को मिले। इससे निपटने के लिए पुलिस को बल प्रयोग करना पड़ा। यात्रियों की भारी भीड़ और ट्रेनों की कमी के कारण स्टेशन परिसर में हालात बेकाबू हो गए और अफरा तफरी मच गयी। यात्री रेलवे स्टेशन के बाहर 12 से 24 घंटे तक लंबी कतारों में भूखे-प्यासे खड़े हुए हैं। धैर्य टूटने पर कई लोगों ने स्टेशन की बाउंड्री कूदकर अंदर घुसने की कोशिश की, जिससे हालात बेकाबू हो गए। इस स्थिति को नियंत्रण में लेने के लिए पुलिस को हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा। स्थानीय सूत्रों के अनुसार स्टेशन पर पीने के पानी की भी भारी किल्लत देखी गई। जब प्रशासन ने पानी की व्यवस्था की गई, तो प्यासे लोग एक-दूसरे से पानी की बोतल भी छीनते नजर आए। इससे रेलवे स्टेशन के हालात का अंदाजा लगाया जा सकता है। स्थानीय सूत्रों का कहना है कि स्टेशन पर यात्रियों की कतार 3 से 5 किलोमीटर तक लंबी हो गई थी। बताया जा रहा है कि यह भीड़ केवल गर्मी की छुट्टियों की वजह से नहीं, बल्कि पिछले कुछ समय से एलपीजी सिलेंडर संकट के कारण भी मजदूरों का पलायन बढ़ा है। इससे यात्रियों की संख्या दोगुनी हो गई है और रेलवे की व्यवस्थाएं पूरी तरह चरमरा गई हैं।

तृणमूल का अर्थ है तोलाबाजी तानाशाही और तुष्टीकरण : जेपी नड्डा

एजेंसी

कूचबिहार : पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव प्रचार के बीच रविवार को कूचबिहार के शीतलकूची में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने ममता बनर्जी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने प्रदेश की सत्तारुढ़ तृणमूल कांग्रेस सरकार की आलोचना कहा है कि तृणमूल का अर्थ है तोलाबाजी, तानाशाही और तुष्टीकरण। बंगाल में ममता सरकार ने आम आदमी को मुसीबत में डाल दिया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अब भी, अगर कोई अपने घर के लिए दीवार बनाना चाहता है, तो तृणमूल सिंडिकेट को इसके लिए भुगतान करना होगा। बंगाल की लड़की ॠतु

प्रामाणिक, जो अपना छोटा सा घर बना रही थी, उसे एक लाख रुपये देने के लिए मजबूर किया गया। जब तक पैसे नहीं दिये गए तब तक मजदूर भी उनके घर पर काम करने नहीं आए। आखिरकार उन्होंने अपने गहने बेच दिए और अपने हिस्से का भुगतान किया, तभी वे अपना घर बनाने में सक्षम हुईं। उन्होंने कहा कि तृणमूल का अर्थ है तोलाबाजी, तानाशाही और तुष्टीकरण। घर बनाने के लिए लोगों को पहले सिंडिकेट को रिश्वत देनी होती है। ऐसी सरकार को सत्ता से बाहर कर दिया जाना चाहिए। नड्डा ने आगे कहा, ₹मेरी बात सुनो, टीएमसी के गुंडों, 5 मई के बाद आपके दिन खत्म हो जाएगा। टीएमसी के गुंडों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी और हम राम राज्य की ओर बढ़ेंगे। उन्होंने कहा, ₹ममता सरकार का उत्तर बंगाल के प्रति शत्रुतापूर्ण रवैया है। ममता सरकार नहीं चाहती कि उत्तर बंगाल का विकास हो। यहां विकास बार-बार रुका हुआ है। यहां के लोगों का शोषण किया गया है, और यहां तक कि चाय बागान भी संकट में है। चाय के उत्पादन में लगभग 15 प्रतिशत की गिरावट आई है। लगभग 80 प्रतिशत चाय बागान या तो बंद हो गए हैं या कमजोर हो गए हैं।

मुख्यमंत्री धामी का एलान, शिक्षा बोर्ड का पाठ्यक्रम न पढ़ाने वाले मदरसे होंगे बंद

एजेंसी

हरिद्वार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हरिद्वार में एक कार्यक्रम के दौरान मदरसा शिक्षा को लेकर बड़ा और सख्त संदेश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि राज्य में संचालित सभी मदरसों में अब उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद के निर्धारित पाठ्यक्रम लागू किया जाएगा। जो मदरसे इस पाठ्यक्रम को नहीं अपनाएंगे, उन्हें बंद कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने शीघ्र ही राज्य का मदरसा बोर्ड भंग कर नया प्राधिकरण लागू करने बात कही है। मुख्यमंत्री धामी रविवार को यहां अखण्ड परम धाम में स्वामी परमानंद गिरि के संन्यास दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्षों से

संचालित मदरसा बोर्ड को भंग कर दिया गया है। अब उसकी जगह उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण का गठन किया गया है। इसके तहत सभी मदरसों को प्राधिकरण से मान्यता लेना अनिवार्य होगा और उत्तराखंड बोर्ड से संबद्धता भी जरूरी होगी। उन्होंने कहा कि राज्य में 1 जुलाई 2026 से बोर्ड का पाठ्यक्रम लागू किया जाएगा और जो मदरसे इस पाठ्यक्रम को नहीं अपनाएंगे, उन्हें बंद कर दिया जाएगा। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि सरकार का उद्देश्य सभी बच्चों को समान और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना है, जिसमें आधुनिक विषय भी शामिल हों। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि चारधाम यात्रा के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। सुरक्षा और सुगमता पर विशेष ध्यान दिया गया है। पिछले अनुभवों के आधार पर व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाया गया है। महिला आरक्षण के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने विपक्ष की आलोचना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नेतृत्व की केंद्र सरकार की ओर से संसद में लाए गए नारी शक्ति वंदन अधिनियम का विरोध कर विपक्ष ने महिलाओं के अधिकारों को नुकसान पहुंचाया है। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार ने 1 जुलाई 2026 से उत्तराखंड में मदरसा बोर्ड को भंग करने का फैसला लिया गया है, जिसमें सभी जिले शामिल हैं। इस फैसले के तहत अब मदरसों को उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा बोर्ड से जुड़कर निर्धारित पाठ्यक्रम लागू करना होगाऔर राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण के नियमों के तहत काम करना होगा। मुख्यमंत्री धामी के राज्य के मदरसा बोर्ड भंग करने के फैसले का संत समाज ने समर्थन किया।

चारधाम यात्रा : अब तक 19.52 लाख से अधिक पंजीकरण

देहरादून : उत्तराखंड की चारधाम यात्रा और हेमकुंड साहिब यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह व आस्था देखी जा रही है। इस साल चारधाम के लिए अब तक कुल 19.52 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने विभिन्न धामों के लिए पंजीकरण कराया हैं। रविवार शाम पर्यटन विभाग की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक केदारनाथ धाम के लिए सबसे अधिक 6.80 लाख श्रद्धालुओं ने पंजीकरण कराया है,जबकि बद्रीनाथ के लिए 5.75 लाख, गंगोत्री के लिए 3.43 लाख, यमुनोत्री के लिए 3.33 लाख और हेमकुंड साहिब के लिए करीब 19 हजार पंजीकरण दर्ज किए गए हैं। रविवार से गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के खुलने के साथ ही चारधाम यात्रा का आगाज हो गया है।

महिला आरक्षण की राह में बाधा डालकर कांग्रेस और गठबंधन के दलों ने 'महापाप' किया है : विष्णुदेव साय

एजेंसी

रायपुर : छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि देश की आधी आबादी को नेतृत्व के अधिकार से वंचित करने के उद्देश्य से महिला आरक्षण की राह में बाधा डालने का जो 'महापाप' कांग्रेस और गठबंधन के दलों ने किया है, उसका परिणाम उन्हें अवश्य भुगतना पड़ेगा। मुख्यमंत्री साय ने रविवार को भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह, प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव, मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, रायपुर महापौर मीनल चौबे, सांसद कमलेश जांगड़े, सांसद लक्ष्मी वर्मा के साथ नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लोक

सभा में पारित नहीं हो पाने पर पत्रकारवार्ता को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि लोक सभा में 131वें संविधान संशोधन महिला आरक्षण बिल की राह में बाधा डालकर कांग्रेस, टीएमसी व सपा ने देश की 70 करोड़ महिलाओं के साथ विश्वासघात किया है। आज पूरे विपक्ष का चेहरा उजागर हो चुका है। आने वाले समय में इंडी गठबंधन को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि हम सबका हमारा संघर्ष जारी रहेगा और महिलाओं को लोक सभा तथा विधान सभा में 33 प्रतिशत का हक दिलाकर रहेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लाया गया नारी शक्ति वंदन अधिनियम से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक हमारी माताओं-बहनों के लिए लोक सभा और विधान सभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण का मार्ग प्रशस्त करने वाला था। लेकिन, परिवारवादी राजनीति और वोट बैंक को साधने के लिए कांग्रेस ने देश की करोडों महिलाओं के साथ धोखा किया है। देश की आधी आबादी को नेतृत्व के अधिकार से वंचित करने के उद्देश्य से महिला आरक्षण की राह में बाधा डालने का जो 'महापाप' कांग्रेस और इंडी गठबंधन दलों ने किया है, उसका परिणाम उन्हें अवश्य भुगतना पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राचीन काल से नारियों का सम्मान हुआ है। हम लोग अपने देश में नारियों को दुर्गा, सरस्वती, लक्ष्मी का अवतार मानते हैं। उसी दिशा में उनका नेतृत्व सुनिश्चित करने का काम होने जा रहा था, लेकिन जिस तरह से इंडी गठबंधन ने, खासतौर से कांग्रेस, टीएमसी और सपा ने जिस तरह से अधिनियम का विरोध किया और अधिनियम को पास नहीं होने दिया, उससे देश की आधी आबादी के उम्मीदों पर पानी फेरने का काम किया। इसकी जितनी निंदा की जाए कम है।

संक्षिप्त खबरें

बलबीर पुंज के निधन पर आरएसएस ने जताया शोक, दी श्रद्धांजलि

नयी दिल्ली: प्रख्यात चिंतक, लेखक एवं पूर्व सांसद बलबीर पुंज के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है। संघ ने कहा कि उनके निधन से देश के सार्वजनिक जीवन को अपूरणीय क्षति पहुंची है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि बलबीर पुंज ने अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में गंभीर अध्ययन, स्पष्ट विचार और जिम्मेदारीपूर्ण अभिव्यक्ति के माध्यम से समाज को दिशा देने का कार्य किया। समसामयिक विषयों पर उनके लेखन को सदैव गंभीरता और प्रामाणिकता के साथ देखा जाता रहा। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिजनों, मित्रों और शुभचिंतकों को इस कठिन समय में धैर्य और शक्ति प्रदान करने की कामना की। उल्लेखनीय है कि बलबीर पुंज भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, प्रख्यात पत्रकार और स्तंभकार थे। भाजपा के दिग्गज नेताओं में शामिल रहे बलबीर पुंज पार्टी के उपाध्यक्ष भी रहे। युवावस्था में वह आरएसएस से जुड़ गए थे। उन्होंने साल 1971 में अपने पत्रकारिता कैरियर की शुरूआत की थी और पत्रकारिता में उनका करियर बेहद प्रभावशाली रहा। पुंज दो बार राज्यसभा के सदस्य रहे। पहली बार उत्तर प्रदेश और दूसरी बार तक ओडिशा से राज्यसभा के सदस्य रहे। इसके अलावा उन्होंने नेशनल यूथ कमिशन फॉर यूथ के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया, जिसे केंद्र सरकार में राज्य मंत्री का दर्जा प्राप्त होता है।

उपराष्ट्रपति ने श्रीलंका के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से की मुलाकात

कोलंबो/नयी दिल्ली: उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने रविवार को श्रीलंका की अपनी पहली द्विपक्षीय आधिकारिक यात्रा के दौरान कोलंबो स्थित राष्ट्रपति सचिवालय में राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके और प्रधानमंत्री डॉ. हरिणी अमरसूर्या से मुलाकात की। श्रीलंका की प्रधानमंत्री ने उपराष्ट्रपति के सम्मान में प्रधानमंत्री आवास 'टेंपल ट्रीज' में लंच का आयोजन किया। विदेश मंत्रालय के अनुसार इस दौरान दोनों नेताओं ने साझा इतिहास और मजबूत सभ्यतागत संबंधों पर आधारित बहुआयामी रिश्तों को और अधिक प्रगाढ़ बनाने पर सार्थक चर्चा की। दोनों नेताओं ने सदियों पुराने सांस्कृतिक संबंधों को याद किया। साथ ही द्विपक्षीय सहयोग को और अधिक गहरा बनाने की दिशा में तकनीकी और सांस्कृतिक आदान-प्रदान पर चर्चा की। चर्चा का एक बड़ा हिस्सा भारतीय आवास परियोजना और चक्रवात 'दितवाह' से प्रभावित क्षेत्रों के लिए आवंटित 45 करोड़ अमेरिकी डॉलर के सहायता पैकेज पर केंद्रित रहा। इसके तहत भारतीय मूल के तमिल समुदाय के प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्निर्माण और पुनर्वास प्रयासों की समीक्षा की गई। दोनों पक्षों ने मछुआरा समुदायों की आजीविका को ध्यान में रखते हुए मानवीय दृष्टिकोण से उनकी समस्याओं के स्थायी समाधान पर जोर दिया।

संसद में महिला आरक्षण संबंधी बिल गिराकर सपा, कांग्रेस व टीएमसी ने आधी आबादी का दिल तोड़ा : अन्नपूर्णा देवी

लखनऊ : केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि समाजवादी पार्टी, कांग्रेस और टीएमसी जैसे दलों ने संसद में नारी हित के प्रस्ताव को गिराकर आधी आबादी के दिल को तोड़ा है। सदन में नारी शक्ति वंदन अधिनियम के पारित न होने पर सपा समेत विपक्षी पार्टियों के सदस्य खुशी से तालियां बजा रही थी। नारी विरोधी इस आचरण का खामियाजा सपा व कांग्रेस को चुनाव में भुगतना पड़ेगा। केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री रविवार को यहां भाजपा के प्रदेश कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रही थीं। पत्रकार वार्ता के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केन्द्रीय वित्त राज्यमंत्री व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, सुभासपा के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर, महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव व निषाद पार्टी के अध्यक्ष डॉ संजय निषाद उपस्थित रहे। केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आर्थिक व सामाजिक रूप से महिलाओं को सशक्त करने का काम किया। अब राजनैतिक रूप से सशक्त करने की बारी आयी और महिलाओं को उनका अधिकार दिलाने के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन के लिए बिल लाया गया तो इंडी गठबंधन के दलों ने इसके विरोध में वोटिंग की। इंडी गठबंधन की महिला विरोधी मानसिकता उनकी आदत में शुमार है। इसके लिए आधी आबादी उन्हें माफ नहीं करेगी। नारी शक्ति अब जाग चुकी है। अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि देश में 50 वर्षों से ज्यादा समय कांग्रेस की सरकार रही उस समय ओबीसी को अधिकार देने से किसने रोका था। कांग्रेस आज ओबीसी के आरक्षण की बात करती है, जबकि मण्डल कमीशन की रिपोर्ट को वर्षों तक इन्हीं लोगों ने दबाकर रखा था। जबकि ओबीसी को संवैधानिक दर्जा देने का काम मोदी सरकार ने किया। सपा को आड़े हाथों लेते हुए उन्होंने कहा समाजवादी पार्टी तुष्टीकरण की राजनीति करती है। हम बाबा साहब के संविधान को मानने वाले लोग हैं। बाबा साहब ने धर्म के आधार पर आरक्षण का विरोध किया था।

नेपाल में जेन जी प्रदर्शन में मारे गए लोगों के परिजनों ने पीएमओ में धरना दिया

काठमांडू : नेपाल में जेन-जी प्रदर्शन के दौरान मारे गए प्रदर्शनकारियों के परिवारों ने रविवार को प्रधानमंत्री कार्यालय, सिंहदरबार के गेट पर धरना दिया। करीब 20 शहीदों के परिवारों के सदस्य इस धरने में शामिल हुए। मासिक जीवन-निर्वाह भत्ता देने के मंत्रिपरिषद के निर्णय को लागू न किए जाने के विरोध में यह शहीद परिवार आंदोलनरत हुए हैं। जेन-जी शहीद परिवार कल्याणकारी समाज समिति के सचिव रोशन गौतम के अनुसार विभिन्न मंत्रालयों के चक्कर काटने के बाद मजबूर होकर उन्हें प्रधानमंत्री कार्यालय के सामने ही धरना देना पड़ा। उन्होंने कहा कि अब कभी इस मंत्रालय तो कभी उस मंत्रालय दौड़ते रहना ही काम रह गया है। फाइल लेकर भटकने की स्थिति आने के बाद हमने यहीं प्रधानमंत्री कार्यालय में धरना देने का निर्णय लिया। गौतम ने कहा कि फाइल लेकर मंत्रालयों में घूमते रहने के बजाय हमने प्रधानमंत्री कार्यालय में ही आवाज उठाने का निष्कर्ष निकाला है। उनका आरोप है कि मंत्रिपरिषद का निर्णय होने के बावजूद अब तक जीवन-निर्वाह भत्ते की राशि जारी करने की कानूनी प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ी है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902